RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 220
फरीदाबाद, शनिवार, 19 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए   YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

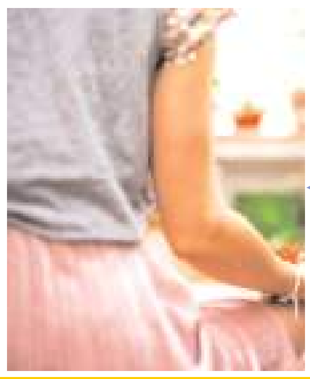

अपने मन को मुक्त करें
स्पेशल पेज -12

कोरोना मीटर

विश्व	
कुल	30,480,231
मौतें	952,026
ठीक	22,165,025
भारत	
कुल	52,47,627
मौतें	84,717
ठीक	41,43,247

स्रोत: www.covid19india.org

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 37.00°C
न्यूनतम 27.10°C

क्विक न्यूज

विपक्ष पर भड़के मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश के किसानों को आश्वस्त किया कि लोकसभा से पारित कृषि सुधार संबंधी विधेयक उनके लिए रक्षा कवच का काम करेंगे और नए प्रावधान लागू होने के कारण वे अपनी फसल को देश के किसी भी बाजार में अपनी मनचाही कीमत पर बेच सकेंगे। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह इन विधेयकों का विरोध कर किसानों को भ्रमित कर रही हैं। विस्तृत खबर पेज-09

अमेरिका 20 से बैन करेगा टिकटॉक-वीचैट

वाशिंगटन। भारत के बाद अब अमेरिका में भी चीनी वीडियो एप टिक टॉक और मैसेजिंग एप वीचैट बैन होने जा रहे हैं। दरअसल अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने शुक्रवार को इससे जुड़ा एक आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक 20 सितंबर से टिकटॉक और वीचैट की डाउनलोडिंग अमेरिका में बंद हो जाएगी।

कल प्रदेशभर में होगा रोड जाम, चढ़ूनी ने कहा

खेती का डेथ वारंट है ये विधेयक

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

लोकसभा में गुरुवार को पास हुए कृषि विधेयक का प्रदेशभर में विरोध हो रहा है। शुक्रवार को किसान, आढ़ती और व्यापारियों ने जिलास्तर पर प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र सरकार और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। वहीं किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने इस विधेयक को खेती का डेथ वारंट बताया। इन्होंने कैथल में ऐलान कर दिया कि 20 सितंबर को प्रदेशभर में रोड जाम किया जाएगा। इसके बाद 25 सितंबर को देशभर में कृषि विधेयक के खिलाफ बंद बुलाया गया है। 27 सितंबर को पूरे देश के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई गई है, जिसमें एक देश-एक आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि तीनों अध्यादेश जो लाए गए हैं ये देश की गुलामी के वारंट हैं। खेती के डेथ वारंट हैं। इससे मंडियां 100 प्रतिशत खत्म होंगी, इससे एमएसपी 100 प्रतिशत खत्म होगा और देश में चंद लोगों का जो ढांचा खड़ा होने जा रहा है, वे पूरे देश के आटा, दाल, खाद्य तेल, आलू, प्याज स्टॉक करेंगे। चंद व्यापारी पूरे देश का माल खरीदेंगे और फिर पूरा देश उनसे मोल लेकर खाएगा। यानि पूरा देश उनका ग्राहक होगा। छोटे व्यापारी खत्म होंगे, आढ़ती खत्म होंगे, खेती तबाह होगी। चढ़ूनी ने कहा कि सरकार कह रही है कि अमेरिका बनाएंगे। आपके पास 5 किले जमीन है जबकि अमेरिका के किसान के पास 5 किलोमीटर जमीन है। वहां किलोमीटर में जमीन है।

चढ़ूनी ने कहा कि लोग कॉन्ट्रेक्ट फॉर्मिंग की बात करते हैं। गुजरात के किसानों ने कॉन्ट्रेक्ट फॉर्मिंग से आलू बोया, सारा आलू तो कंपनी को दे दिया लेकिन अगले साल के लिए बीज रख लिया। चार करोड़ का मुकदमा उन पर दर्ज किया गया। यानि पूरी तरह कंपनियों का गुलाम बनाया जा रहा है। चढ़ूनी ने कहा कि जुर्म बिना कुर्बानी के कभी खत्म नहीं हुआ। ये सरकार हमें गोली भी मारेगी, लाठियां भी मारेगी, जेल में भी डालेगी लेकिन हमें उल्टा वार नहीं करना है। आज तक हमारे आंदोलन इसलिए असफल हुआ कि इन्हें ये कहने का मौका मिल जाता था कि किसानों ने आगजनी कर दी, किसानों ने पत्थरबाजी कर दी। हमें ये कतई नहीं करना है।

21 से सशर्त खुलेंगे शैक्षणिक संस्थान

शिमला। हिमाचल प्रदेश कैबिनेट ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रदेश में कंटेनमेंट जोन से बाहर 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक संस्थानों को खोलने की अनुमति प्रदान कर दी है। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों को 50 प्रतिशत शिक्षकों और गैर-शिक्षक कर्मचारियों के साथ 21 सितंबर 2020 से खोलने को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके लिए विद्यार्थियों के अभिभावकों अथवा संरक्षकों की सहमति अनिवार्य होगी।

प्ले स्टोर से हटा पेटीएम

नई दिल्ली। गूगल ने ने प्ले-स्टोर से पेटीएम एप को हटा दिया है। अब पेटीएम एप को एंड्रॉयड यूजर्स कुछ समय तक डाउनलोड नहीं कर पाएंगे, हालांकि पेटीएम मॉल, पेटीएम फॉर बिजनेस, पेटीएम मनी एप अभी भी प्ले-स्टोर पर मौजूद हैं। वहीं एपल के एप स्टोर से पेटीएम को अभी भी डाउनलोड किया जा सकता है। गूगल द्वारा प्ले-स्टोर से एप हटाए जाने के बाद पेटीएम ने कहा है कि एप को अस्थायी तौर पर प्ले-स्टोर से हटाया गया है। पेटीएम ने ट्वीट करके कहा है कि पेटीएम फिलहाल गूगल प्ले-स्टोर पर उपलब्ध नहीं है, लेकिन हम जल्द ही वापसी करेंगे।

4800 लिपिकों की भर्ती पर मंडराए संकट के बादल!

चंडीगढ़। हालही में हरियाणा में 4800 लिपिकों की भर्ती पर संकट के बादल मंडरा गए है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा तीन सितंबर को घोषित क्लर्क भर्ती के अंतिम परिणाम को रद्द करने संबंधी याचिका पर सरकार व आयोग को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने आयोग को 28 अक्टूबर को जबाव दाखिल करने को कहा है।

खरखौदा निवासी रजत व अन्य ने हाई कोर्ट में दायर याचिका में इनके परिणाम पर सवाल उठाते हुए हाई कोर्ट में इसे चुनौती दी है। आयोग द्वारा रिजल्ट घोषित करने के बाद हरियाणा सरकार लिपिकों को विभिन्न विभागों और जिलों में ज्वाइनिंग भी दे चुकी है। ऐसे में इस परिणाम को हाई कोर्ट में चुनौती दिए जाने से ज्वाइन कर चुके लिपिकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हाल ही में हरियाण में करीब 4800 लिपिकों की भर्ती हुई है।

हरियाणा : सोमवार से खुलेंगे स्कूल अभिभावकों की मंजूरी से आ सकेंगे बच्चे

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए जारी की गाइडलाइन

हरियाणा सरकार ने 21 सितंबर से नौवीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को अभिभावकों की स्वीकृति के बाद स्वेच्छा से आने की इजाजत प्रदान कर दी है। सरकार ने इसके लिए प्रदेश के सभी स्कूलों को गाइडलाइन जारी कर दी है। सबसे अहम बात यह है कि विद्यार्थियों के संपर्क में आने वाले करीब 80 हजार अध्यापकों का कोरोना टेस्ट कराया जाएगा। इस अवधि के दौरान उन्हीं अध्यापकों को बैठने की इजाजत मिलेगी जिनकी कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव होगी।

नौवीं से 12वीं कक्षा तक के जो बच्चे स्कूल अध्यापक से परामर्श लेने के लिए स्कूल आना चाहते हैं, वह सभी अपने माता-पिता से लिखित में सहमति देंगे। इसके अलावा स्कूल में सभी अध्यापकों व अन्य कर्मचारियों के मोबाइल पर अरोग्य सेतु एप डाउनलोड करना अनिवार्य होगा। बच्चों को एक ही समय में स्कूल नहीं बुलाया जाएगा, इसके लिए अध्यापक समुचित व्यवस्था बनाएंगे। स्कूलों को सैनिटाइज किया जाएगा। बच्चों के हाथ धोने के लिए साबुन की व्यवस्था होगी। बच्चे मास्क लगाकर स्कूल आएंगे। सभी बच्चों को केवल स्कूल में अध्यापक से परामर्श के लिए स्कूल बुलाया जाएगा, जबकि उनकी कक्षाएं पूर्व की भांति ऑनलाइन ही लगेंगी। इसके अलावा बच्चों के स्कूल में घूमने और थूकने पर पाबंदी रहेगी। बच्चे स्कूल की प्रयोगशाला का इस्तेमाल कर सकेंगे और लाइब्रेरी से किताबें भी जारी करा सकेंगे।

प्रदेश सरकार ने स्कूल खोलने से पहले इनमें कार्यरत अध्यापकों के लिए कोरोना टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। बच्चों को स्कूल में परामर्श देने वाले सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूल के करीब 80 हजार से अधिक अध्यापकों को टेस्ट कराना होगा। प्रदेश में सरकारी स्कूलों के 9वीं से 12वीं कक्षा के अध्यापकों की संख्या 37 हजार और प्राइवेट स्कूलों में अध्यापकों की संख्या 43 हजार के आसपास है।

गृहमंत्री ने लाठीचार्ज से पल्ला झाड़ा, सरकार ने नहीं दिया कोई आदेश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में किसानों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर शुरू हुई राजनीति लगातार गरमाती जा रही है। कांग्रेसी नेता उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को जहां निशाने पर ले रहे हैं, वहीं गृहमंत्री अनिल विज ने शुक्रवार को फिर से लाठीचार्ज की घटना से पल्ला झाड़ लिया।

अनिल विज ने पत्रकारों से बातचीत में फिर दोहराया कि जब प्रदेश में किसानों पर लाठीचार्ज हुआ ही नहीं तो जांच किस बात की कराई जाए। विज ने सहयोगी पार्टी जजपा की तरफ से आ रहे बयानों पर पलटवार में सवाल करते हुए कहा कि हम किसानों पर लाठीचार्ज क्यों कराएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के साफ आदेश थे कि किसानों पर किसी तरह का लाठीचार्ज नहीं किया जाएगा। इसलिए वहां कोई लाठीचार्ज हुआ ही नहीं है।

दूसरी तरफ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट के माध्यम से दुष्यंत पर निशाना साधते हुए कहा कि छोटे सीएम (दुष्यंत) को पद प्यारा है, किसान प्यारे क्यों नहीं हैं। इसमें कुछ तो राज है। उन्हें किसान माफ नहीं करेंगे। सरकार की पिछलग्गू बनकर जजपा किसान की खेती-रोटी छीनने के जुर्म की भागीदार है।

नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा सरकार में गठबंधन सहयोगी जजपा के नेता ताऊ देवीलाल की बात करते हैं। गठबंधन सहयोगी किसान हितैषी होते तो अबतक सरकार से अलग हो गए होते, लेकिन उन्हें किसान हित से ज्यादा, कुर्सी प्यारी है। दुष्यंत चौटाला के बचाव में उतरे उनके भाई एवं इनसो के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हरियाणा में किसानों पर जो लाठीचार्ज हुआ है,उसकी जांच होनी चाहिए। क्योंकि हम इस बारे में पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि इसमें गृह मंत्री अनिल विज की कोई भूमिका नहीं है। न ही उन्होंने लाठीचार्ज के आदेश दिए थे। इसलिए जिम्मेदारी उन्हीं अधिकारियों की है, जिन्होंने लाठीचार्ज के आदेश दिए। हम इसकी गहराई में जाएंगे।

GRAND COLUMBUS INTERNATIONAL SCHOOL
Nurturing Future Leaders

ADMISSIONS OPEN

Changing 'impossible' to 'ITpossible'

ENROLL NOW
1800 120 168 168
99 99 95 47 05

We are COVID-19 safe campus. SCAN QR to know more.

FOCUS PROGRAMS
- Virtual-ready classrooms
- Project-based learning
- Technology-driven pedagogy

Faridabad, Sector - 16A
admission@grandcolumbus.com
www.grandcolumbus.com

Good Morning!
फरीदाबाद पायनियर
हरियाणा, शनिवार 19 सितंबर 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

कोरोना से हमें खतरा तो कम है लेकिन इसकी दहशत ज्यादा है : सिंघल

कोरोना वायरस से देश में जितनी मौत हुई हैं, इससे कहीं ज्यादा लोग हर साल देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और अन्य बीमारियों की चपेट में आकर मारे जाते हैं। वैसे भी खान पान की वजह से भारतीय लोगों की इम्युनिटी काफी अच्छी होती है। इसलिए स्वस्थ्य व्यक्ति को कोरोना से डरने की कोई जरूरत नहीं है। इसलिए हमें कोरोना के साथ जीते हुए अपने जरूरी काम करने होंगे। हमें बुजुर्गो, बीमार और बच्चों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन भी करना होगा। यह कहना है मनोहर लाल ज्वैलर्स के सीएमडी सुधीर सिंघल का। श्री सिंघल लॉकडाउन में जरूरतमंद लोगों की मदद भी करते रहे हैं। **पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश और सुधीर सिंघल की बातचीत के अंश :-**

जीवन परिचय

नाम : सुधीर सिंघल
जन्मदिन : 10 दिसंबर 1961
पिता : स्वर्गीय चंद्रप्रकाश सिंघल
माता : स्वर्गीय सुषमा सर्राफ
पत्नी : अंजुला सिंघल
परिवार : बेटी दीप्ति
स्कूल : गोवर्नमेंट इंटर कॉलेज, मेरठ
उच्चशिक्षा : बीकॉम - श्रीराम कॉलेज, डायमंड के विभिन्न कोर्स
रूचि : खेल

सवाल : शिक्षा के दौरान क्या आप अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लेते थे।
जवाब : मैं टेबल टेनिस, बैडमिंटन और लॉन्ग टेनिस का खिलाड़ी था। मैं टेबल टेनिस का राष्ट्रीय और लॉन्ग टेनिस का अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी रह चुका हुं। पढ़ाई के बाद भी मैं काफी समय तक इन खेलों में हिस्सा लेता रहा हुं।

सवाल : शिक्षा के बाद आपने करियर की शुरूआत कैसे की।
जवाब : हमारे दादाजी मनोहर लाल जी का पहले से ज्वैलर्स का बिजनेस था। शिक्षा के बाद मैने दादाजी के बिजनेस में हाथ बंटाना शुरू कर दिया।

सवाल : ज्वलेर्स के व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए आपने किस तरह के प्रयास किए।
जवाब : दादाजी मनोहर लाल जी बिजनेस में हमारा मार्गदर्शन करते रहे और हम मेहनत करते हुए धीरे धीरे आगे बढ़ते चले गए।

सवाल : दिल्ली एनसीआर में आपके ज्वैलरी के शोरूम कहां कहां हैं।
जवाब : मेरठ का बाद वर्ष 2003 में हमने दिल्ली के ग्रीन पार्क में मनोहर लाल ज्वेलर्स की शाखा शुरू की थी। लेकिन बाद में इसे बंद कर दिया और दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में नई शाखा शुरू कर दी। इसके बाद हमने नोएडा, दिल्ली के प्रीत विहार, प्रीमतपुरा और इंदिरापुरम में मनोहरलाल ज्वैलर्स की शाखाएं शुरू की। वर्ष 2018 में हमने फरीदाबाद में मनोहर लाल ज्वलेर्स की शाखा शुरू की है।

सवाल : कोरोना की वजह से ज्वैलरी के व्यवसाय पर कितना असर पड़ा है।
जवाब : लॉकडाउन की वजह से अभी तक लोगों के काम धंधे पटरी पर नहीं आए हैं। जिससे ज्वेलरी के बिजनेस पर भी करीब 40 प्रतिशत तक असर पड़ा है, लेकिन लोग विवाह, जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ और अन्य अवसरों पर गिफ्ट देने के लिए ज्वैलरी खरीद रहे हैं।

सवाल : अनलॉक में ज्वैलरी के बिजनेस को पटरी पर आने में कितना समय लग सकता है।
जवाब : लॉकडाउन का असर अभी आगे भी देखने को मिलेगा। जब तक अन्य कामधंधे पूरी तरह पटरी पर नहीं आ जाते, तब ज्वैलरी का बिजनेस भी प्रभावित रहेगा।

सवाल : क्या आप किसी सामाजिक संस्था के साथ भी जुड़े हुए हैं।
जवाब : हमारा परिवार शुरू से ही आर्य समाजी हैं। इसलिए मैं भी शुरू से ही आर्य समाज के साथ जुड़ा हुआ हुं। संस्था द्वारा आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों में काफी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेता हुं।

सवाल : लॉकडाउन में आपने जरूरतमंदों की कैसे मदद की।
जवाब : लॉकडाउन के दौरान मैने करीब 18 लाख रुपये जरूरमंदों की मदद के लिए खर्च किए। इतनी इतनी रकम मेरे 15-20 दोस्तों ने भी खर्च की थी। लेकिन हमें अफसोस है कि हमारी मदद सही हाथों तक नहीं पहुंच पाई। 30 मार्च से हमने राहत कार्य शुरू किया था। लेकिन हालात देखकर हमने 20 अप्रैल को यह काम बंद कर दिया।

सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।
जवाब : लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ या नहीं, इस पर तो टिप्पणी करना उचित नहीं हैं। लेकिन लॉकडाउन की वजह से लाखों मजदूरों को भारी परेशानियां झेलते हुए सैंकड़ों किलोमीटर का सफर तय करना पडा।

संक्षिप्त समाचार

टैंकरों की हड़ताल का असर उद्योगों पर : भाटिया

फरीदाबाद। नगर निगम आयुक्त द्वारा टैंकरों से पानी सप्लाई करने के मामले में लिए गए निर्णय उपरांत टैंकर से पानी सप्लाई करने वाले हड़ताल पर चले गए। इस हड़ताल का सीधा प्रभाव औद्योगिक संस्थानों पर पड़ा है। फरीदाबाद नगर निगम के पास तो पीने के पानी की सप्लाई पूरी करने की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में उद्योगों को पानी की पूर्ति निगम कैसे करेगा, यह सोचना ही बेईमानी है। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान बीआर भाटिया का कहना है कि औद्योगिक संस्थान कोरोना के कारण हुई तालाबंदी एवं बाजार में मांग न होने से पहले ही लड़खड़ा रहे हैं, ऐसे में उनका पानी बंद कर देना गला घोटने के समान है। भाटिया का कहना है कि बोर कानूनी है कि गैरकानूनी, इस विवाद से परे वास्तविकता यह है कि दशकों से पानी की सप्लाई टैंकरों द्वारा हो रही है। हालांकि यदि नगर निगम पानी की आपूर्ति करें तो वह औद्योगिक संस्थानों को काफी सस्ती पड़ती है, परंतु यह एक कड़वी सच्चाई है कि उद्योगों को पानी की सप्लाई देना निगम के बस की बात नहीं। उन्होंने निगम आयुक्त से इस संबंध में गंभीरता से पुनर्विचार करने की अपील की है। भाटिया के अनुसार उद्योग प्रबंधक टैंकरों से पानी नहीं मंगना चाहते। परंतु यह उनकी विवशता है। भाटिया ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल और उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला जिनके पास उद्योग विभाग भी है से भी अपील की है कि इस समस्या का तुरंत समाधान कराएं।

ई-लोक अदालत में 972 केसों का निपटारा

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं न्यायमूर्ति पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ राजीव शर्मा के दिशा निर्देशानुसार कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक जिले में ई लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता की अध्यक्षता में एवं मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में जिला अदालत में लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिस लोक अदालत में 12 बेंच लगाए गए। जिनमें विरेंद्र प्रसाद, राजेश गर्ग, सरताज बसवाना, पुनीत सहगल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश व कुमुद गुगनानी प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट व पूनम कंवर, हिमानी गर्ल, विवेक चौधरी, राकेश का ध्यान सुमित का लोन प्रदीप कुमार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी व एसके गोयल चेयरमैन परमानेंट लोक अदालत जन सुविधाएं संबंधित की बेंच बनाई गई। जिनमें 1502 रखे गए। जिनमें से कुल 972 केसों का निपटारा आपसी सहमति से लोक अदालत द्वारा किया गया। जिनमें मोटर वाइकल दुर्घटना 17, दीवानी केस 19, विवाह संबंधित केस 05, छोटे-मोटे अपराधिक मामले 99, चेक बाउंस 75, बिजली से संबंधित 305, बैंक की से संबंधित 405 व एमसीएफ के 34 केसों का निपटारा किया गया। रविंद्र गुप्ता पैनल एडवोकेट ने बताया कि लोक अदालत में केसों का फैसला होने पर जिसकी सुप्रीम कोर्ट तक कोई अपील नहीं होती तथा केस का फैसला हमेशा हमेशा के लिए हो जाता है। जिससे पैसे व समय की बचत होती है तथा आपस में प्यार भाव बना रहता है।

फसल का अवशेष जलाने से रोकने को कमेटियां गठित

फरीदाबाद। फसल अवशेषों को जलाने से रोकने व निगरानी के लिए उपायुक्त यशपाल ने जिला, उपमंडल, तहसील, ब्लॉक व गांव स्तर पर कमेटियों का गठन किया है। उपायुक्त ने बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण व माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार खेतों में फसलों के बचे हुए अवशेषों को जलाने से रोकने के लिए विभिन्न इन्फोर्समेंट टीमों व मोबाईल स्कवायड का गठन किया गया है। ग्रामीण स्तर की कमेटियों में संबंधित पटवारी, सरपंच और कृषि विभाग के एडीओ को शामिल किया गया है। ब्लॉक स्तर की कमेटी में बीडीपीओ, कानूनगो और ब्लॉक एजुकेशन आफिसर शामिल हैं। उपमंडल स्तर की कमेटी में संबंधित एसडीएम, तहसीलदार, एसएडीओ बल्लभगढ़ व एसीपी शामिल हैं। जिला स्तरीय कमेटी में डीडीपीओ, कृषि उपनिदेशक, रीजनल आफिसर हरियाणा स्टेट प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड फरीदाबाद और रीजनल आफिसर हरियाणा स्टेट प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बल्लभगढ़ को शामिल किया गया है। उपायुक्त ने बताया कि यह सभी टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में फसल अवशेषों को जलाने की सभी घटनाएं प्रभावी ढंग से से रोकने और समय पर कार्रवाई करने के लिए कार्य करेंगी और प्रतिदिन संबंधित एसडीएम के जरिए सांय 4 बजे तक अपनी रिपोर्ट भी प्रस्तुत करेंगी। इस दौरान उपायुक्त ने जिला के किसानों से भी अनुरोध किया है कि पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए अपनी फसलों के अवशेषों को न जलाएं।

जीबी स्पोर्ट्स ने दो विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। छठां ऑल इंडिया रविंद्र फागना अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट में जी बी स्पोर्ट्स सीसी ने डब्लू सीएल क्रिकेट अकादमी को 2 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 40-40 ओवर का था। डब्लू सीएल क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्यण लिया। डब्लूसीएल क्रिकेट अकादमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 38.2 ओवर में 10 विकेट पर 274 रन बनाए। बल्लेबाजी करते हुए राजा ने 71 रन, जमी खान ने 58 रन और शहान ने 56 रन बनाए। जीबी स्पोर्ट्स सीसी की ओर से गेंदबाजी करते हुए सक्शम सिंगहोरा ने 5 विकेट, अतरव गुप्ता ने 3 विकेट, चंद्रेश ठाकुर ने 2 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए जीबी स्पोर्ट्स सीसी की टीम ने 39.4 ओवर 8 विकेट में 278 रन बनाकर जीत हासिल की। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए केशव दलाल ने 100 रन, काव्या ने 87 रन और राघव ने 29 रन बनाए। डब्लूसीएल क्रिकेट अकादमी की और से गेंदबाजी करते हुए राजा ने 5 विकेट, प्रियांशु, रेहान ओर सार्थक ने 1-1 विकेट लिए। लाखन (रविंद्र फागना क्रिकेट अकैडमी) के द्वारा सक्शम सिंह होरा को मैन आफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

शहर का तापमान
- अधिकतम 37.03 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 27.05 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज
- बीके चौक पर आशा वर्करों का धरना : सुबह 10 बजे
- सेक्टर-12 में पीटीआई टीचरों का धरना: सुबह 11 बजे
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच व ओपीडी : सुबह 8 बजे

सीलिंग व हड़ताल से पानी के लिए हा-हा कार

स्मार्ट सिटी

राजेश दास। फरीदबाद

नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण जिला डार्क जोन में शामिल है। अवैध दोहन अन्य कई कारणों से आने वाले कुछ सालों में पानी के स्थानीय स्त्रोत समाप्त हो जाएंगे। फिलहाल भी नगर निगम जो पानी लोगों के घरों में पहुंचा रहा है, वह बिल्कुल भी पीने योग्य नहीं है। ऐसे में लोग पेयजल के लिए टैंकरों और वैध-अवैध आरओ प्लांटों पर निर्भर है। नगर निगम ने समस्या का सामाधन किए बिना कुछ आरओ प्लांटों को सील किया है। साथ ही पानी सप्लाई करने वाले टैंकरों के खिलाफ भी कार्रवाई की है। परिणाम स्वरूप टैंकर चालकों ने शुक्रवार को हड़ताल शुरू कर दी। वहीं सीलिंग के डर से आरओ प्लांट संचालक ने अपने प्लांट बंद कर दिए। जिसके कारण शहर में पीने के पानी का सकंट खड़ा हो गया। जिसका कुछ माफियाओं द्वारा जमकर फायदा उठाया जा रहा है। आम दिनों में 10 रुपये में बिकने वाली पानी की बोतल दो से तीन गुणा ज्यादा दामों पर बेची जा रही है।

फोटो : राजेश पुंजानी

लापरवाही से जल संकट

वैसे तो नगर निगम द्वारा सप्लाई किया जाने वाला पानी पीने योग्य तो नहीं है, लेकिन इस पानी का इस्तेमाल लोग स्नान और अन्य रोजमर्रा के कामों के लिए करते हैं। लेकिन निगम की लापरवाही के कारण लोग को इस पानी के लिए भी तरसना पड़ जाता है। गर्मी में तो शहर में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है, लेकिन सर्दी में भी निगम द्वारा कई कई दिनों बाद पानी की आपूर्ति की जाती है। जबकि निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से भारी मात्रा में पानी नष्ट हो जाता है। बाटा पुल के निकट सेक्टर 11 में करीब 19 दिन पूर्व पाइप लाइन फटने से पानी लगातार बहता रहा। इस दौरान लाखों लीटर पानी व्यर्थ में बह कर नष्ट हो गया। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना देने के बाद निगम ने इस पाइप लाइन की मरम्मत करवाने का काम नहीं किया। जबकि निगम ने पाइप लाइनों की मरम्मत का काम ठेके पर दिया हुआ है। हालांकि अब निगम की तरफ से पाइप लाइन की मरम्मत करवाने की बात को कही जा रही है। लेकिन निगम द्वारा उस इलाके के ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

विकल्प नहीं है

सेक्टर 55 निवासी राजकुमार कौशिक का कहना है कि नगर निगम आज तक शहर से पेयजल सकंट दूर करने में कामयाब नहीं हुआ है। लोगों को वर्षो से अवैध आरओ प्लांट संचालकों और टैंकरों से पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। निगम को विकल्प तैयार करने की जरूरत है।

आम लोग परेशान

जवाहर कालोनी निवासी राजू रस्तोगी ने बताया कि मंदी से लोगों की पहले ही आर्थिक स्थिति काफी खराब चल रही है। अब नगर निगम द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद पानी की बोतलों के दाम बढ़ गए है। ऐसे में गरीब तबके के लोगों की मुसीबत और ज्यादा बढ़ गई है।

बिना विकल्प के कार्रवाई

पेयजल समस्या को दूर करने के लिए कई परियोजनाओं के तहत नगर निगम द्वारा शहर में करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। लेकिन इसके बावजूद आज तक पेयजल समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। हाल ही में नगर निगम द्वारा अमृत योजना के तहत शहर में कुछ स्थानों पर एक निजी कंपनी के माध्यम से वॉटर एटीएम लगवाए गए हैं। लेकिन शहर की आवादी के हिसाब से यह मशीनें पांच प्रतिशत भी पेयजल उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। इन मशीनों में नगर निगम की पाइप लाइनों से पानी के कनेक्शन दिए हुए हैं। नगर निगम द्वारा वैसे ही कई कई दिनों बाद पानी की आपूर्ति की जाती हैं। पानी के अभाव में यह मशीने भी अक्सर बंद रहती है। निगम के अधिकारियों को अच्छी तरह पता कि शहर की करीब 80 प्रतिशत आवादी पीने के पानी के लिए अवैध टैंकरों और आरओ प्लांटों पर निर्भर है। लेकिन निगम ने इनका विकल्प तलाशे बिना इनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की हैं। जिसका खामियाजा शहर के लोगों को उठाना पड़ रहा है।

आरओ प्लांटों पर दिखावे को को कार्रवाई

नगर निगम ने अवैध बोरिंग और नगर निगम की सप्लाई के पानी से आरओ प्लांट चलने वाले चंद लोगों के खिलाफ दिखावे के लिए कार्रवाई की गई हैं। शहर भर की हर गली मोहल्ले में अवैध रूप से आरओ का पानी बेचा जा रहा है। चंद आरओ प्लांट और ट्रैक्टर टैंकर चालकों के खिलाफ निगम द्वारा की गई कार्रवाई के परिणाम विपरित आए हैं। इस कार्रवाई के विरोध में टैंकर चालकों ने पानी की सप्लाई बंद कर हड़ताल शुरू कर दी है। वहीं दूसरी तरफ ज्यादातर संचालकों ने अपने आरओ प्लांट बंद कर दिए हैं। जबकि नगर निगम के कर्मचारियों से सांठ गांठ रखने वाले कुछ संचालक सरेआम अपने आरओ प्लांट चला रहे हैं। इस तरह के लोगों ने मौके का फायदा उठाते हुए पानी की कालाबाजारी शुरू कर दी है। आम दिनों में 20 लीटर की पानी की बोतल दस रुपये में बेची जाती है। लेकिन अब इनके द्वारा यहीं पानी की बोतल 20 से 30 रुपये तक बेची जा रही हैं। शहर की विभिन्न कालोनियों में रहने वाले गरीब तबके के लोगों को मजबूरी में महंगा पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। कोरोनाकाल की मंदी के कारण लोगों की पहले आर्थिक स्थिति कमजोर हैं। ऐसे में उन्हें पानी की भी तीन गुणा कीमत देनी पड़ रही है।

निवेश गुरु

निवेश क्यों जरूरी है

ज्यादातर लोग सिर्फ नौकरी या काम करके आय अर्जित कर सकते हैं। जैसे-जैसे आपका उम्र बढ़ता है वैसे ही खचज़ भी बढ़ता हैं। उम्र बढ़ने के साथ कायज़ क्षमता भी घटने लगता है। दुनिया में कुछ ही प्रतिशत लोग हैं जो नौकरी या काम के अलावा भी इनकम जनरेट कर पाते हैं, उसे निवेशक कहते हैं। निवेशक वे लोग होते हैं जो अपने कमाई से बचत कर के, कुछ रुपयों का निवेश करके उस से कमाई करते हैं।

यूटीलिटी न्यूज

टयूबवैल का शुभारंभ

फरीदाबाद। बडखल विधानसभा क्षेत्र की विधायिका सीमा त्रिखा के आर्शीवाद से भांकरी गांव में ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने गांव वालों के साथ मिलकर टयूबवैल का शुभारंभ किया। जैसे ही मशीन ने टयूबवैल की बोरिंग करना शुरू किया। गांव वालों ने केन्द्रीय मंत्री चौ.कृष्णपाल गुर्जर जिन्दाबाद, विधायिका सीमा त्रिखा जिन्दाबाद, प्रवीण चौधरी जिन्दाबाद के जोरदार नारे लगाए और खुशी में लडडू बांटे। इस अवसर पर प्रवीण चौधरी ने कहा कि पिछले काफी समय से यहां उत्पन्न पानी के समस्या को विधायिका सीमा त्रिखा के संज्ञान में लाया गया था। सीमा त्रिखा ने लोगों की भावनाओं को समझते हो यहां टयूबवैल लगाने का आदेश दिया। प्रवीण चौधरी ने कहा कि इस टयूबवैल के शुरू हो जाने से यहां के लगभग 100 परिवारों को फायदा मिलेगा।

क्विक न्यूज

राजधानी की चपेट में आने से मौत

फरीदाबाद। रेलवे लाइन पार करते वक्त राजधानी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मरने वाला व्यक्ति लकड़पुर रेलवे फाटक के निकट था। हादसे में वह ट्रेन के साथ करीब 100 मीटर की दूरी तक घसीटता हुआ चला गया, जिससे की शव की पहचान करना मुश्किल हो गया है। यह घटना बृहस्पतिवार शाम की करीब 6 बजे की है। यह ट्रेन दिल्ली से पलवल की ओर जा रही थी। मृतक ने आसमानी रंग की कमीज, नीली रंग की टीशर्ट और डार्क रंग की पैंट पहनी हुई थी। मृतक की उम्र करीब 35 साल है। शव की पहचान के लिए आसपास के लोगों को भी बुलाया गया, पर लोगों ने शव की पहचान नहीं की। जीआरपी के सबइंस्पेक्टर राजपाल सिंह ने शव पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है।

शिक्षकों के प्रशिक्षण को एआईसीटीई और जेसी बोस का समझौता

तकनीकी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों को गुणवत्ता मानकों पर प्रशिक्षण देगा विश्वविद्यालय

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) ने तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता मानदंडों को लेकर शिक्षकों के क्षमता निर्माण के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने तथा उन्हें सर्टिफिकेशन देने के लिए जेसी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी बोस विश्वविद्यालय के साथ समझौता किया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एआईसीटीई चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे के साथ एआईसीटीई मुख्यालय, नई दिल्ली में भेंट की तथा परस्पर सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। दोनों ने अपने संस्थानों की ओर से समझौता पर हस्ताक्षर भी किए। इस अवसर पर एआईसीटीई के वाइस चेयरमैन प्रो. एमपी पूनिया तथा सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार और जेसी बोस विश्वविद्यालय प्लेसमेंट, एलुमनी और कॉरपोरेट मामलों के डीन डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे।

कुलपति ने कहा कि यह साझेदारी तकनीकी शिक्षा में उच्च मानक प्राप्त करने और तकनीकी संस्थानों की क्षमता में सुधार लाने के लिए एआईसीटीई की गुणवत्ता पहलों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नैक और एनबीए मान्यता प्राप्त करने के लिए अपने संबद्ध कॉलेजों को मेंटरशिप सेवाएं प्रदान करने के लिए भी काम कर रहा है। एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने विश्वविद्यालय के साथ समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त की और विश्वविद्यालय को एआईसीटीई गुणवत्ता पहलों के कार्यान्वयन के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। एआईसीटीई के साथ समझौते के तहत जे.सी. बोस विश्वविद्यालय परीक्षा सुधार, एनबीए प्रत्यायन और प्रक्रिया, एआईसीटीई द्वारा निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम, नवाचार के प्रारंभिक चरण में बौद्धिक संपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करेगा। इसके अलावा, एआईसीटीई की ओर से विश्वविद्यालय को प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल्यांकन के आधार पर शिक्षकों को सर्टिफिकेशन भी प्रदान करने के लिए अधिकृत होगा। दोनों संस्थानों के बीच पांच वर्ष की अवधि के लिए हुए इस समझौते के अंतर्गत विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष 10 ऐसे कार्यक्रम आयोजित करेगा।

पायनियर
हरियाणा, शनिवार 19 सितंबर, 2020

बीके दे रहा कोरोना को बढ़ावा ईएसआई में बिस्तरों का अभाव

पायनियर ने शुक्रवार के अंक में छापी थी, एक बिस्तर पर दो-दो मरीजों की खबर

छपी खबर में था अपातकालीन कक्ष में एक बिस्तर पर जिन मरीजों का जिक्र, उन्हीं में से निकले कई पॉजिटिव

कविता। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में गत बृहस्पतिवार को एक बिस्तर पर दो मरीजों को भर्ती करके अस्पताल प्रबंधन ने कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही थी। इस खबर को पायनियर ने अपने शुक्रवार के अंक में प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया। बृहस्पतिवार की देर रात पता चला कि इनमें से तीन मरीज पॉजिटिव पाए गए। तीनों को रेफर कर दिया गया। लेकिन जिसमें एक मरीज को कोविड अस्पताल से आईसीयू में बिस्तर न होने की बात कहकर लौटा दिया। वहीं इसके बाद भी बीके अस्पताल प्रबंधन की तरफ से कोरोना से बचाव के नियम नहीं अपनाये गए। बल्कि यहां पॉजिटिव आये मरीजो के बिस्तरों और ऑक्सीजन वाले मास्क को बिना सैनिटाइज के दूसरे मरीजों पर इस्तेमाल किया जा रहा है। इसकी जानकारी पायनियर को सम्पर्क सूत्र ने दी।

शुक्रवार को पायनियर में छपी एक बिस्तर पर दो मरीजों की फोटो के साथ खबर की कटिंग

बुजुर्ग थे शामिल

बीके में पॉजिटिव आने वाले मरीजों में बुजुर्ग ही शामिल है। जिसमें एनएच-एक, नंगला और सेक्टर-23 इत्यादि इलाकों के 60 से 85 वर्ष की उम्र में मरीज शामिल थे। उनमें से जनरल वार्ड के मरीजों को तो कोविड-19 अस्पताल में भर्ती कर लिया गया, लेकिन आईसीयू के मरीजों को लौटा दिया गया। वापस लौटाई गई महिला मरीज को सांस लेने में दिक्कत थी और वह बृहस्पतिवार की सुबह बीके अस्पताल में भर्ती हुई थी। भर्ती होने के दौरान भी उसने सांस लेने की दिक्कत चिकित्सक को बताई थी।

नहीं किया भर्ती

आपातकालीन कक्ष में देर रात तक पॉजिटिव मरीज आते रहे और अस्पताल में आने वाले मरीजों को एक के बाद एक कोविड-19 अस्पताल में भेजा जाने लगा, लेकिन वहां कोरोना के मरीजों को भर्ती करने के लिए आईसीयू में बिस्तर ही उपलब्ध नहीं थे। जिस पर मरीज को वापस लौटा दिया। मरीज को एक बार फिर बीके लाया गया। लेकिन यहां उसकी सुनवाई नहीं हुई। जिस पर मरीज के परिजन उसे निजी अस्पताल में लेकर चले गए।

एक बिस्तर पर दो मरीज

अपातकालीन कक्ष में दो में से एक कक्ष बृहस्पतिवार को पूरा खाली था। दूसरे में एक-एक बिस्तर पर दो-दो मरीजों को भर्ती करके रखा गया था। जहां एक तरफ कोरोनाकाल में बच्चों और बुजुर्गों को कोविड-19 से बचाव का संदेश सरकार द्वारा दिया जा रहा है। वहीं बीके में बुजुर्ग और बच्चों को एक ही बिस्तर पर भर्ती किया गया है। वहीं व्यस्क मरीजों के साथ बुजुर्ग भी दाखिल देखे गए। अस्पताल प्रबंधन की इस लापरवाही से यहां शाम तक करीब पांच मरीज पॉजिटिव आ गए।

कोरोना: दो मौतें, 287 पॉजिटिव, आंकड़ा 17268

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में जिस रफ्तार से कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, ठीक उसी रफ्तार से पॉजिटिव मरीज कोरोना को जिले में मात दे रहे हैं। शुक्रवार को 24 घंटे में 298 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 88.3 प्रतिशत पर पहुंच गया। वहीं 287 पॉजिटिव सामने आने से कोरोना का आंकड़ा जिले में 17,268 पर पहुंच गया। वहीं जिले में लगातार मृतकों की संख्या भी बढ़ रही है। शनिवार को मृतकों की संख्या का आंकड़ा 200 को पार कर गया।

मृतक और पॉजिटिव

जिले में सेक्टर-नौ निवासी 55 वर्षीय और एनएच-तीन निवासी 58 वर्षीय दो व्यक्तियों ने दम तोड़ दिया। दोनो ही कोरोना के अलावा अन्य कई तरह की बीमारियों से ग्रस्त थे। वहीं 287 पॉजिटिव में सेक्टर-88, एयरफोर्स, शिवदुर्गा विहार, यादव कालोनी, मेवला महाराजपुर, खेड़ी कला, कृष्णा कालोनी, आदर्श नगर, सेक्टर-62, 22, 37, 78, 82, 9, सारन, मुजैड़ी, एनएच-दो, ईएसआईसी कैम्पस, मोहबताबाद, धौज, भनकपुर, अमर नगर, इंदिरा कॉम्प्लैक्स, न्यू जनता कालोनी, तुलसी कालोनी, ओल्ड प्रैस कालोनी, बड़ौली, पुरी प्रणायाम, जसाना, मच्छगर, जुन्हैड़ा, दयालपुर, अहीरवाड़ा, सैनिक कालोनी, जैन कालोनी, डींग, भारत कालोनी, हरी बिहार, नीमका जेल से 1-1 मरीज शामिल है। सेक्टर-3, बल्लभगढ़, चार्मवुड, चंदावली, भुदत्त कालोनी, सेहतपु, सेक्टर-16, अजरौंदा, छायंसा, तिगांव, पर्वतीया कालोनी से 2-2 मरीज है। एसजीएम नगर, एनएच-तीन, एनएच-5, सेक्टर-70 से 3-3 मरीज है। सेक्टर-23, से 4, सेक्टर-55 से 9, डबुआ कालोनी से 6 और अन्य एरियों से 155 मरीज है।

यह है आंकड़े

अब तक कुल जांच	177257
अब तक रिपोर्ट नेगेटिव	159622
रिपोर्ट आनी शेष	367
अब तक पॉजिटिव	17268
अब तक कुल ठीक	15250
अब तक कुल मौत	201
गंभीर हालत में भर्ती	56
आईसीयू में है भर्ती	04

संक्षिप्त समाचार

नोटिस मिलने का ऑटो मार्केट के दुकानदार ने किया विरोध

फरीदाबाद। तिकोना पार्क ऑटो मार्किट के प्रधान देविंद्र रतड़ा ने बताया की नगर निगम ने लीज़ की अवैध रूप से बनी दुकानों को तोड़ने का 15 सितम्बर का नोटिस दिया है। जबकि कम्प्लेक्स ने उन्हें यह दुकाने 99 साल की लीज़ पर दिया था। निगम ने उन्हें अवैध तरीके से बनाने का नोटिस दिया है कि वह 7 दिनों में अपना अवैध निर्माण हटा ले। जिसको लेकर शुक्रवार को मार्किट के दुकानदारों ने नगर निगम के जॉइंट कमिश्नर प्रशांत अटकन से मुलाकात की। दुकानदारों ने जॉइंट कमिश्नर को नोटिस के बारे में अवगत कराया। जॉइंट कमिश्नर ने दुकानदारों को आश्वाशन देते हुए कहा कि कि वह किसी की दुकान नहीं तोडना चाहते, लेकिन जिस तरह निगम ने तिकोना पार्क की लीज़ की दुकानों को जिस भी तरह दिया था वह उस तरह से अपनी दुकान को कर ले या फिर उन दुकानों को फ्री होल्ड करवा ले या फिर जिन दुकानदारों ने अवैध रूप से बना रखा है, उस का नियम अनुसार फीस जमा करा दें। इस बाबत उन्होंने दुकानदारों से 7 दिनों में जवाब मांगा है। जिस से उन की दुकानों को बचाया जा सकता है। इस मौके पर दीन मोहमद, हनीफ खान, संजय भारद्वाज, अली खान, निसार खान, बाबू खान, रणधीर कुमार, सोनू कुमार आदि दुकानदार मौजूद थे।

इंजीनियर दिवस पर बनाए वर्किंग मॉडल

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड और जूनियर रेडक्रॉस के सौजन्य से आयोजित किए गए वर्चुअल कार्यक्रम में अभियंता दिवस पर बालिकाओं के वर्किंग मॉडल बना कर भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की सेवाओं के प्रति आभार प्रकट किया। देश के विकास में इंजीनियर्स का बहुत बड़ा रोल है। आपदा से लेकर निर्माण तक इंजीनियर्स के बिना कुछ भी नहीं हो सकता। देश के विकास के धूरि इंजीनियर्स ही हैं। भारत रत्न सर डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिवस के रूप में इसे भारत में मनाया जाता है। मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का जन्म मैसूर में 15 सितम्बर 1861 को हुआ था। विश्वेश्वरैया भारतीय सिविल इंजीनियर, विद्वान और राजनेता थे। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि सर एम. विश्वेश्वरैया एक होनहार इंजीनियर थे और उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्यों जैसे नदियों के बांध, पुल और पीने के पानी की स्कीम आदि को कामयाब बनाने में अविस्मरणीय योगदान दिया है। उनके इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विशेष योगदान को सम्मानित करने के लिए उन्हें 1955 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया।।

एसकेजेसीए ने जीता छह विकेट से मैच

फरीदाबाद। छठां ऑल इंडिया रविंद्र फागना अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट में एसकेजेसीए अकैडमी ने रविंद्र फागना क्रिकेट अकैदमी (पाली) को 6 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। इस मौके पर बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 40-40 ओवर का था। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी (पाली) ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। रविंद्र फागना क्रिकेट अकैदमी (पाली) की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 32.1 ओवर में 10 विकेट पर 120 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए कृष्णा भड़ाना ने 34 रन, कुनाल ने 25 रन और हरीश भड़ाना ने 15 रन बनाए। एसकेजेंसीए अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए आयुष नेगी ने 5 विकेट, देव बिछुरी ने 2 विकेट, वासु यादव ओर अनिल सिंहमार ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए एसकेजेंसीए अकादमी की टीम ने 18.1 ओवर 4 विकेट में 122 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल किया। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए जतिन शर्मा ने 37 रन, भारत रावत ने 33 रन और मुदास्सर अली ने 23 रन बनाए। रविंद्र फागना क्रिकेट अकैदमी (पाली) की और से गेंदबाजी करते हुए अनिक गौर ने 2 विकेट, वैभव सिंह ओर अन्नु भड़ाना ने 1-1 विकेट लिए। लाखन एंपायर के द्वारा आयुष नेगी को मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

आज पावर रहेगी कट

फरीदाबाद। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से मरम्मत कार्य के चलते विभिन्न इलाकों में पॉवर कट रहेगा। तिकोना पार्क एरिया में केबल वर्क के चलते नीलम और एलआईसी एरिया में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक बिजली नहीं आएगी। एनएच-5 ए, बी, सी, जी, एच, जे, निशन हट व भगत सिंह कॉलोनी एरिया में सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक बिजली स्पलाई बंद रहेगी। सेक्टर-15 ए, सेक्टर-15 बी, पारसनाथ, एल्डिको, टेलीफोन एक्सचेंज, एस्कॉर्ट्स-1, डेल्टॉन केबल, जिमखाना, थॉमशन प्रेस, प्रेरणा, सेक्टर-12, नेहरू कॉलेज व दौलताबाद सुबह 9.30 से 11.30 बजे तक बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी।

स्क्रैप व्यापारी से 2.25 लाख लूटे

फरीदबाद। बड़खल की जमाई कालोनी में स्थित एक कबाड़े के गोदाम पर शुक्रवार की दोपहर को कुछ लोगों ने हमला कर दिया। आरोपी व्यापारी को घायल कर करीब सवा दो लाख रुपये लूट कर फरार हो गए। घायल व्यक्ति को बीके अस्पताल में दाखिल कराया गया है। नेहरू कालोनी निवासी इरशाद ने बताया कि उसके चाचा युसूफ बड़खल की जमाई कालोनी में रबड़ स्क्रैप का गोदाम चलाते हैं। अन्य दिनों की तरह शुक्रवार को भी वे अपने गोदाम में बैठ कर काम कर रहे थे। तभी दोपहर करीब दो बजे के आसपास कुछ लोगों ने गोदाम पर हमला कर युसूफ के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान युसूफ के भाई ने बचाने का प्रयास किया तो हमलावरों ने उसे भी घायल कर दिया। जिसके बाद आरोपीन सवा दो लाख रुपये लूट कर मौके से फरार हो गए। दोनों घायलों को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

हिंदी भाषा न आने पर महिला भटकी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गुरूग्राम से उड़ीसा स्थित अपने गांव जा रही एक महिला पिछले दिल्ली में भटक गई। महिला को हिंदी बोलना नहीं आता था। जिससे वह पता नहीं बता पा रही थी। इस दौरान महिला का मानसिक संतुलन भी बिगड़ गया। सामाज सेवियों ने महिला को जेल रोड स्थित निर्मल छाया आश्रम की वेलफेयर ऑफिसर भावना ने इसकी सूचना स्टेट क्राइम ब्रांच फरीदाबाद में तैनात एएसआई अमर सिंह को दी। अमर सिंह ने उस महिला की बात उड़ीसा के एक दोस्त से कराई। लेकिन महिला अपना पता नहीं बता पा रही थी, क्योंकि उस समय तक भी उसका दिमागी संतुलन ठीक नहीं था। पांच-छह दिन बाद दोबारा भावना ने काउंसलिंग की तो उसने स्कूल वाली गली डूंडाहेड़ा और पति का नाम राजेंद्र बताया तब एएसआई अमर सिंह, एएसआई शीतल, सिपाही मोहनलाल तलाश में जुट गए। डूंडाहेड़ा थाना का नंबर लेकर वहां फोन किया। थाने के मुंशी से बात हुई जिन्होंने राइडर वालों को अमर सिंह का नंबर शेयर किया और मौके पर भेजा। एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद स्टेट क्राइम ब्रांच फरीदाबाद और डूंडाहेड़ा सिपाही जसकरण की मेहनत रंग लाई और इस महिला का पति राजेंद्र मिल गया। उसने बताया यह जिद करके घर से चली गई थी कि मुझे गांव जाना हैं। मैं इसको ढूंढ ढूंढ थक चुका था। 16 सितंबर को राजेंद्र तिहाड़ जेल रोड निर्मल छाया कंपलेक्स पहुंचा। जहां वेलफेयर ऑफीसर भावना ने सारी प्रक्रिया पूरी करके महिला को उसके पति के हवाले कर दिया।

अब छात्र मन चाहे परीक्षा केन्द्र में दे सकेंगे एग्जाम

फरीदाबाद। एमडीयू ने वाजिब कारणों से परीक्षा के विकल्प बदलने की इच्छा रखने वाले छात्रों की सहूलियत के लिए एक योजना बनाई है। इस योजना के तहत एमडी यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं में छात्रों को संस्थान स्तर पर ही परीक्षा देने का विकल्प बदलने का मौका मिलेगा। इसके लिए छात्रों को संस्थान के निदेशक या प्रिंसिपल से अनुमति लेनी होगी। एमडीयू ने सभी संबंधित कॉलेजों में इसे लेकर निर्देश जारी कर दिए हैं। यूनिवर्सिटी के अनुसार छात्रों की तरफ से परीक्षा के विकल्प में बदलावों की मांग की जा रही है। कोई छात्र इंटरनेट कनेक्टिविटी व अन्य तकनीकी कारणों के चलते पहले से ऑनलाइन चुने जा चुके विकल्प को ऑफलाइन में बदलना चाहते हैं, तो कोई बीमारी से पीड़ित होने पर ऑफलाइन चुने गए विकल्प को ऑनलाइन में बदलना चाहते हैं।

नकली आईपीएस निकला ड्र्ग्स तस्कर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 30 क्राइम ब्रांच ने 10 सितंबर को बदरपुर बॉर्डर एरिया से जिस नकली आईपीएस अधिकारी अबंग मेहताब व उसके साथी कबीर खान को गिरफ्तार किया था। उन्होंने पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में ड्रग्स तस्करी का भी खुलासा किया है। इन दोनों को दिल्ली एनसीआर से चोरी की लग्जरी कारों को मणिपुर ट्रांसपोर्ट कर बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अब पुलिस ने इसी कड़ी में चोरी की कार खरीदने वाले मणिपुर निवासी दो अन्य आरोपी मोहम्मद असकर को उसके गांव चोबाक लिलोंग, थौबल, मणिपुर से गिरफ्तार किया। तभी दुसरे आरोपी अरिबम गुनानांडा को खबर लग गई की पुलिस ने उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है तो वह मणिपुर से कलकता भागने के लिए इंफाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंच कर इंडिगो एयरलाइंस से कोलकाता जाने के लिए फ्लाइट में बैठ चुका था। फ्लाइट रनवे पर थी। वह अपने मंसूबे में कामयाब हो पाता । उससे पहले ही क्राइम ब्रांच प्रभारी विमल को सूत्रों से सूचना मिली की अरिबम गुनानांडा की इम्फाल इंटरनेशनल एअरपोर्ट से कोलकाता भागने की तैयारी में है। इंस्पेक्टर विमल ने तुरंत फ्लाइट की टाइमिंग का पता करके तुरंत एयरपोर्ट पहुंचे, फ्लाइट दोपहर 1.30 बजे की थी। प्लेन रनवे पर था और टेक ऑफ करने ही वाला था कि क्राइम ब्रांच ने एअरपोर्ट के उच्च अधिकारियों की मदद से प्लेन को रनवे पर ही रुकवाकर आरोपी को गिरफ्तार किया। क्राईम ब्रांच आरोपी को गिरफ्तार कर 3 दिन के ट्रांजिट रिमांड पर फरीदाबाद लाए हैं। जिन्हें 18 सितंबर को कोर्ट में पेश करके पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई।

विभिन्न मांगों को लेकर पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा गवर्मेंट पीडब्लूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने शुक्रवार को कैनाल कॉलोनी में जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व ब्रांच के प्रधान जगदीश चंद्र कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व प्रांतीय प्रधान एवं सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल और जिला प्रधान अतर सिंह मौजूद रहे। गुस्साए कर्मचारियों ने जमकर सरकार विरोधी नारे लगाए। कर्मचारी नए नॉर्म्स को रद्द करो, पुराने नियम बहाल करो के नारे लगा रहे थे। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने बताया कि सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता ने 20 अगस्त 2020 को नए नॉर्म्स लागू कर दिए हैं। जिसके तहत 10 किलोमीटर पर एक बेलदार का पद मंजूर किया गया है। जबकि 12.6. 1980 को जेएलएन के मुख्य अभियंता ने मेन कैनाल पर एक किलोमीटर के अंदर एक बेलदार का पद मंजूर कर रखा था।

इस पत्र को 2003 में तत्कालीन सरकार ने संशोधित कर दिया। इसके तहत 5780 बेलदारों के पदों को समाप्त करके 4900 कर दिया गया था। उसके बाद 2005 में नई सरकार आई उसने सिंचाई विभाग के बेलदारों के पद घटाकर केवल 3900 कर दिए। अभी इस सरकार ने इन पदों को भी समाप्त करना शुरू कर दिया है। यूनियन सरकार की निजीकरण की नीतियों का डटकर विरोध करेंगे। किसी भी सूरत में सिंचाई विभाग में कर्मचारियों के पद समाप्त नहीं होने दिए जाएंगे क्योंकि सरकार कर्मचारियों से नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की बात करती है।

अवैध बोरिंग करने पर नौ मुकदमे दर्ज, लोगों ने लगाया जाम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सरकार के आदेशों की अवहेलना कर जिले में अवैध बोरिंग करने वालों के कनैक्शन काटकर मामले दर्ज किए जा रहे है। जिससे शुक्रवार को जिले में पानी के टैंकरों से सप्लाई करने वालों ने हड़ताल कर दी। वहीं जिले की विभिन्न कालोनियों में पानी की किल्लत को देखते हुए लोगों ने जगह-जगह विरोध प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। वहीं अवैध बोरिंग करने वालों के खिलाफ विभिन्न थानों मे 9 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक फरीदाबाद में बढ़ते जल संकट को देखते हुए हरियाणा सरकार द्वारा नगर निगम की इजाजत के बिना कोई भी बोरवैल न लगाने के आदेश दिए गए हैं। परन्तु सरकार के आदेशों की अवहेलना करते हुए कुछ व्यक्तियों ने आरओ प्लांट और अवैध बोरवैल लगवा लिए हैं। नगर निगम की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने विभिन्न थानों में 9 व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत मुकदमा दर्ज कर कानून के तहत कार्यवाही की गई है। इसमें थाना सेक्टर 17 में 1, थाना पल्ला में 3 और थाना खेड़ीपुल में 5 मुकदमें शामिल हैं। वही अवैध रूप से बने इन आरओ वाटरों के बंद होने से जिले में पेयजल सप्लाई बंधित हो गई। कुछ सप्लायरों ने रेट बढ़ा दिए। जिससे लोगों ने जगह-जगह जाम लगा दिया। वह सप्लायरों द्वारा मंहगे दामों में सप्लाई होने वाले पानी और निगम के द्वारा पेयजल आपूर्ति ठीक से न किए जाने को लेकर नारेबाजी करते नजर आए।

डालसा ने करवाए मास्क वितरित

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता व न्यायाधीश मंगलेश कुमार चौबे सीजेएम कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद के निर्देशानुसार जिले में विभिन्न स्थानो पर मास्क का मुफ्त वितरण पैनल अधिवक्ताओं व समाजसेवियों द्वारा किया जा रहा है। इसी कड़ी में भारतीय मीडिया विकास परिषद हरियाणा के चेयरमैन सुनील कुमार जांगड़ा ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं सीजेएम मंगलेश कुमार चौबे के नेतृत्व में कोरोना से बचाव के लिए समाजसेवियों द्वारा बड़े स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान निरंतर जारी है न्यायाधीश मंगलेश कुमार चौबे के निर्देशन में फेस मास्क वितरण प्रक्रिया के अलावा वाहन चालकों पैदल चलने वाले लोगों को भी बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है माननीय न्यायाधीश महोदय का नेतृत्व बहुत ही सराहनीय और प्रशंसनीय है ।

बेरोजगार युवाओं को ऋण मुहैया करवाएं बैंक: डॉ. मिश्रा

रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए बैंको द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान किया जा रही है।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

औद्योगिक नगरी बल्लभगढ़ के साथ-साथ जिला फरीदाबाद में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार बेरोजगारो को रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए बैंको द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान किया जा रही है। इसके लिए बेरोजगार लोगों को प्रशिक्षण देने के उपरांत बैंको के माध्यम से अलग अलग योजनाओं के अनुसार सस्ती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। यह बात जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक डॉ. अलभ्य मिश्रा ने बैंकों की जून तिमाही 2020-21 की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में संबोधित करते हुए कही।

जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने कहा कि जिला के सभी बैंकों में कुल जमा राशि 46 हज़ार 250 करोड़ तथा बैंकों द्वारा प्रदत बकाया ऋण 24 हजार 228 करोड़ है। जिला मे ऋण जमा अनुपात 52.5 प्रतिशत है। जो कि जून 2019 तिमाही के सापेक्ष जमा राशियों में 12.78 प्रतिशत वृद्धि और अग्रिम ऋण में 4.48 प्रतिशत की कमी प्रदर्शित करता है। जिला मे बैंकों द्वारा प्राथमिक क्षेत्र में 11 हजार 603.5 करोड़ रुपये की धनराशि जो कुल ऋण का 47.8 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि कृषि हेतु अग्रिम 652.3 करोड़ रुपये की धनराशि तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के अंतर्गत 7951.9 करोड़ रुपये की धनराशि का ऋण बकाया है। यह कुल ऋण राशि का 32.7 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि विगत तिमाही में जिला के बैंकों द्वारा कृषि क्षेत्र में 90.6 करोड़ रुपये, एमएसएमई में 1 हजार 075.4 करोड़ रुपये की धनराशि के साथ कुल प्राथमिक क्षेत्र में 1 हजार 484.6 करोड़ रुपये की धनराशि, गैर प्राथमिक क्षेत्र में 1 हजार 668.7 तथा कुल 3 हजार 163.6 करोड़ रुपये की धनराशि का ऋण वितरित किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि पशुओं के रख रखाव हेतु पशु किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत बैंकों द्वारा 1 हजार 947 करोड़ रुपये की धनराशि के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। घुमंतू विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर) हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में जारी स्कीम प्रधानमंत्री स्वनिधि में पोर्टल पर 1 हजार 530 करोड़ रुपये की धनराशि के ऋण आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं, जिसमें से बैंकों द्वारा 373 पत्रावली मूल तथा सैद्धांतिक रूप से स्वीकृत की जा चुकी है।

हरियाणा सरकार द्वारा संचालित www.atamnirbhar.haryana.gov.in पोर्टल पर मुद्रा शिशु लोन, डीआरआई/DRI तथा शिक्षा ऋण ऑनलाइन आवेदित किए जा रहे हैं। इसमें अभी तक 500 से अधिक ऋण आवेदन प्राप्त हुए है। जिन्हें बैंक अति शीघ्रता से निपटाने में लगे हैं। डीआईसी, केवीआईसी, एनयूएलएम, एनआरएलएम, एचएसएफडीसी, डीआईसी, केवीआईसी, एनयूएलएम, एचएसएफडीसी विभागों के अधिकारियों द्वारा भी अपने अपने विभागों की बैंक शाखाओं में लंबित पत्रावलियो पर जानकारी दी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा सभी बैंकों को निर्देश दिए कि पशु केसीसी, पीएम स्ट्रीट वेंडर, आत्मनिर्भर पोर्टल पर आवेदित मुद्रा शिशु लोन तथा अन्य सरकारी योजनाओं से लंबित ऋण पत्रावलीयों का जल्द से जल्द निपटान करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकांश बडे प्राइवेट बैंकों व समस्त बैंकों को पशु केसीसी तथा पीएम स्वनिधी के अंतर्गत ऋण पत्रावलियों को 7 दिवस के अंदर निस्तारित कर जिला अग्रणी कार्यालय को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। इसी प्रकार नाबार्ड के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी करने हेतु बैंकों को अधिक आए अर्जित करने वाले व्यवसाय जैसे डेयरी पालन, मत्स्य पालन मधुमक्खी पालन, फल व सब्जी प्रसंस्करण हेतु बैंकों द्वारा ऋण देने पर बल दिया गया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल उदय भारतम पार्टी के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय सी—310, सिग्मा—2, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, यू.पी.—201308 में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है— पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए है:—

अध्यक्ष : डा0 राजेन्द्र प्रसाद, पता : 6—1, अदुसुमिलि वारि विदेह, सिरिपुरम, मेडिकोंदूर मंडल, गुंटूर जिला, ए. पी.—522401
महासचिव : श्री आलोक कुमार, पता : पी—166, संजय नगर, गाजियाबाद, यू. पी.—201002
कोषाध्यक्ष : श्री पी0 सुरेशन, पता : बी 1107, औ एक्स वाई होमज, निकट कोयल एंक्लेव, गाजियाबाद—201102

यदि किसी को उदय भारतम पार्टी के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली—110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

पायनियर
हरियाणा, शनिवार 19 सितंबर, 2020

फॉर्च्यून के लेबल लगाकर बेच रहे सरसों का तेल

समसपुर गांव में परचून की दुकान पर की गई छापेमारी

पुलिस ने मौके से 10 लीटर सरसों का तेल किया बरामद

गुरुग्राम। फॉर्च्यून कंपनी के फर्जी लेबल लगाकर सरसों का तेल बेचा जा रहा था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने संबंधित दुकान में छापेमारी की। इस दौरान खुलासा हुआ कि वहां फर्जी तरीके से तेल बेचकर कमाई की जा रही है। मौके से 10 बोतलें तेल की जब्त की गई। सब-इंस्पेक्टर विजेंद्र ने शुक्रवार को बताया कि दुकानदार को तेल सप्लाई देने वाली चेन को खंगाला जा रहा है।

अनलॉक होने के बाद से ही पुलिस को शिकायतें मिल थी गुरुग्राम के समसपुर गांव में नामी ब्रांड का स्टिकर लगाकर नकली तेल बेचा जा रहा है। गुरुवार को दिल्ली पश्चिम विहार निवासी विजय कुमार पंडित कि शिकायत पर सेक्टर-50 थाना पुलिस की टीम ने रात करीब 8 बजे समसपुर गांव स्थित परचून की दुकान पर छापा मारा।

38 ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के ग्रामीण फेस-2 का सर्वे शुरू

सर्वे में तैनात कर्मचारियों को 3 से 4 गांवों में सर्वे की सौंपी जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

बीडीपीओ कार्यालय में ब्लॉक कोडिनेटर गौरव कुमार ओडीएफ फेस-2 के तहत बैठक करते हुए।

खंड की 38 ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के ग्रामीण फेस-2 के तहत ओडीएफ प्लस का सर्वे शुरू। यह सर्वे 31 अक्तूबर तक किया जाएगा। शुक्रवार को स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक कॉडिनेटर गौरव कुमार ने बताया कि खंड की सभी 38 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण फेस-2 के तहत ओडीएफ प्लस का सर्वे का कार्य शुरू किया है। जिसमें सर्वे टीम गांव-गांव, घर-घर जाकर सर्वे करेगी। गौरव कुमार ने शुक्रवार को सर्वे टीम में तैनात कर्मचारियों को 3 से 4 गांवों में सर्वे करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जो ओडीएफ प्लस एप द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में सामुदायिक व व्यक्तिगत स्तर पर बनाए गए ठोस व तरल कचरा कार्यो की सर्वे होगी। उन्होने बताया कि ब्लॉक में 50 से अधिक सदस्यों की टीमें बनाई गई है। उन्होने बताया कि सर्वे करने वाली टीम के पास स्मार्टफोन होगा। जिसमें राजकीय स्कूल, आंगनबाड़ी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चौपाल आदि शौचालयों के निर्माण होने की जानकारी। व्यक्तिगत स्तर पर बनाएं गए शौचालय व उनके गड्ढों की सर्वे की जाएगी। जो सार्वजनिक स्थानों पर शौचालय बनाएं गए है। क्या वर्तमान समय में उनका उपयोग हो रहा है। घरों में निजी स्तर पर बनाएं गए शौचालयों का उपयोग परिवार के कितने लोग उपयोग कर रहे है। खुले में शौच जाने वाले गांवों में लोगों की आबादी है। घर में शौचालय बनें होने के बावजूद खुले में शौच करने वालों की संख्या क्या है। ब्लॉक कोडिनेटर ने बताया कि सर्वे की जिम्मेदारी लेने के बाद टीमों ने कार्य को शुरू कर दिया है।

ऋण के लंबित आवेदनों का जल्द निपटारा करे बैंक: एडीसी

एडीसी ने बैकों की जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की वचर्युअल बैठक की अध्यक्षता कर कहा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अतिरिक्त उपायुक्त प्रशांत पंवार ने कहा कि जिला के सभी सरकारी व गैर सरकारी बैंक केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र व्यक्तियों को जल्द से जल्द ऋण उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। बैंक अपने यहां ऋण के लिए लंबित आवेदनों का जल्द निपटारा करने का प्रयास करें।

एडीसी बैंकों की जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की वर्चयुअल बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में जिला की अलग-अलग बैंक शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए बैठक का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। बैठक के दौरान अतिरिक्त एडीसी ने सभी बैंकर्स को निर्देश दिए कि वे सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के आवेदकों को उदारता से ऋण सुविधा दें ताकि वे उन योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार के साधन जुटा सकें। पवार ने सभी बैंकों से आए अधिकारियों को दिशा निदेज़्श देते हुए कहा कि वे विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे एनआरएलएम, एनयूएलएम, मिनी डेयरी, पीएमईजीपी, एमएसएमई सहित अन्य योजनाओं का लाभ मुहैया करवाने के लिए पात्र व्यक्तियों की मदद करें।

बैठक में सरकारी प्रायोजित योजनाओं के तहत दिए गए ऋण पर भी विस्तार से चर्चा की गई। श्री पंवार ने कहा कि वे पीएम किसान क्रेडिट कार्ड के तहत अधिक से अधिक किसानों को जागरूक करने और पात्र किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के लिए विशेष तौर पर अभियान चलाएं।

महिला का मंगलसूत्र झपटकर बाइक सवार फरार

गुरुग्राम। यहां कोर्ट में जा रही एक महिला से राजीव चौक पर दिनदहाड़े मोटरसाइकिल सवार बदमाश सोने का मंगलसूत्र छीना और फरार हो गए। महिला ने अपनी स्कूटी से बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे पकड़ में नहीं आ सके। देर शाम महिला की शिकायत पर शिवाजी नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गुरुग्राम पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने शुक्रवार को बताया कि घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। जानकारी के अनुसार सेक्टर-52 स्थित इंदिरा कॉलोनी नम्बर-1 निवासी महिला अनिता गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे किसी काम से अपनी स्कूटी पर कोर्ट आ रही थी।

आइसोलेशन सेंटर में शिफ्ट होंगे पॉजिटिव कैदी

गुरुग्राम। भोंडसी जेल में बंद कोरोना संक्रमित कैदियों को बेगमपुर खटोला गांव के सामुदायिक केंद्र में शिफ्ट किया जाएगा। इस केंद्र को आइसोलेशन सेंटर बनाया गया है। जिला उपायुक्त अमित खत्री ने जिला जेल अधीक्षक को आदेश दिए हैं कि बिना देरी के कोरोना संक्रमित कैदियों को इस आइसोलेशन सेंटर में भेजा जाए।

गुरुग्राम पुलिस को आइसोलेशन सेंटर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने को कहा गया है, ताकि कोई भी कोरोना संक्रमित कैदी वहां से भाग ना सके। कोरोना संक्रमित कैदी की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उसे आइसोलेशन सेंटर से जेल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पुलिस कर्मियों की होगी। जिला कारावास के अधीक्षक को आइसोलेशन सेंटर के अंदर नियमानुसार आतंरिक प्रबंधन तथा भर्ती कैदियों के रिकॉर्ड रखने आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। वे आइसोलेशन सेंटर में बेड, बर्तन, खान-पान आदि सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही स्टाफकी स्क्रीनिंग तथा कैदियों में कोरोना के लक्षणों आदि के जांच में प्रयोग होने वाले उपकरणों, पीपीई किट, फेस मास्क, सैनेटाइजर, एप्रन, गलब्ज आदि की भी व्यवस्था जिला कारावास के अधीक्षक द्वारा की जाएगी। आइसोलेशन सेंटर में सफाई तथा सेनिटाइजेशन आदि के लिए पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। सिविल सर्जन को कोरोना संक्रमित कैदियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए आइसोलेशन सेंटर में जरूरत के अनुसार मेडिकल ऑफिसर व अन्य स्टाफ की तैनाती करने को कहा गया है।

लस्टर लास के नाम पर हैफेड ने काटे करोड़ों रूपये : पूर्व प्रधान

इन्द्री। अनाज मंडी में आढ़तियों, किसानों व मंडी से जुड़े सभी लोगों ने तीनों अध्यादेशों व कुछ अन्य बातों को लेकर रोष प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर मार्केट कमेटी सचिव को अपनी मांगो का ज्ञापन सौंपा।

इस मौके पर काफी संख्या में आढ़ती मौजूद रहे। इस बारे में जानकारी देते हुए पूर्व मंडी प्रधान समे सिंह कांबोज ने कहा कि पूरे प्रदेश में अनिश्चित कालीन हड़ताल की जा रही है ओर जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि सरकार की हैफेड़ एंजेसी ने लस्टर लास के नाम पर आढ़तियों के खातों से लाखों रूपये काट लिये है। पूरे प्रदेश में यह राशि करोड़ों रुपयों में होगी। उन्होंने कहा कि लस्टर लास में किसानों व आढ़तियों का कोई रोल नहीं होता है फिर भी सरकार ने मनमानी करते हुए यह राशि काटी है। समे सिंह ने कहा कि सरकार ने सीजन के दौरान लस्टर लास को स्वंय वहन करने की बात कही थी लेकिन फिर भी यह राशि काटी गई है। सरकार ने हमारी पिछले सीजन की जीरी की पेंमट का ब्याज अभी तक नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में सरकार किसानों, आढ़तियों व उनसे जुड़े मुनीम, पल्लेदार व मजदूरों को बेरोजगार करने पर तुली हुई है। किसान व आढ़ती एक साथ है, लेकिन सरकार इन दोनों को अलग करने पर जुटी है। हमारी सरकार से मांग है कि पुराने सिस्टम को ही लागू किया जाये ओर इन तीनों अध्यादेशों में जो खामियां है उनको दूर किया जाये।

बाजरे की खरीद को लेकर गहराया संकट

दो अभिलेखाकार कर्मी हुए दूसरी जगह ट्रांसफर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना मार्केट कमेटी विभाग कार्यालय एक मात्र ऑक्शन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) के सहारे चल रहा है। विभाग के कार्यालय में 6 में से 5 पद रिक्त होने से आगामी होने वाली बाजरे की खरीद को लेकर संकट गहरा गया है। सोहना अनाज मंडी में एक अक्तूबर से बाजरा की सरकारी खरीद शुरू होने जा रही है। मंडी में आने वाला बाजरा की आवक को मार्केट कमेटी विभाग कर्मचारी व अधिकारी अपनी देखरेख में करवाते हैं।

मार्केट कमेटी विभाग के स्थानीय कार्यालय में एकमात्र ऑक्शन रिकार्डर कर्मी (नीलामी अभिलेखा) है। हाल ही में विभाग कर्मचारियों के हुए तबादलों में दो ऑक्शन रिकार्डर कर्मी (नीलामी अभिलेखा) यहां से तावडू व रेवाड़ी के आदेश हो गए है। अब मार्केट कमेटी कार्यालय में एक मात्र ऑक्शन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) है। जिसके जिम्मे सुबह सब्जी मंडी के अलावा करीब 24 आढ़तों पर आने वाले अनाज की ऑक्शन कराना भी होता है। सब्जी मंडी में रोजाना 300 से 350 क्विंटल सब्जी की आवक व बिक्री होती है। जिसका लेखा जोखा ऑक्शन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) को ही करना होता है। कृषि विभाग के ब्लॉक अधिकारी अरूण कुमार सोलंकी ने बताया कि इस साल 18 हजार एकड़ में किसानों ने बाजरे की बिजाई की है।

बाजरा की खरीद को लेकर पसीना छूटा

मार्केट कमेटी विभाग के स्थानीय कार्यालय में सचिव, एकाउंटेंट और एक बाबू है। ऑक्शन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) एक होने के कारण यह कार्य अन्य कर्मचारी नहीं कर सकते है। एक दिन में 300 से 400 क्विंटल बाजरे की आवक होती है। पिछले साल बाजरे की आवक ने रिकार्ड कायम किया था।

मंडी निरीक्षक के पद रिक्त

सोहना अनाज मंडी में दो पद मंडी निरीक्षक के कई सालों से खाली पड़े है। जिनक पर तैनाती न होने से मंडी में आने वाली सब्जी व अनाज का निलामी कराने का जिम्मेदारी नीलामी अभिलेखा की बन जाती है। जिसे आवक के साथ-साथ बिकने वाले का रिकार्ड चढ़ाना, अंकित करना बहुत ही मुश्किल हो जाएगा।

क्या कहना है सचिव

मार्केट कमेटी के सचिव नरेश कुमार ने बताया कि एक मात्र ऑक्शन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) से सब्जी और अनाज की नीलामी कराना बहुत ही मुश्किल होगा। उन्होने बताया कि उच्चाधिकारियों को ऑक्शन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) जानकारी दे दी गई है। उन्होने बताया कि हाल ही में हुए ऑक्शन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) के तबादलों के दौरान प्रदेश की अन्य किसी मंडी से यहा पर कोई नहीं आया है। छह में से पांच पद पद खाली होने से उनके लिए बाजरे की खरीद का ऑक्शन करना महाभारत बनता नजर आ रहा है।

हर चौथे महीने सैंपल अंबाला के अस्पताल भेजेंगे

कुरुक्षेत्र। लोकनायक जयप्रकाश जिला नागरिक अस्पताल के नए भवन में ऑपरेशन थिएटर, एसएनसीयू और प्रसव कक्ष में हर चौथे महीने संक्रमण की जांच के लिए स्वैब कल्चर के सैंपल अंबाला छावनी के सिविल अस्पताल में भेजे जाएंगे। ये जानकारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ शैलेंद्र ममगाईं शैली ने शुक्रवार को अस्पताल में पुनर्गठित संक्रमण नियंत्रण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में पुनर्गठित इस समिति में आवासीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम सुंदर अरोड़ा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मेजपाल, जिला गुणवत्ता प्रबंधक डॉक्टर प्रिया गुप्ता, मेट्रन राजकौर, आउटसोर्सिंग सुपरवाइजर पवन शर्मा और श्यामलाल को शामिल किया गया है।

बेदराम हत्याकांड में 8 में से 4 आरोपियों को मिली रिमांड

थाना पुलिस ने रिमांड पर आए हत्यारोपियों से झगड़े के दौरान उपयोग हथियार बरामद किए

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना से लगता जिला नूंह के गांव निवासी मृतक बेदराम हत्याकांड में अदालत ने 8 में से 4 आरोपियों को तीन दिन की रिमांड पर भेजा दिया है। रोजका मेव थाना पुलिस ने रिमांड पर आए हत्यारोपियों से झगड़े के दौरान उपयोग किए गए डंडे, फर्सा, लाठी आदि हत्यारों को लेकिन पूछताछ शुरू कर दी है।

रोजका मेव थाना पुलिस शुक्रवार को आटा निवासी मृतक बेदराम हत्याकांड में गिरफ्तार किए गांव के ही 8 नामजद आरोपी प्रवीण, हितेश, विजय, नरबीर, प्रकाश, राहुल, पंकज और निरजन को नूंह स्थित अदालत में पेश किया। मामले की जांच कर रहे एसआई श्योरनलाल ने बताया कि अदालत से पुलिस ने प्रवीण, हितेश, विजय और नरबीर को रिमांड पर दिए जाने की गुहार लगाई थी। क्योकि इस झगड़े को भड़काने तथा हमला करने वालों में इन चारों आरोपियों की भूमिका अब तक की जांच मुख्य रुप से आ रही है। उन्होने बताया कि अदालत ने चारों आरोपियों को तीन दिन की रिमांड पर भेजा है। जिनसे पुलिस ने पूछताछ शुरू करते हुए झगड़े के दौरान उपयोग किए गए डंडे, लाठी व फर्सा की बरामदगी की जाएगी। जो झगड़े के बाद छूपा दिए गए थे। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि अन्य चार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में गहणता से जांच कर रही है। ताकि निर्दोष को मामले में न फसाया जाए।

गांव में पुलिस गार्द तैनात

इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि गांव आटा में आपसी भाईचारा खराब न हो। मामले को दोबारा से झगड़े का रुप न दिया जाए। इसके लिए गांव पुलिस की गार्द तैनात कर दी गई है। पुलिस गार्द दोनों गुटों के लोगों पर बराबर की नजरें बनाएं हुए है। ताकि मामला दोबारा से किसी के भडकाउ बातों से न हो।

गांव में पसरा सन्नाटा

गांव आटा में 36 घंटा बीत जाने के बाद सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव की गलियां और मुख्य रास्तों पर ग्रामीणों का आवागमन कम है। जो लोग रोजीरोटी के लिए बाहर जाते है। वें सुबह शाम आ जा रहे है। जिस रास्ते पर दोनों गुटों के बीच झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान फेंकी गई इटें आज भी उसी स्थान पर पड़ी है।

क्या था मामला

गांव आटा में बुधवार को बच्चों के मामूली से झगड़े से दो गुटों में लाठी, डंडे, फर्सा व ईंट व पत्थर फेंके जाने से एक गुट से 10 लोग घायल हो गए थे। जिस गुट के दस लोग घायल हुए थे। उनमें झगड़े के दौरान लगी चोटों के कारण मरने वाला 50 वर्षीय बेदराम भी शामिल था। 9 घायलों का आज भी अस्पताल में उपचार चल रहा है। रोजका मेव थाना पुलिस ने मृतक बेदराम के पुत्र पोपसिंह की शिकायत पर करीब 18 नामजदों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए 8 को गिरफ्तार कर लिया था।

जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

कुरुक्षेत्र। एडीजीपी एवं हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो प्रमुख श्रीकांत जाधव के नेतृत्व में प्रदेशभर में नशे के विरुद्ध छेड़े गए अभियान का आज कुरुक्षेत्र में भी आगाज हो गया है। प्रधान का पद पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र को जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र विधि विभाग की प्रोफेसर सुशीला चौहान, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रेणु राघव, एडीआर सेंटर की अधिकारी रुमन गुप्ता और शिक्षक एवं समाजसेवी डॉ. भारतेन्दु हरीश को उप प्रधान नियुक्त किया गया। महासचिव के पद पर डॉ. अशोक कुमार वर्मा जबकि सचिव प्रोफेसर विवेक शर्मा को नियुक्त किया गया। कोषाध्यक्ष डॉ. अरुण धीमान, सह कोषाध्यक्ष कर्म चंद, मुख्य सलाहकार मदन मौजूद रहे।

अपराधों पर अंकुश को जनता करे सहयोग : भारती

आईजी ने जिले के मूनक थाने का उद्घाटन किया

पायनियर समाचार सेवा। असन्ध

आईजी भारती अरोड़ा मूनक थाने का उद्घाटन करते हुए

करनाल रेंज की आईजी भारतीय अरोड़ा ने कहा कि अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए जनता पुलिस का सहयोग करें वे आज जिले के असंध कस्बे में मूनक थाने का उद्घाटन करने आई थी। करनाल जिले के 18 वें थाने के तौर पर शुक्रवार को मूनक स्थित जागंडा चौपाल में मूनक थाने का करनाल जोन की आईजी भारती अरोड़ा ने उद्घाटन किया। उद्घाटन से पूर्व आईजी अरोड़ा को पुलिस के जवानों ने गार्ड आफ आनर दिया। इस दौरान नए थाना परिसर को रंग बिरंगे फूलों से सजाया गया । इस अवसर पर करनाल एसपी सुरेंद्र सिंह भोरिया भी उपस्थित थे इनके अलावा बख्सीश सिह पूर्व विधायक हल्का असंध, गुलाब सिह चैयरमैन मार्किट कमेटी असंध,भाजपा मुनक मण्डल अध्यक्ष महिपाल राणा, हवा सिह सरपंच गांव मुनक व थाना क्षेत्र में आने वाले गांवो के अन्य गणमान्य व्यक्तिगण भी मौजूद रहे। थाना मुनक का थाना अध्यक्ष उप निरिक्षक कुलदीप को नियुक्त किया गया। थाना मुनक में कुल 20 पुलिस कर्मी तैनात किये गये।आईजी करनाल भारती अरोड़ा और एसपी करनाल सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने आज रिबन काटकर और हवन यज्ञ में आहूति डाल मूनक में नए पुलिस थाने का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह एक थाना नहीं बल्कि एक इंसाफ और प्रगति का मंदिर है। इसमें नशे की चंगुल में फंसे युवाओं का पता लगा कर उनको नशे की लत से बहार निकालने का काम किया जाएगा। ताकि अन्य युवाओं पर इसका दुष्प्रभाव न पड़ सके। एसपी सुरेंद्र भौरियां ने कहा कि करनाल एक स्मार्ट सिटी है उसी तरह थाना मूनक के अंतर्गत आने वाले 15 गांव को भी करनाल की तरह स्मार्ट बनाना होगा। यह तभी संभव होगा जब गांव में आपसी भाईचारा मजबूत होगा। एसपी भौरिया ने कहा कि इस थाना क्षेत्र के अधीन 7 गांव घरौंडा थाना, सात गांव असंध थाना व एक निसिंग थाना से लिया गया है। 15 गांव के लोगों को यह थाना अपराध रोकने के इलावा कई अन्य सर्विस भी उपलब्ध करवाएगा।

किसान विरोधी फैसलों से अन्नदाता की कमर तोड़ रही भाजपा

इन्द्री। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन हरियाणा प्रदेश के चेयरमैन डा. सुनील पंवार व उनकी धर्मपत्नी इंद्री से कांग्रेस प्रत्याशी डा. नवजोत कश्यप ने अपने निवास स्थान पर साथियों के साथ बैठक कर किसान विरोधी अध्यादेश बारे बातचीत की।

बैठक में उन्होंने बताया कि कोरोना काल की आड़ में किसानों के विरुद्ध पास किये गए तीनों अध्यादेश के खिलाफ 21 सितम्बर को हरियाणा कांग्रेस प्रभारी विवेक बंसल, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षा कुमारी सैलजा, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हूडा, राष्ट्रीय सचिव वीरेन्द्र सिंह राठौर के निर्देश पर समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओ द्वारा पूरे हरियाणा में जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। डा.पंवार ने बताया कि यह कानून किसानों के लिए गुलामी का फरमान लेकर आया है। अगर भारतवर्ष में यह कानून लागू होता है तो देश में निजी मंडियों की स्थापना हो जाएगी। इससे असीमित भंडारण की छूट बिचौलियो और व्यापारियों को मिलेगी। अनुबंधित कृषि शुरू होने से छोटे मंझले किसान अपनी ही भूमि पर मजदूर बन कर रह जाएंगे। डा. नवजोत कश्यप ने बताया कि भाजपा एक तरफ जहां चुनावी घोषणा पत्र में किसानों के लिए स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू करना और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे वायदे करती है वही दूसरी तरफ किसान विरोधी अध्यादेश लाकर किसानों की पीठ में छुरा घोंपने का काम करती है।

संक्षिप्त समाचार

सुदीप सुरजेवाला ने दिया किसान यूनियन को समर्थन

कैथल। भाजपा सरकार द्वारा किसानों व आढ़तियों पर लागू तीन अध्यादेश के विरोध में भारतीय किसान यूनियन व किसानों द्वारा कैथल लघु सचिवालय में धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस काले कानून के खिलाफ पूरे देश के किसान,आढ़ती व मजदूरों में भारी रोष है। जहां इस आंदोलन को हर संगठन का साथ मिल रहा है तो वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी अपने साथियों के साथ भारतीय किसान यूनियन को अपना समर्थन देने के लिए आज धरने पर पहुंचे। सुदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो तानाशाही तरीके से किसानों के ऊपर काला कानून 3 अध्यादेश के रूप में थोंपने का काम किया है वो किसान,मजदूर व आढ़ती के बीच दरार व किसानों को सीधे तौर से खत्म करने का एक जाल है। उन्होंने कहा कि आज हम पार्टी के तौर पर नहीं बल्कि एक किसान के बेटे के तौर पर अपना समर्थन किसानों को देने के लिए आए हैं और इस लड़ाई में जो भी हमें जिम्मेदारी सौंपी जाएगी हम उसे निभाएंगे।

सीवर कनेक्शन और एसटीपी कार्यों को किया जाए पूर्ण

सोनीपत। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों की पूर्ण अनुपालना के उद्देश्य से उपायुक्त पूनिया ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 31 दिसंबर, 2020 तक सीवर कनैक्शन तथा एसटीपी संबंधी सभी कार्यों को पूर्ण किया जाए। इस कार्य में किसी भी प्रकार की ढिल अथवा लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अन्य संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे इस कार्य में पूर्ण सहयोग करें। पूनिया ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने एनजीटी के निर्देशानुसार विशेष रूप से गंदे पानी की निकासी के प्रबंध किए जाने जरूरी हैं। इसके लिए सीवर लाइन तथा एसटीपी का काम पूरा करना होगा। नये सीवर कनेक्शन देते हुए निकासी की बेहतरीन व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि का यह सभी कार्य पूरे किये जायें। इसके लिए सभी विभाग आपसी तालमेल को बेहतरीन बनायें। पूनिया ने स्पेशल एन्वायरन्मेंटल सर्विलांस टास्क फोर्स (एसईएसटीएफ) को भी निर्देश दिए कि वे हर माह ऐसी औद्योगिक इकाइयों की गंभीरता से जांच करें जो जल प्रदूषण का कारण बनती है। ऐसी इकाइयों में जरूरी मानकों की पड़ताल की जाए। यदि कोई औद्योगिक इकाई भूजल दूषित करती है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही केमिकल युक्त पानी खुले में छोडने वाली इकाइयों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई को अंजाम दें। उपायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को सेफ्टी टैंकों की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सेफ्टी टैंकों का पंजीकरण किया जाए। गैर-पंजीकृत सेफ्टी टैंकों के चालान किये जायें। बिना पंजीकरण के इनको कोई अनुमति नहीं दी जाए। इसके अलावा उन्होंने गंदे पानी की निकासी को लेकर विस्तार से मंथन किया। उन्होंने कहा कि कहीं भी गंदे पानी का जमावड़ा नहीं होना चाहिए। गंदे पानी की निकासी को सुदृढ़ किया जाए।

तीन अध्यादेशों के विरोध में किसानों का धरना रहा जारी

कुरुक्षेत्र। तीन अध्यादेशों के विरोध में भारतीय किसान यूनियन का लघु सचिवालय समक्ष धरना चौथे दिन भी जारी रहा। जिलाध्यक्ष कृष्ण कलाल माजरा ने कहा कि जब तक सरकार किसान विरोधी इन अध्यादेशों को वापस नहीं लेती, तब तक किसान चुप बैठने वाले नहीं है। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी किसान केवल संघर्ष करता आ रहा है, लेकिन उसे उसकी फसलों के दाम लागत के आधार पर नहीं मिल रहे है। जब भी किसान अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करते है सरकार किसानों के आंदोलन को दबा देती है लेकिन इस बार किसान आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार है। प्रदेश प्रवक्ता राकेश बैंस ने कहा कि वर्तमान सरकार दमनकारी नीतियों उतर आई है और डंडे के जोर से और पुलिसिया रौब से किसानों की आवाज को दबाना चाहती है। किसान न तो जेलों में जाने से डरता है और न ही डंडे के जोर से डरने वाला है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे जागरूक हो क्यों कि अब आर-पार की लड़ाई की समय आ चुका है। उन्होंने कहा कि 19 सितंबर तक किसानों का धरना इसी तरह जारी रहेगा। यदि सरकार ने ये काले अध्यादेश वापस नहीं लिए तो किसान 20 सितंबर को पूरे प्रदेश में तीन घंटे तक प्रदर्शन करते हुए जाम लगाएंगे। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष कर्म सिंह मथाना ने 20 सितंबर के जाम लगाए जाने बारे बताते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र से यमुनानगर रोड का जाम गांव सुरा में ब्लाक प्रधान कवरपाल डुड़ा और युवा ब्लाक प्रधान नवीन सुरा के नेतृत्व में लगाया जाएगा। कुरुक्षेत्र से पिहोवा रोड पर जाम गांव मुकीमपुरा में पिहोवा युवा प्रधान सुखविंदर मुकीमपुर के नेतृत्व में लगाया जाएगा। अंबाला से हिसार रोड का जाम कस्बा इस्माइलाबाद में गुरनाम सिंह चम्मू के नेतृत्व में लगाया जाएगा। शाहबाद से पंचकूला रोड का जाम राधा स्वामी सत्संग भवन के पास ब्लॉक प्रधान हरकेश खानपुर के नेतृत्व में लगाया जाएगा। कुरुक्षेत्र से किरिमच रोड का जाम गांव किरमच चौक पर सोहन सिंह बारवा के नेतृत्व में लगाया जाएगा।

लॉकडाउन : घरों में कैद महिलाओं को डिप्रेशन से निकालेंगे

कुरुक्षेत्र। सर्व खाप महापंचायत की महिला विग की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष दहिया ने कहा कि उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि लॉकडाउन में घरों में कैद महिलाओं को डिप्रेशन से बाहर निकालने के लिए जो ग्रुप शुरू कर रही है वह ग्रुप नहीं बल्कि एक विशालकाय संगठन बन जाएगा। देखते ही देखते हजारों महिलाएं उस संगठन में शामिल हो जाएंगी। महिला खाप महापंचायत के एक ग्रुप से महिलाओं को जोड़ना शुरु किया था, लेकिन आज महिला खाप महापंचायत के 29 ग्रुप बन चुके हैं और लगातार महिलाएं इस संगठन से जुड़ रही हैं। उन्होंने बताया कि हम हर रोज इसी ना किसी विषय पर चर्चा करते हैं जिसमें महिलाएं खुलकर अपने मन की बात रखती हैं अब तक 50 से ज्यादा विषयों पर महिलाएं चर्चा कर चुकी हैं। डॉ सन्तोष दहिया ने बताया कि यह संगठन जेंडर इक्वेलिटी पर काम करेगा। संगठन में लगभग हर फील्ड से महिलाएं जुड़ी हुई है जिनमे डॉक्टर, वकील, रिटायर्ड जज, बिजनेस वोमेन, अध्यापिकाएं, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, मोटिवेटर, काउंसलर, विद्यार्थी, अमीर -गरीब,जवान- बुजुर्ग हर तबके की महिला जुड़ी है। संतोष दहिया ने बताया कि संगठन की प्रबुद्ध महिलाओं ने एजेंडा तैयार कर लिया है। महिला खाप महापंचायत महिलाओं के हुनर को तराश कर लघु कुटीर उद्योग की तरफ ले जाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका अदा करेगी। इस अवसर पर ममता बूढ़ा, प्रिंसिपल दलजीत कौर संधू, पूनम कुमारी, इंजीनियर मुकेश मान, अध्यापिका अनुराधा शर्मा, अध्यापिका गुलाब कौर, सीमा रानी, प्रिंसिपल बबली देवी, विजय भारती, जसविंदर कौर, एसोसिएट प्रोफेसर सजनी देवी, एडवोकेट सुनीता यादव, इंस्पेक्टर दया कौर, सरोज शर्मा, अनिता भार्गव, गीता बपदी, पूजा मोरथला आदि मौजूद रहीं।

कुरुक्षेत्र की जिला परिषद को मिली 50 लाख रुपए की धनराशि

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिला परिषद कुरुक्षेत्र को दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण में मिला प्रथम पुरस्कार

चेयरमैन गुरदयाल सुनहेडी ने इसका श्रेय मुख्यमंत्री, सदस्यों और जनता को दिया

जिला परिषद के चेयरमैन गुरदयाल सुनेहेडी ने बताया कि कुरुक्षेत्र की जिला परिषद को वर्ष 2018-19 के लिए पूरे भारत में दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार की श्रृंखला में प्रथम पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार केन्द्र सरकार द्वारा दिया गया है। इसके तहत 50 लाख रुपए की राशि कुरुक्षेत्र की जिला परिषद को मिली है।

चेयरमैन गुरदयाल सुनहेडी शुक्रवार को स्थानीय सैफरोन होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की जिला परिषद को प्रथम पुरस्कार मिलना बडे गौरव की बात है इसका श्रेय उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल, जिला परिषद के सभी सदस्य तथा कुरुक्षेत्र की जनता को दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में जिला परिषद दिन रात विकास कार्यों में प्रगति के पथ पर है। पिछले साढे चार साल में जिला परिषद के कार्यकाल में अनेकों विकास कार्य हुए है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा अब तक जिला परिषद को करीब 28 करोड रुपए का बजट आया है जिसमें से करीब 26 करोड रुपए विकास कार्यों पर खर्च किए जा चुके है। उन्होंने कहा कि शहर की तर्ज पर गांवों में विकास कार्य हो इसी आधार पर जिला परिषद कार्य कर रही है। चेयरमैन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जिले में 419 गांव है और 394 पंचायतें है, इन सभी में विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि इन्हीं विकास कार्यों के बल पर कुरुक्षेत्र की जिला परिषद को राष्ट्रीय अवार्ड से नवाजा गया है, जिला परिषद के विकास कार्यों को देखने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार के लिए टीमें आई थी जोकि जिले के कई गांवों में गई और उन्होंने बारिकी से विकास कार्यों को देखा और इन्हीं विकास कार्यों के बल पर प्रथम पुरस्कार मिला है इसके लिए जिला परिषद ने वर्ष 2018 में ऑनलाईन फार्म भरा था।

पत्रकारों से बातचीत करते जिला परिषद चेयरमैन गुरदयाल सुनहेडी।

उन्होंने बताया कि जिला परिषद के कार्यालय के दरवाजे आम व्यक्ति के लिए 24 घंटे खुले है और वे खुद और उनकी टीम प्रात: 11 बजे से लेकर सायं 4 बजे तक कार्यालय में रहती है। यही मंथन करती है कि गांवों को शहर की तर्ज पर और कैसे विकसित किया जाए। चेयरमैन ने बताया कि जिला परिषद द्वारा शिवधाम का सौन्दर्यकरण करना, गली, नाले, चौपाल, सब हैल्थ सैंटर, आंगनवाडी केन्द्रों की मुरम्मत, नए बस क्यू सैल्टर बनवाना, स्वच्छता से सम्बन्धित कार्य करवाना, स्कूलों में शौचालय बनवाना, ओपन जिम बनवाना सहित कई विकास कार्य किए जा रहे हैं।

सीवरेज की प्रेशर लाइन को तुरंत बदलवाएं : जैन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

पूर्व मीडिया सलाहकार ने टेलिफोन एक्सचेंज के समक्ष जलभराव और टूटी सड़क की मरम्मत करने के दिए निर्देश

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव जैन ने टेलिफोन एक्सचेंज के समक्ष गीता भवन रोड पर गंदे पानी के जमावड़े की समस्या के समाधान के लिए सीवरेज की प्रैशर लाइन को बदलवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलवाकर इस कार्य के एस्टीमेट तुरंत प्रभाव से तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा नेता राजीव जैन ने शुक्रवार को मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने टेलिफोन एक्सचेंज के निकट गीता भवन रोड स्थित कालोनीवासियों व दुकानदारों से सीधी बातचीत की। उन्होंने कहा कि सीवरेज की प्रेशर लाइन गलने की वजह से पानी की लीकेज होती है। इस कारण रोड पर जलभराव की समस्या पैदा हुई है। फ्लाईओवर से उतरते ही सडक की हालत भी खराब हो रही है। इसलिए यहां पानी के जमावड़े को रोकने का स्थाई प्रबंध करना जरूरी है। इसके लिए सीवरेज

मौके पर पहुंचकर लोगों से बातचीत करते भाजपा नेता राजीव जैन।

की प्रैशर लाइन की मरम्मत करवानी होगी, ताकि लोगों को शीघ्र समस्या से निजात मिले। उन्होंने कहा कि इसके उपरांत सीवरेज की इस लाइन को ही बदलवाया जाएगा, जिससे लोगों को स्थाई तौर पर समाधान मिलेगा। भाजपा नेता जैन ने मौके पर ही नगर निगम के एसडीओ सूबे सिंह व मनबीर धनखड़ को बुलवाया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्थिति से अवगत करवाते हुए प्रैशर लाइन की मरम्मत का एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने भरोसा दिया कि यह कार्य अति शीघ्र पूरा किया जाएगा ताकि लोगों को समस्या से निजात मिल सके। जैन ने कहा कि इस एक समस्या से यहां लोगों को कई प्रकार की परेशानियां उठानी पड़ रही थी, जिनसे अब उन्हें छूटकारा मिल जाएगा। जैन ने कहा कि गंदे पानी के रोड पर बहने से सडक़ टूटती है। सडक़ पर गड्ढे होने से यहां लोगों को जाम की समस्या से भी जूझना पड़ता है। सडक़ पर गंदे नाली की भांति गंदा पानी बहने लगता है। ऐसे में वातावरण भी दूषित होता है। साथ ही मच्छर भी पनपने लगते हैं। अब लोगों को इन सभी समस्याओं से अति शीघ्र मुक्ति मिल जाएगी। इस मौके पर जॉनी, कालू अनिल, अशोक, संजीव वलेचा आदि स्थानीय वासी व दुकानदार मौजूद थे।

प्रथम ई-लोक अदालत में 252 मुकदमों का निपटारा

करनाल। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करनाल अमित शर्मा ने बताया कि सुनवाई लंबित होने से न्याय की राह भी लंबी हो रही है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करनाल जगदीप जैन के कुशल मार्गदर्शन में सेशन डिवीजन करनाल में 18 सितम्बर 2020 को कोरोना महामारी से बचाव के लिए और अधिनिर्णय की पूरी प्रक्रिया न्यायाधीशों, वकीलों, वादियों, बीमा कंपनियों और बैंक प्रतिनिधियों के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से और कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए ई-लोक अदालत का आयोजन किया गया।

आर्ट ऑफ लिविंग का सुदर्शन फालोअप 20 को

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

आर्ट ऑफ लिविंग की कैथल इकाई ने 20 सितम्बर को प्रात: 7 बजे से 8 बजे तक रविशंकर की पवित्र वाणी में राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन दिव्य-सुदर्शन क्रिया फॉलोअप का आयोजन किया जाएगा।

फॉलोअप संयोजक डॉक्टर राजेश सीकरी ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी साधक संगीतमय योग, पदम्-साधना, ध्यान, सूक्ष्म-व्यायाम तथा दिव्य सुदर्शन क्रिया का अभ्यास करते हुए परमानन्द एवं दिव्य-ऊर्जा की सुखद अनुभूति अर्जित कर पाएंगे। इस आयोजन में डॉक्टर राजेश सीकरी, स्वामी रामनाथ, दीपक सेठ एडवोकेट, अल्पना मित्तल, अमर ठाकुर, कंचन सेठ, डॉक्टर विकास भटनागर, डॉक्टर सीमा भटनागर, सूरजभान शांडिल्य, भारती गुप्ता, सोनिया मिगलानी, डॉक्टर राजेश सीकरी, डॉक्टर सुनीला सीकरी, भारत खुराना,गीता खुराना, सुमन सेठ, सुनील खुराना, यशिका हसीजा, पीयूष हसीजा, आदर्श गुप्ता, डॉक्टर चेतन शर्मा, कृष्ण मिगलानी तथा युधिष्ठिर मित्तल तथा कमल कांत गांधी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

गो सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं : मूलचंद शर्मा

कैबिनेट मंत्री बोले, सभी को गो माता की सेवा को अपने जीवन मे अपनाना चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने गो सेवा धाम होडल का दौरा किया। इस मौके पर गौसेवा धाम में बेसहारा पशुओं के इलाज से सम्बंधित जानकारी ली। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा की गौ सेवा से बड़ा पुण्य कार्य और कोई नहीं है, इसलिए गो माता की सेवा को अपने जीवन मे अपनाना चाहिए।

गो सेवा धाम अस्पताल का दौरा करते मंत्री मूलचंद शर्मा।

गो सेवा धाम होडल में चल रहे पशु अस्पताल में बेसहारा पशुओं की जिस तरीके से इलाज किया जा रहा है, वो बहुत ही सराहनीय कार्य है। गौ सेवा धाम अस्पताल की संचालिका कथावाचक चित्रलेखा को गौ सेवा के लिए कैबिनेट मंत्री मूल चंद शर्मा ने बधाई देते हुए कहा कि गौ सेवा के उनके द्वारा चलाये जा रही गौशाला का नाम आज देश के साथ साथ विदेशों में भी है। यह वही बृजभूमि है, जिसमे भगवान श्री कृष्णा ने भी गोमाता की सेवा की थी। देवी चित्रलेखा ने मंत्री का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस मौके पर मंत्री के साथ बृजलाल शर्मा, पारस जैन के अलावा गोसेवा धाम के सदस्य मौजूद रहे। उसके बाद कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा होडल से विधायक जगदीश नायर के घर पहुंचे और उनके भाई के निधन पर शोक व्यक्त किया उन्होंने कहा कि विधायक नायर के भाई स्वर्गीय राजवीर बहुत ही नेक दिल और मिलनसार थे। होडल विधानसभा में विधायक नायर के कार्यों में भी हाथ बंटाते थे। मंत्री ने विधायक नायर को सांत्वना देते हुए कहा कि जन्म और मौत परमपिता परमात्मा के हाथ है। इस मौके पर पलवल के भाजपा जिला अध्यक्ष सहित काफी संख्या में लोग दिवंगत आत्मा की शांति के लिए पहुंचे।

टाटा मोटर डीलर्स के नेटवर्क के माध्यम से वाहनों का होगा बीमा

यूनिवर्सल सोमपो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने टाटा मोटर्स इंश्योरेंस ब्रोकिंग एंड एडवाइजरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ की भागीदारी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स इंश्योरेंस ब्रोकिंग एंड एडवाइजरी सर्विसेज लिमिटेड के साथ यह भागीदारी ग्राहकों को बीमाकर्ता चुनने के लिए अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेगा। यूनिवर्सल सोमपो एआई संचालित मोटर दावा सूचना (मोटर क्लेम इंटिमेशन), एआई के माध्यम से 10 मिनट के भीतर सर्वेक्षण के लिए प्रतिनियुक्ति और कागज रहित दावा निपटान प्रक्रिया जैसी नवीनतम तकनीक से लैस है, जो न केवल दावों के निपटान की समय सीमा को कम करेगा, बल्कि ग्राहक को भी प्रसन्न करेगा।

स्पॉट सर्वे और लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के माध्यम से नुकसान का आकलन करने के लिए यूनिवर्सल सोमपो मोबाइल ऐप का उपयोग करता है। ये तकनीक सक्षम सुविधाएँ पूरे सेवा प्रस्ताव में दक्षता बढ़ाती हैं। कंपनी सेवा के लिए प्रतिबद्ध है, और देश में बीमा की पैठ को बढ़ाना सुनिश्चित करके दूरस्थ स्थानों पर भी कवरेज उपलब्ध कराना चाहती है। इसके अलावा, यूनिवर्सल सोमपो अपने ग्राहकों को उनके वाहन सड़क पर रखने के लिए रोड किनारे सहायता सेवा भी प्रदान करेगा। सेवाओं में रोड किनारे छोटी-मोटी मरम्मत, बैटरी की खराबी, ईंधन सहायता, दुर्घटना या वाहन खराब होने या चालक के अक्षम होने की स्थिति में वाहन को खींच कर ले आना, चिकित्सा या कानूनी समन्वय और आपात स्थिति में संदेश भेजना शामिल है।

गायक सिद्धू किरमच के गीत तेरे बिना की रिलीज से पहले मची धूम

कुरुक्षेत्र। प्रदेश के युवा कलाकार आए दिन अपनी प्रतिभा को दिखाते हुए नए-नए आयाम हासिल करने में प्रयासरत हैं। जहां एक ओर युवा संस्कृति से जुड़कर समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं टीवी जगत से जुड़कर नई पहचान बना रहे हैं। ऐसे ही कुरुक्षेत्र के एक कलाकार सिद्धू किरमच अपने गाए गीत तेरे बिना के कारण चर्चा में हैं। 24 सितम्बर को ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन के बैनर तले रिलीज होने वाले इस गीत ने रिलीज होने से पहले ही वाहवाही बटोरना शुरु कर दिया है।

ई-लोक अदालत में किया 11 मामलों का निपटारा

सोनीपत। एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं उपमंडल विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन विशाल ने ई-लोक अदालत में शुक्रवार को 11 मामलों का निपटारा किया। उन्होंने विभिन्न मामलों में 5600 रुपये की जुर्माना राशि भी लगाई। साथ ही उन्होंने कहा कि जिनके मामलों अदालतों में चल रहे हैं उन्हें लोक अदालतों का लाभ उठाना चाहिए। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के निर्देशानुसार उपमंडल विधिक सेवाएं प्राधिकरण के तत्वावधान में शुक्रवार को न्यायिक परिसर गन्नौर में ई-लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं उपमंडल विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन विशाल ने गंभीरता से मामलों की सुनवाई करते हुए अधिकांश मामलों का समाधान किया। उन्होंने 4 सिविल मुकद्दमे, चार मोटर व्हीकल एक्ट के मामले तथा एक मामला 160 आईपीसी का और दो गैंबलिंग एक्ट के मामलों का निपटारा किया। एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं उपमंडल विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन विशाल ने मोटर व्हीकल एक्ट में 4700 रुपये तथा 160 आईपीसी के मामले में 300 रुपये और गैंबलिंग एक्ट में 600 रुपये का जुर्माना लगाया।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

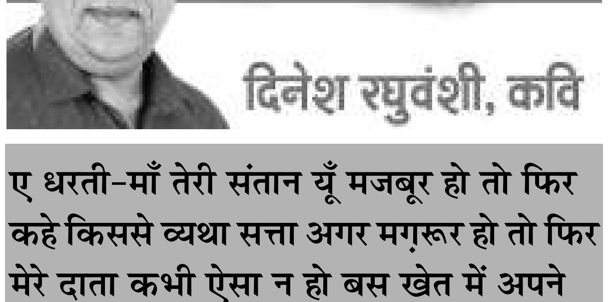

ए धरती-माँ तेरी संतान यूँ मजबूर हो तो फिर
कहे किससे व्यथा सत्ता अगर मग़रूर हो तो फिर
मेरे दाता कभी ऐसा न हो बस खेत में अपने
जो मालिक आज है कल को वही मजदूर हो तो फिर

हरेरा ने फ्लैट खरीददारों के हित में लिया ऐतिहासिक निर्णय

बिल्डर यदि वित्तीय संस्था अथवा बैंक का ऋण नहीं चुकाता है तो भी अलॉटी के अधिकारों पर नहीं पड़ेगा विपरीत असर

हरेरा चेयरमैन केके खंडेलवाल ने पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बिल्डर अथवा डेवेलपर फ्लैट निर्माण आदि के लिए बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्था से जमीन या रियल एस्टेट प्रोजेक्ट को गिरवी रखकर ऋण लेता है और उसकी समय पर अदायगी नहीं करता है तो भी अलॉटी का पैसा सुरक्षित रहेगा। यह अभूतपूर्व, ऐतिहासिक तथा समय अनुकूल फैसला अलॉटी के हितों की रक्षा करने के लिए हरेरा गुरुग्राम ने लिया है। शुक्रवार को इस फैसले की जानकारी देते हुए हरेरा गुरुग्राम के चेयरमैन डा. केके खंडेलवाल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि रियल स्टेट प्रोजक्ट व अलाटियों से प्राप्त राशि के बैंको को गिरवी रखने

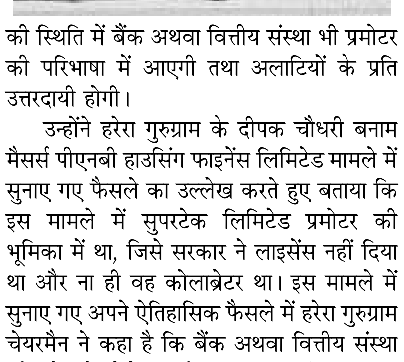

की स्थिति में बैंक अथवा वित्तीय संस्था भी प्रमोटर की परिभाषा में आएगी तथा अलाटियों के प्रति उत्तरदायी होगी।

उन्होंने हरेरा गुरुग्राम के दीपक चौधरी बनाम मैसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड मामले में सुनाए गए फैसले का उल्लेख करते हुए बताया कि इस मामले में सुपरटेक लिमिटेड प्रमोटर की भूमिका में था, जिसे सरकार ने लाइसेंस नहीं दिया था और ना ही वह कोलाब्रेटर था। इस मामले में सुनाए गए अपने ऐतिहासिक फैसले में हरेरा गुरुग्राम चेयरमैन ने कहा है कि बैंक अथवा वित्तीय संस्था की ओर से प्रोजेक्ट की प्रगति का आंकलन तथा मॉनीटरिंग में जो कमी रही उसका खामियाजा अलॉटी क्यों भुगते। अथोरिटी ने यह भी कहा कि वह बैंक द्वारा अपने ऋण की वसूली के लिए प्रोजेक्ट की निलामी के विरोध में नहीं है लेकिन बैंक अलॉटियों के हितों की रक्षा करते हुए नीलामी कर सकता है। डा. खंडेलवाल ने कहा कि हरेरा गुरूग्राम का इस मामले में यही प्रयास रहा कि प्रोजेक्ट पूरा हो और उसके बाद ऋण देने वाली संस्था अपनी धनराशि की वसूली तैयार फ्लैट अथवा यूनिट को बेचकर कर सकती है। इससे अलॉटियों के हितों की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि चूंकि प्रोजेक्ट हरेरा में पंजीकृत है। इसलिए प्रमोटर तथा रियल एस्टेट एजेंट या अलॉटी तीनों में से कोई भी पक्ष अपनी जिम्मेदारी पूरी नही करता है तो अन्य प्रभावित पक्ष हरेरा के पास आ सकता है। हरेरा उस पक्ष को अपनी जिम्मेदारी पूरी करने की हिदायत देगा। उन्होंने बताया कि इस मामले में ऋण प्रदाता बैंक को हिदायत दी गई हैं कि प्रोजेक्ट हरेरा में पंजीकृत होने की वजह से अर्थॉरिटी बीच में है और सेफ्टी वॉल्व का काम कर रही है। उन्होंने बताया कि चूंकि प्रोजेक्ट मे युनिट के लिये जो पैसा अलाटी ने लगाया है उसके लिये बिल्डर बायर ऐग्रीमेंट मे जो संबंध बनता है, वह अलॉटी और प्रोमोटर के बीच में था। वित्तीय संस्थान जिसने प्रोमोटर को लोन दिया है उनका अलॉटी से कोई सीधा सम्बन्ध नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

भिवानी जिले में आए 24 नये कोरोना पॉजिटिव केस

भिवानी। भिवानी जिले में शुक्रवार को 24 नये कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए हैं। जिनमें से 2 नया बाजार नीम चौक भिवानी से 1 हरिपुर पालुवास से 2 सैक्टर 13 से 2 बी आर कालोनी भिवानी से 1 पुराना हाउसिंग बोर्ड कालोनी से 2 जैन चौक भिवानी से 2 मस्तों की गली भिवानी से 2 कृष्णा कालोनी भिवानी से 1 जगत कालोनी से 1 देवसर से 1 जूई बिचली से 1 गांव तिगड़ाना से 2 खरक खुर्द से 2 जी एच भिवानी से 1 सिवानी से तथा 1 उत्तम नगर भिवानी से है। अब तक जिले में कुल 2277 कोरोना पॉजिटिव हो चुके है जिसमें से 1834 ठीक हो चुके है। अब जिले में कोरोना के 420 एक्टिव केस है। खबर लिखे जाने तक शुक्रवार को जिले से 800 सैम्पल लिए जा चुके है। जिले में शुक्रवार को 42 कोरोना पॉजिटिव ठीक हुए है। सिविल सर्जन ने बताया कि अब जिले में कोरोना के 420 एक्टिव केस है। खबर लिखे जाने तक शुक्रवार को जिले से 800 सैम्पल लिए जा चुके है। जिले में शुक्रवार को 42 कोरोना पॉजिटिव ठीक हुए हैं।

पोषण अभियान के तहत महिलाओं में बांटे कपड़े के थैले

भिवानी। हनुमान जोहड़ी मंदिर धाम परिसर में आज महिला एवं बाल विकास विभाग भिवानी द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह अभियान के तहत आयोजित पोषण मेले में महिलाओं व किशोरियों को पौष्टिक आहार के साथ साथ पर्यावरण के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर महिलाओं को कपड़े से बने हुए थैले वितरण किए गए और उनसे अपील की गई कि वे बाजार में जब भी साग सब्जी लाने जाएं तो पॉलिथीन में नहीं बल्कि कपड़े से बने थैले में ही लेकर आएं। आज के सन्देश कार्यक्रम में गर्भवती महिला, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व किशोरियों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दूसरे चरण का शुभारंभ डीपीओ प्रणीता गोस्वामी ने किया। कार्यक्रम में सानिध्य महन्त चरणदास महाराज का रहा। डीपीओ प्रणीता गोस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा यह मिशन शुरू किया गया था। जिसको देश भर में एक माह तक जागरूकता को लेकर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जन संदेश रथ के द्वारा लोगों को पोस्टिक आहार के बारे में जागरूक किया जाएगा ।कहा कि साथ मे पोषण मिशन माह के तहत मेला शुरू किया गया है ।जिसमें महिलाओं ने पोषाहार के प्रति रंगोली आदि सजाकर जागरूक किया है कि उनके जीवन में पौष्टिक आहार का कितना बड़ा महत्व है। उन्होंने बताया कि बथुआ, चौलाई, सांठी व पालक जैसे हमारे स्थानीय क्षेत्र में उपजने वाली इन पौष्टिक तत्व युक्त सब्जियों का सेवन कर आयरन व कैल्शियम जैसी मात्रा को पूरा किया जा सकता है। इस अवसर पर महन्त चरणदास महाराज,सीडीपीओ दर्शना देवी व अवॉर्डी अशोक भारद्वाज ने पोषण अभियान की सराहना व्यक्त करते हुए महिलाओं को डेंगू व मलेरिया से बचने के लिए विशेष संदेश दिया। इस अवसर पर सीडीपीओ दर्शना देवी, सुपरवाइजर अनूप मैडम, सुपरवाइजर अनीता, राज, रेखा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दर्शना देवी, किरण देवी, शकुंतला देवी, सामाजिक कार्यकर्ता अंजू देवी ,पार्षद कविता सैनी कार्यक्रम में शामिल रही।

मजदूर कॉपी में से नाम जाने की शिकायत उपायुक्त से की

भिवानी। एक तरफ द्वारा सरकार व प्रशासन द्वारा मजदूरों की भलाई काम करने का ढ़िंढ़ोरा पीटती है, वही दूसरी तरफ भिवानी जिला के अनेक मजदूरों की कॉपी में से मजदूरों के नाम काटने का नया कारनामा श्रम विभाग द्वारा किया गया है। इसी के विरोध में आज शुक्रवार को कबीर देव शिक्षा जागृति समिति के प्रधान भगवान दास कालिया के नेतृत्व में अनेक मजदूर शिकायत देने उपायुक्त दरबार पहुंचे तथा उपायुक्त से मांग की कि श्रम विभाग द्वारा जो नाजायज तौर पर मजदूर कॉपी में से काटे गए उनके नाम को पुन: मजदूर कॉपी में दर्ज करवाया जाए। समिति प्रधान भगवान दास कालिया ने बताया कि श्रम विभाग ने अपनी मनमर्जी की कैंची इन मजदूरों पर चलाई है। उन्होंने बताया कि ये मजदूर दिन भर मेहनत व मजदूरी करके अपना गुजर-बसर करते हैं, लेकिन श्रम विभाग ने अपनी मनमर्जी करते हुए इनकी मजदूरी कॉपी ही काट दी है, जो कि सरासर गलत हैं। उन्होंने कहा कि ये मजदूर उपरोक्त कॉपी के सहारे ही सरकार द्वारा दी जाने वाली स्कीमों का लाभ ले पाते है, लेकिन फिर भी उनकी मजदूर कॉपी से नाम ही काट दिया, जिसके बाद अब ये मजदूर किसी भी स्कीम का लाभ नहीं ले पाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रम विभाग के कर्मचारी अपनी मर्जी से बिना किसी जांच के किसी भी मजदूर की कॉपी काट देते है और जब मर्जी होती है जोड़ देते है।

भाजपा विधायक प्रवीण डागर ने सुनीं समस्याएं

हथीन। भाजपा विधायक प्रवीण डागर ने गांव बहिन में लोगों के बीच बैठकर कर गांव मानपुर, पहाड़ी, अंधोप, नांगल जाट,

खाईका, आली ब्राह्मण, ऑली मेव, रूपनगर नाटोली, कोट तथा नांगल सभा 11 गांवों की आधारभूत समस्याओं जैसे बिजली, पानी, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य को सुना। मौके पर इन विभाग के उपस्थित अधिकारीगण को प्रत्येक समस्या का तय समय में निवारण करने के निर्देश दिए। कहा कि इससे पहले मैंने गांव जैधांपुर व हथीन में आसपास के लगभग 25 गांवों की समस्याओं की सुनवाई की। भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास के अपने नारे पर कृत संकल्प है। हथीन विधानसभा के बचे हुए गांव में साप्ताहिक तौर पर 10/10 गांव की समस्याओं का अधिकारीगण को साथ लेकर गांव में बैठकर सुनवाई करूंगा। समय पर उनका समाधान कराने की कोशिश करूंगा। पूरे पांच वर्ष में हथिन क्षेत्र में मुख्यमंत्री मनोहर लालजी व केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के आशीर्वाद से निरंतर जारी रखा जाएगा। इस कार्यक्रम में बहीन गांव के सरपंच के पिता राम प्रसाद ने पगड़ी पहनाकर विधायक का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मानपुर गांव के सरपंच प्रतिनिधि जगपाल रावत, पूर्व सरपंच तारा सिंह, वहींन गांव के पूर्व सरपंच रतन सिंह,मुख्तार नांगल जाट, भजनलाल, हेमराज अनधोप, पूर्व सरपंच ग्राम खाई का उमर, खुर्शीद अहम, देवदत्त आली ब्राह्मण, बलकार सिंह एसडीओ पब्लिक हेल्थ हथीन, एसडीओ पब्लिक हेल्थ पुनहाना, सुरेंद्र सिंह एसीपीओ ब्लॉक हसीन, दिगंबर सिंह सचिव बहिन, एसडीओ बिजली बोर्ड हथीन हाजिर रहे।

पायनियर क्लासीफाइड

बेदखली सूचना

मैं मेहर सिंह पुत्र रामधन स्थायी निवासी गांव बल्ला सब तहसील बल्ला जिला करनाल ब्यान करता हूं कि मेरा लड़का संजीव मेरे कहने सुनने से बाहर है। इसलिये मैं उसे अपनी चल अचल संम्पति से बेदखल करता हूँ। जो कोई मेरे लड़के संजीव से लेनदेन करेगा। स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे व मेरे परिवार के किसी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

बेदखली सूचना

मैं, रामकरण (आधार न. 3369-6783-6533)पुत्र सीसराम वासी 961/31 अनिल विहार सोनीपत बयान करता हूं कि परमजीत व जितेन्द्र दोनों मेरे सगे पुत्र है जोकि दोनों शादीशुदा है ये दोनों मे कहने-सुनने से बाहर है जिस कारण मैं इन दोनों को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ भविष्य में अगर ये दोनों किसी से कोई लेनदेन या व्यवहार रखते है तो उसका जिम्मेवार वह स्वयं होगे मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

टीवी चैनलों पर नियंत्रण

सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप

चौथे स्तंभ को फलते-फूलते संस्थान की तरह समाज के सामने आईने की तरह होना चाहिए जिसमें उन अधिकारों व मुद्दों की पैरवी हो जिनको राजनीति अनदेखा करती है। लेकिन विडंबना है कि अब उस पर अन्य संस्थानों द्वारा नियंत्रण या नियमन की आवश्यकता है क्योंकि इसे लंबे समय से प्रशासन या प्रचार का औजार बनाया गया है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने इसके द्वारा सामाजिक ढांचा नष्ट होने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया है। उसने एक चैनल को एक विवादास्पद कार्यक्रम प्रसारित करने से रोका है जिसमें भारतीय सिविल सेवाओं में 'मुसलमानों की घुसपैठ व जिहाद के षडयंत्र के खुलासे' का प्रयास किया गया था। अदालत ने कहा कि यह जांच के बहाने एक खास समुदाय की छवि खराब करने तथा वर्तमान राजनीतिक परिवेश के मुकाबले माहौल बनाने का प्रयास है। सुप्रीम कोर्ट ने यह प्रसारण रोका हे जो भारत में संविधान द्वारा परिकल्पित बहुलता को तोड़ता था। लेकिन भारत में आज सैकड़ों खबरिया चैनल हैं जिनमें से कुछ पूर्वाग्रही तथा राजनीतिक पार्टियों के स्वामित्व में अथवा उनके द्वारा वित्त-प्रायोजित हैं। अदालत ने टेलीविजन चैनलों पर होने वाली बहसों पर भी नियमन की जरूरत बताई है। उसने आपराधिक मामलों में समानान्तर जांच का उदाहरण दिया है जिससे तथ्यों के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर भावनाओं का ज्वार पैदा किया जाता है। सरकार ने चैनल पर फैसले के एक दिन बाद सर्वोच्च न्यायालय में पेश शपथपत्र में कहा है कि यदि वह मीडिया का नियमन करना चाहता है तो पहले यह काम एलेक्ट्रानिक मीडिया के बजाय डिजिटल मीडिया के साथ किया जाना चाहिए क्योंकि सामाजिक मंचों की तेज व व्यापक पहुंच है। पिछले दो साल में भारत में हिंसा के ऐसे 50 से अधिक मामले सामने आए हैं जिनमें सोशल मीडिया का प्रयोग हुआ था। इनमें फेसबुक, यू ट्यूब व ट्विटर शामिल हैं। फेसबुक व उसके नेटवर्कों का प्रयोग हर माह 2.3 बिलियन प्रयोगकर्ता करते हैं। भारत में वाट्सएप सर्वाधिक लोकप्रिय है जिसके 1.5 बिलियन वैश्विक प्रयोगकर्ताओं में से 400 मिलियन भारतीय हैं तथा यह सूचना प्रसार का बड़ा साधन बन गया है। अदालत ने पांच नागरिकों की एक समिति गठित करने का सुझाव दिया है जो एलेक्ट्रानिक मीडिया के बारे में मानकों का निर्धारण कर सकते हैं। लेकिन वर्तमान ढांचों का क्या होगा जो लगभग निष्प्रभावी हो चुके हैं। हालांकि, कोई विधिक नियामक व्यवस्था नहीं है, पर न्यूज़ ब्राडकास्टर्स असोसियेशन-एनबीए, ब्राडकास्ट एडिटर्स असोसियेशन व न्यूज़ ब्राडकास्टर्स फेडरेशन जैसी स्व-नियामक संस्थायें हैं। लेकिन वे अवसर के अनुकूल उठ खड़े होने तथा पेशेवर माहौल सुनिश्चित करने में विफल रही हैं। इसके साथ ही अनेक अधिकारियों के होने की अपनी राजनीति और लाबींग है। एनबीए प्रसारण शिकायतों को गंभीरता से लेता है तथा उसकी एक आचार संहिता है, पर यह अनिवार्य होने के बजाय केवल दिशानिर्देशों के रूप में है और किसी के खिलाफ कठोर दंड देने जैसी कार्रवाई नहीं करती है। आमतौर से गलती करने वालों को माफ कर दिया जाता है या उनकी थोड़ी आलोचना हो जाती है। इसके साथ ही एनबीए के सदस्य स्वयं चैनलों से होते हैं और उनके हाथ एक सीमा तक पत्रकारिता के वर्तमान बिजनेस माडल से बंधे होते हैं। इस बिजनेस माडल का संबंध कवरेज तथा राजस्व व फंडिंग से है। जब तक विश्वसनीय, निष्पक्ष या प्रभावी संहिता नहीं होती है या जब तक एक विधिक शक्तियों वाली नियामक संस्था नहीं बनती है, तब तक हितों का टकराव होता रहेगा। निश्चित रूप से यदि प्रसारण मीडिया पर बेहतर नियमन लागू हो तो वह सनसनीखेज के बजाय संवेदनशील पत्रकारिता का माध्यम बनेगा। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, पर उसके साथ जिम्मेदारियां भी हैं। लोकतंत्र में मीडिया भी अन्य संस्थानों की तरह नागरिकों के प्रति समान रूप से जवाबदेह है। उसे संस्थागत निष्ठा बनाए रखने के लिए अपने में लगातार सुधार करना होगा।

गरीब बच्चों का भविष्य

हमें बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करना होगा। इनमें समाज के हाशिए पर पड़े बच्चों के साथ ही समुचित सेवाओं तथा आर्थिक व सामाजिक हस्तक्षेपों की पहचान शामिल है।

सुमित्रा मिश्रा
(लेखिका सचल क्रेशों की कार्यकारी निदेशक हैं)

मार्च में पूरी भारत में कोरोना के कारण लाकडाउन के बाद भीड़ भरे ट्रकों में अपने थके माता-पिता के कंधों पर नंगे, भूखे, रोते व सोते बच्चों व शिशुओं की तस्वीरें रोज सामने आती थीं। प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों के सड़कों पर आने के बाद हमारी सामाजिक व्यवस्था की विसंगतियां सामने आई थीं, जबकि बाकी लोग घर से काम कर रहे थे। यह 'स्वतंत्रता की ओर लंबा मार्च' होने के बजाय अपने घरों की ओर वापसी थी। यह विपरीत पलायन आजीविका समाप्त होने तथा लगातार बढ़ते संघर्षों को अभिव्यक्त करता था। कुछ लोगों के लिए यह मौत का रास्ता बन गया। अपने जीवन पर कोरोनावायरस तथा उसके अनेक प्रभावों से संघर्ष करते हुए यह महत्वपूर्ण है कि हम समाज की विभाजक रेखाओं पर नजर बनाए रखें। इसने खासकर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को प्रभावित किया है जिनको उपयुक्त सामाजिक सुरक्षा व समर्थन नहीं प्राप्त था तथा उनके लिए अपने बच्चों की देखभाल एक कठिन काम था।

लाकडाउन के कारण कुपोषण से निपटने वाले अनेक कार्यक्रम प्रभावित हुए या बंद हो गए। 2015-16 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के अनुसार भारत में पांच वर्ष से कम आयु वाले 21 प्रतिशत बच्चे कुपोषित थे तथा छः से 23 महीनों की आयु वाले 91.4 प्रतिशत बच्चों को उपयुक्त भोजन नहीं मिलता था। पांच वर्ष से कम आयु के हर तीसरे, यानी 38 प्रतिशत बच्चों की बढ़वार प्रभावित थी, हर पांचवें या 21 प्रतिशत बच्चे बहुत कमजोर थे तथा 36 प्रतिशत का वजन कम था। लाकडाउन के कारण सामाजिक-आर्थिक प्रभाव और गंभीर हुए क्योंकि आंगनबाड़ी केन्द्र बंद हो गए तथा कुपोषण से निपटने के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने वाले स्रोत बहुत घट गए।

स्टेट आफ यंग चाइल्ड इन इंडिया-एसओवाईसी रिपोर्ट से गरीबी, जेंडर भेदभाव, जाति व वर्ग के भेद, हिंसा, छोटे बच्चों को उपलब्ध सेवाओं तक पहुंच तथा बच्चों की देखभाल करने वालों में पेशेवर व्यवहार की कमी जैसी समस्यायें सामने आई हैं। इस रिपोर्ट को हाल ही मे शुरुआती बाल विकास-ईसीडी क्षेत्र में कार्यरत संगठन मोबाइल क्रीचेज़ ने जारी किया है। इसमें 6 वर्ष से कम आयु वाले भारत के बच्चों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां हैं जो देश की जनसंख्या का 13 प्रतिशत हैं।

इसके साथ ही उनकी जरूरतें संबोधित करने वाले विधाई ढांचे का आलोचनात्मक परीक्षण भी किया गया है। रिपोर्ट में इस आयुवर्ग के वंचित श्रेणी वाले बच्चों पर जोर देते हुए प्रत्येक श्रेणी के लिए विशेष हस्तक्षेपों का सुझाव दिया गया है। इससे निकलने वाले परिणामों में केरल व गोवा में सबसे अच्छे प्रदर्शन के सर्वोत्तम व्यवहारों के साथ ही झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार व मध्य प्रदेश जैसे राज्यों का विवरण भी है जहां प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। इसकी संस्तुतियों को महामारी-पश्चात दुनिया पर लागू किया जा सकता है जहां हाशियाकरण व अनदेखी से निपटने के लिए समुचित नीतिगत हस्तक्षेप जरूरी होंगे।

बच्चों की देखभाल करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी योजना-समन्वित बाल विकास सेवा योजना-आईसीडीएस के पुनः निर्धारण की आवश्यकता है क्योंकि इसमें डिजाइन व क्षमता संबंधी कमियां हैं, यह बच्चों की देखभाल व शुरुआती शिक्षा पर ध्यान नहीं देती है तथा हाशियाकृत बच्चों को समान व प्रभावी सेवायें दिलाने के लक्ष्य से बहुत दूर है। अक्सर सबसे छोटे बच्चों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता और वे सर्वाधिक संकटग्रस्त होते हैं। अतः ऐसे विकास अवसरों की तलाश जरूरी है जो जीवन की स्वस्थ नीव डाल सकें। ईसीडी में निवेश से न केवल व्यक्तिगत क्षमता व आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी, बल्कि इससे महिला सशक्तीकरण का रास्ता भी खुलता है। इसमें महिलाओं के साथ बच्चों के अधिकारों को देखते हुए राज्य हस्तक्षेप व अधिक बजटीय आबंटन की आवश्यकता बताई गई है।

एसओवाईसी रिपोर्ट में देखभाल करने वालों की भूमिका के साथ ही जेंडर पूर्वाग्रहों पर ध्यान दिया गया है जिसके कारण माताओं पर अनावश्यक बोझ पड़ता है। खासकर असंगठित क्षेत्र में महिलाओं को तिगुना बोझ उठाना पड़ता है। उनको बच्चों की देखभाल के साथ घर के बाहर काम करना होता है, बाजार तक उनकी पहुंच समान नहीं होती है, काम के घंटे अधिक होते हैं, कार्यस्थितियां खराब होती हैं व मजदूरी कम मिलती है। इसके साथ ही उनको घर पर काम करना पड़ता है। मैटर्निटी या चाइल्डकेयर लाभ से वंचित इन महिलाओं के छोटे बच्चे इन अस्वास्थ्यकर स्थितियों में पड़े रहते हैं। इससे छोटे बच्चों की देखभाल और कठिन हो जाती है। इसलिए परिवारों द्वारा बच्चों की समुचित देखभाल के क्षेत्र में राज्य का हस्तक्षेप जरूरी है। अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के बच्चों की देखभाल के लिए सरकार-प्रायोजित नेशनल क्रीच योजना है। लेकिन इनकी संख्या में कमी आई है। 2019 में देश में केवल 7,930 क्रीच काम कर रहे थे जिसका अर्थ 21,000 बच्चों के लिए एक क्रीच है। इस योजना को मजबूत करने के लिए उपयुक्त बजट जरूरी है। इसके साथ ही आंगनबाड़ियों को चरणबद्ध रूप से बदल कर आंगनबाड़ी-क्रीच में बदला जा सकता है।

महामारी के कारण हुए लाकडाउन में आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ताओं को कोरोना के खिलाफलड़ाई की पहली पंक्ति में शामिल किया गया। लेकिन एसओवाईसी रिपोर्ट के अनुसार उनको पेशेवर कार्यकर्ता के बजाय पार्टटाइम कार्यकर्ता के रूप में प्रयोग करते हुए अधिकांश राज्यों में न्यूनतम मजदूरी से भी बहुत कम पैसा दिया गया। बच्चों की देखभाल में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए उनको पेशेवर बनाने तथा जिम्मेदारियों के अनुकूल भुगतान की आवश्यकता है। इसका अर्थ है कि इन कार्यकर्ताओं को समुचित प्रशिक्षण दिया जाए तथा अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन-ईसीसीई आयाम को मजबूत किया जाए जो आईसीडीएस का कमजोर हिस्सा बना हुआ है।

तीन से 6 वर्ष आयुवर्ग के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई प्राप्त करने का अधिकार है, चाहे वे आंगनबाड़ी केन्द्रों में हों अथवा सरकार के पूर्व-प्राथमिक केन्द्रों में, निजी स्कूलों में या अन्य स्कूल-पूर्व केन्द्रों में। देश के लिए ईसीडी को प्राथमिकता देने का अर्थ टिकाऊ विकास लक्ष्य तथा बाल अधिकारों के प्रति अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता पूरी करने में सहायक हो सकता है। हालांकि, बच्चों की बेहतरी के अनेक आयामों के बारे में डेटा की कमी है जिससे अनेक प्रक्रियाओं का निर्धारण व कुछ क्षेत्रों के बारे में गहरी जानकारी नहीं प्राप्त हो पाती है। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर डेटा के अभाव में बजट का विश्लेषण व राज्यों को आबंटन भी अनुपयुक्त आबंटन, उसके कम उपयोग तथा बच्चों की देखभाल में प्रबंधन क्षमता की कमी जैसे मामले भी सामने आते हैं।

देश में 2018-19 में हर बच्चे पर खर्च बहुत कम, केवल 1,723 करोड़ रुपये था। इसे बढ़ा कर प्रति वर्ष 1.25 ट्रिलियन रुपये किया जाना चाहिए ताकि योजना की कमी दूर कर समग्र हस्तक्षेप सुनिश्चित हो सके। इस दृष्टिकोण से होने वाला लाभ बजटीय आबंटन को किसी अन्य कल्याण कार्यक्रम के मुकाबले बेहतर सिद्ध करेगा। कोरोनावायरस ने हमारे जीवन के प्रति सोच, हमारे कामकाज और सहायक व्यवस्थाओं को पूरी तरह बदल दिया है। इसने हमें अनेक त्रासद सबक सिखाए हैं। समय आ गया है कि हम विभिन्न संकटग्रस्त समूहों की वंचनाओं, अनदेखी व पृथक्करण पर गौर कर उनको समान पहुंच देने पर ध्यान दें। इसमें बच्चों के लिए आवश्यक सेवायें शामिल हैं। हमें हाशियाकृत समाज के बच्चों की पहचान, सेवाओं, तथा सामाजिक व आर्थिक हस्तक्षेपों पर ध्यान देना चाहिए ताकि उनको भविष्य के लिए सक्षम बनाया जा सके।

तकनीक पर आधारित भविष्य की बौद्धिकता

"वर्ष 2020 की घटनाओं ने मानव सभ्यता की दौड़ को तेज गति दी है और वह अपने मस्तिष्क की बौद्धिकता के विकल्प तलाश रही है।"

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

हम में से बहुत से लोग अब वीडियो-कान्फ्रेंसिंग विशेषज्ञ हो गए हैं और हर नई काल पर नई वर्चुल पृष्ठभूमि का प्रयोग करते हैं, आनलाइन किराने का सामान खरीदते हैं तथा फोन व कंप्यूटर स्क्रीन पर नवीनतम खबरों की अपडेट पर नजर रखते हैं। ऐसे में क्या क्या निकट भविष्य जैसे 2021 का अनुमान लगाना गलत होगा? हालांकि अभी 2020 को 'गैप इयर' कहना बहुत जल्दबाजी होगा क्योंकि हमारे सामने रोज चौंकाने वाली नई विचित्र किस्म की आश्चर्यजनक घटनायें सामने आती हैं। लेकिन अगले साल की संभावित प्रवृत्तियों पर नजर डालना गलत नहीं होगा। पहला, इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अगले वर्ष तकनीक का हमारे जीवन, काम, व्यायाम, भोजन या खरीद पर असाधारण प्रभाव पड़ेगा। यदि महामारी ने हमे अनिश्चितताओं के समुद्र में फेंक दिया है तो हमें अपने चारों ओर सावधानी से देखने पर डेटा का समुद्र भी दिखाई देगा। इसमें तेजी से तैरने में सक्षम लोगों को जल्दी ही एक तख्ता मिल जाएगा जिससे वे किसी खास चीज तक पहुंच कर अवसरों के समुद्र की संभावनायें समझेंगे। हालांकि, यह काम पहले ही शुरू हो गया था, पर नई तकनीक में इसे कृत्रिम बुद्धि-एआई का नाम दिया गया है। यह वर्तमान समय में डिजिटल दुनिया की अधिकांश चीजों पर कब्जा कर लेगी।

एल्गोरिद्म का प्रयोग महामारियों का जल्दी पता लगाने तथा यहां तक कि शहर में यातायात पैटर्न का पता लगाने के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही खराब मौसम की जल्दी भविष्यवाणी हो सकेगी, स्वास्थ्यरक्षा तथा सर्वाधिक संकटग्रस्त लोगों की रक्षा पर ध्यान दिया जा सकेगा। लेकिन जल्द ही बाकी सभी चीजों की तरह यह जीवन के सभी निर्णयों का आधार बन जाएगी। मैं अगले साल की संभावनाओं पर गौर करने के बजाय यह कहना चाहता हूं कि 2020 की घटनाओं ने मानव सभ्यता की दौड़ बहुत तेज कर दी है जहां हम अपने बौद्धिक मस्तिष्क का विकल्प तलाश करेंगे। दुनिया पहले ही ऐसे अनेक उदाहरणों से भरी है कि एआई के पहले से उपलब्ध वेब के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रयोग होंगे। संक्षेप में हम नए नकनीकी युग के प्रवेश द्वार पर खड़े हैं जहां संवेदनशील व इनआर्गेनिक बुद्धि अनन्त तक छा जाएगी। ऐसे में कोई कार्ड बंद करना एआई व्यवस्था बंद करने के लिए काफी नहीं होगा क्योंकि हजारों मशीनें अनेक स्रोतों के डेटा प्वाइंटों से हमारे खरीदने के व्यवहार की जांच कर रही होंगी। वे निश्चित रूप से मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डालेंगी।

इसके बाद डेटा तक पहुंच की असाधारण गति और अधिक उन्नत तकनीक पर आधारित 5जी सुविधा के साथ आएगी। दुनिया पहले ही अद्यतन 5जी या पांचवीं पीढ़ी की मोबाइल तकनीक की दिशा में आगे बढ़ रही है जहां भौगोलिक दूरियों और राष्ट्रीय सीमाओं का उसी प्रकार कोई महत्व नहीं रह जाएगा। यदि महामारी न आती तो ऐसा हो चुका होता। भारत निश्चित रूप से 5जी तकनीक की दौड़ में एक साल खो चुका है। लेकिन इस विलम्ब के कारण शायद प्रोटोकाल और नेटवर्क साझीदारी समाधान पहले की तुलना में ज्यादा सुरक्षित हो जाएं।

वास्तव में 5जी तकनीक का पहला प्रयोग शहरी क्षेत्रों में होगा जहां से काफी मात्रा में राजस्व प्राप्त हो सकता है। इसके कारण वर्तमान स्ट्रीमिंग की तुलना में डाउनलोडिंग पांच गुना तेज हो जाएगी तथा सोशल मीडिया वीडियो, पसंदीदा फिल्में व क्रिकेट मैच ज्यादा आनन्ददायक हो जाएंगे। शहर की कुछ आर्टीरियल सीवर लाइनों में 5जी चिप लगाने के बाद शहर की ड्रेनेज व्यवस्था के रखरखाव में मानव श्रम की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। यदि आने वाले डेटा का स्मार्ट मशीनें एआई के कारण फौरन विश्लेषण करेंगी तो मशीन वर्म के प्रयोग से चोक सीवर की सफाई हो सकेगी, लीकेज दूर हो सकेगी या जहरीली गैस का रिसाव रोका जा सकेगा। इसका अर्थ हर साल हजारों अमूल्य जीवनों की सुरक्षा होगा।

इसके साथ ही घर अल्ट्रा स्मार्ट हो जाएंगे जिनके लिए बड़ी टेक् कंपनियां प्रोटोकाल तैयार करने में काफी आगे बढ़ चुकी हैं। ऐसे में गैस का बर्नर मेन्यू तय कर सकेगा तथा सप्ताहान्त के लिए समुचित भंडारण के अभाव में भी आपका बार कुछ पसंदीदा वाइन पेश कर सकेगा। सुदूर व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रोबोटिक सर्जरी पहले ही भारत के बाहर सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में चांदनी चौक में स्वचालित कार ज्यादा दूर की बात नहीं है।

अब सर्वव्यापक तकनीक का हमारे बदलते कार्बन यथार्थ के साथ सह-अस्तित्व स्थापित हो गया है। इससे मानवता के सामने संकट घटा है। ये संकट ज्यादातर अब साइबर क्षेत्र में होंगे और 2021 में अब तक डिजिटल क्रांति की तुलना में हर प्रकार के ज्यादा साइबर सुरक्षा हमले देखने को मिल सकते हैं। इन साइबर सुरक्षा हमलों में सिम क्लोनिंग, फिशिंग हमले, बैंक पासवर्ड व ओटीपी की चोरी आदि पहले से ही उपभोक्ताओं को परेशान कर रहे हैं तथा कानून व्यवस्था मशीनरी के लिए चुनौती बन गए हैं। यह डिजिटल संकट वर्क फ्राम होम के समय और गंभीर हो गया है। तकनीकी शक्तियों के बढ़ने से मानव जीवन और जटिल होता जाएगा तथा नए प्रोटोकाल व सहायक विकसित होंगे।

आपको लगभग सभी महत्वपूर्ण सार्वजनिक मंचों में साइबर सुरक्षा को ज्यादा मजबूत करना पड़ेगा तथा मंत्रियों के बीच संवाद का तरीका इतना बदल जाएगा जिसकी पहले कल्पना भी असंभव थी। इसके साथ ही उभरते खतरों का सामना करने के लिए बहुआयामी समाधान भी सामने आएंगे जिससे राज्य-विरोधी शक्तियों को उपभरती तकनीक के दुरुपयोग से रोका जा सकेगा। भविष्य में नीति, भाषा और व्याकरण के नए क्षेत्र विकसित होंगे जिनके बारे में अलग से विचार की आवश्यकता है।

आप की बात

डिजिटल शिक्षा की कमियां

अभी कोरोनावायरस महामारी के काल में हमने देखा कि ऑनलाइन शिक्षा, वर्चुअल शिक्षा, डिजिटल शिक्षा का बहुत वर्चस्व रहा। लगभग 70 प्रतिशत बच्चों ने ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से पढ़ाई करी है। ऑनलाइन क्लासों में हमने देखा कि टीचरों और बच्चों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जैसे कि दोषपूर्ण इंटरनेट कनेक्टिविटी व अन्य तमाम समस्याएं। ज्यादातर पर्वतीय क्षेत्रों में यह दिक्कतें बहुत ज्यादा रही। अध्यापक भी इस बीच में बहुत मेहनत कर रहे हैं परंतु बच्चे उनका पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इंटरनेट की पर्याप्त गति के अभाव में ऑनलाइन शिक्षा का उद्देश्य विफल हुए जा रहा है। इस दिशा में हम केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के छात्रों द्वारा प्रदर्शन देखी सकते हैं। इसका कारण यह है कि उचित इंटरनेट कनेक्शन ना हो पाने के कारण बच्चे पूरी मेहनत से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। इन सभी चिंताओं के बीच हमें अब आगे की राह देखनी होगी। हालांकि इसके लिए सरकार ने बहुत प्रयास किए हैं जैसे राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क जिसका उद्देश्य देश के सभी पंचायतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी पहुंचाना है जिससे कि दुर्गम इलाकों में रह रहे बच्चों को डिजिटल सुविधाएं मिलें।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

चीनी जासूसी से सावधान

विश्व कोरोना से जंग लड़ रहा है। हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। लोग एक के बाद एक मौत के मुंह में समा रहे हैं। चीन से उपजा कोरोना वायरस तो देश के लिए शार्प बनकर आया है पर अब भी चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। उल्लेखनीय है कि, पूर्वी लद्दाख में जारी तनाव के बीच अब खुलासा हुआ है कि, चीन अपनी एक कंपनी के जरिए भारत के करीब दस हजार से ज्यादा हस्तियों और संगठनों की जासूसी कर रहा है। और इतना ही नहीं, वह दुनियाभर अमेरिका, ब्रिटेन समेत दुनियाभर के 24 लाख लोगों की जासूसी कर रहा था। वैसे अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस ने हालही में खुलासा किया है कि, चीन की जासूसी लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति कोविंद, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, सीजेआई बोबडे जैसी हस्तियां शामिल हैं। अखबार ने अपने खुलासे की दूसरी कड़ी में भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर चीन के गहरे जमे जासूसी त्रंत्र के बारे में बताया है। ड्रैगन भारतीय अर्थव्यवस्था की किस कदर जासूसी कर रहा है, इसका अंदाजा इसी से लग सकता हैं कि उसकी निगरानी लिस्ट में इंडियन रेलवे में इंटर्नशिप कर रहे इंजीनियरिंग स्टूडेंट से लेकर अजीम प्रेमजी की वेंचर कंपनी के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर तक शामिल हैं।

– **निधि जैन**, लोनी, गाज़ियाबाद

फिल्मी दुनिया का सच

सुशांत सिंह राजपूत की हत्या हुई या उसने आत्महत्या की इस यक्ष प्रश्न से शुरू हुई बहस में सिनेमा जगत के साथ-साथ, सोशल मीडिया, टीवी चैनल, नेता, सरकारें, सरकारी महकमे, जांच एजेंसियों, सब कूद पड़े और ये बहस संसद तक पहुंच गई। कहते हैं किसी भी चीज़ की अति अच्छी नहीं होती अब जब इतने सारे लोगों एक ही मामले में कूदेंगे तो दलदल और कीचड़ तो बनेगी ही। अब इस कीचड़ को एक दूसरे पर उछालने का खेल शुरू हो गया है। सभ्य और संभ्रांत दिखने वाले लोग गरिमा और मर्यादा की लक्ष्मण रेखा पार कर चुके हैं और सब ज़िद पकड़े बैठे हैं की मैं ही सही और सच्चा हूँ। यूं तो ग्लैमर और सत्ता का गठबंधन बहुत पुराना है पर एक दूसरे को नीचे दिखाने का वर्तमान दौर अभूतवपूर्व है। फिल्म उद्योग ही नहीं हर क्षेत्र में अच्छे बुरे हर तरह के लोग होते हैं। बुरे लोगों को बेनकाब करने के लिए हमें ना तो बुरा बनना है ना अच्छे लोंगो को परेशान करना है बल्कि ये काम तो एक शल्य चिकित्सक की तरह करना चाहिए जो शरीर से खराब अंग, अच्छे अंगों को नुकसान पहुंचाए बिना निकलाता है।

– **बृजेश माथुर**, गाजियाबाद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

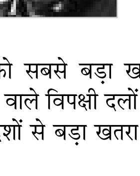

"**तीन** वैक्सीन अभ्यर्थी भिन्न चरणों में हैं। हमें उम्मीद है कि अगले वर्ष के प्रारम्भ में एक वैक्सीन भारत में उपलब्ध हो जाएगी।

– **डॉ हर्षवर्धन**
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

इस चुनाव को सबसे बड़ा खतरा लाखों मतों पर नियंत्रण रखने वाले विपक्षी दलों के गर्वनरों से है। मेरे लिए यह विदेशों से बड़ा खतरा है।

– **डोनाल्ड ट्रंप**
अमेरिकी राष्ट्रपति

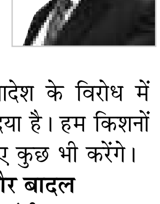

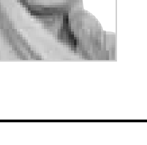

मैंनें इस किसान विरोधी अध्यादेश के विरोध में कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। हम किशनों के साथ खड़े हैं और उनके लिए कुछ भी करेंगे।

– **हरसिमरत कौर बादल**
पूर्व केंद्रीय मंत्री"

आढ़तियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

कुरुक्षेत्र। केंद्र सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के लिए लाए जा रहे तीन अध्यादेशों के खिलाफ जिलभर के आढ़तियों ने शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। पहले से किए एलान के अनुसार शुक्रवार सुबह आढती मार्किट कमेटी कार्यालय में एकत्रित हुए और धरने पर बैठ गए।

आढ़तियों ने धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रधान अजेमर सिंह ने कहा कि जब तक सरकार तीनों अध्यादेशों को वापस नहीं लेती है, आंदोलन जारी रहेगा। आढती जगतार काजल ने कहा कि आज से सभी मंडी पूर्ण रुप से बंद रहेंगी और मंडी में किसी भी उत्पाद का क्रय विक्रय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार के नए अध्यादेशों के मुताबिक अनाज मंडियों में व अनाज मंडियों के बाहर टैक्स में असमानता है इसलिए उनकी मांग है कि सरकार मंडी में व मंडी के बाहर उत्पादों पर टैक्स की दर को एक समान करे। उन्होंने कहा कि सरकार अपने तीनों अध्यादेश वापिस ले और पहले की तरह मंडीयों की व्यवस्था करे क्योकि आढ़ती व किसान का चोली दामन का साथ है। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन किसानों के साथ है और 20 सितंबर को भाकियू द्वारा पूरे प्रदेश में किए जा रहे चक्के जाम में आढती पूरा समर्थन करेंगे।

कृषि अध्यादेशों पर हो विधानसभा का विशेष सत्र

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

राज्यपाल से मुलाकात करने पहुंचे हुड्डा, नहीं मिले राज्यपाल

केंद्र के कानून के खिलाफ सभी दलों को एक मंच पर आने की अपील

केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पारित किए गए तीन कृषि अध्यादेशों का विरोध करते हुए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा शुक्रवार को हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायाण आर्य से मुलाकात करने पहुंचे। कांग्रेसियों ने ध्वनि मत से कृषि अध्यादेशों के मुद्दे पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने और अध्यादेशों को रद्द करने का प्रस्ताव पारित करने की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस विधायकों की राज्यपाल के साथ मुलाकात नहीं हो सकी। पूर्व सीएम को राज्यपाल को सचिव जी अनुपमा को ज्ञापन सौंपकर अपनी कार्रवाई पूरी करनी पड़ी। इसके बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज प्रदेश के किसानों पर तीन काले कानूनों का संकट मंडरा रहा है। इसलिए जरूरी है कि सभी पार्टियां किसान हित में एक साथ इसके खिलाफ आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि पंजाब की तर्ज पर विधानसभा का सत्र बुलाकर इन तीनों कानूनों को सिरे से खारिज किया जाए। इन कानूनों पर सदन में चर्चा करवाई जाए ताकि लोगों को भी पता चले कि कौन सी पार्टी और विधायक किसान समर्थक है और कौन सी विरोधी। ज्ञापन के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसके लिए विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाए कि कृषि और मंडी व्यवस्था राज्य का मामला है। इसको ध्वस्त करने वाले और बिना एमएसपी गारंटी के ये कानून राज्य को मंजूर नहीं है। हुड्डा ने कहा कि प्रदेश सरकार विधानसभा में एक बिल लाए,जिसमें किसानों को स्वामीनाथन के सी-टू फार्मूले के तहत एमएसपी की गारंटी दी जाए। अगर सरकार ऐसा नहीं करती तो कांग्रेस सडक् से लेकर सदन तक हर मंच पर इसका विरोध करेगी और सरकार को कानून वापिस लेने पर मजबूर कर देगी। अगर फिर भी सरकार अपनी जिद् पर अड़ी रही तो प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही इन काले कानूनों को खत्म किया जाएगा।

बिजली निगमों के साढे छह सौ करोड़ अटके

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में सरकारी विभाग ही नहीं भर रहे बिजली बिल

एक तरफ हरियाणा सरकार अपने उपभोक्ताओं पर बिजली के बिल भरने के लिए तरह-तरह से दबाव बना रही है वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के कई सरकारी विभाग ऐसे हैं जिनके द्वारा समय पर बिजली के बिलों की अदायगी नहीं की जा रही है।

सरकारी विभागों की तरफ हरियाणा बिजली निगमों के करीब 640 करोड़ रुपए अटके हुए हैं। विभाग द्वारा इस धनराशि की वसूली के लिए विभागों के खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। सरकारी विभागों द्वारा बिजली बिलों की अदायगी नगदी के रूप से नहीं बल्कि ट्रेजरी के माध्यम से की जाती है। आमतौर पर बिलों के मामले में विभाग द्वारा ट्रेजरी को जानकारी भेजी जाती है और ट्रेजरी द्वारा एक विभाग के खाते से दूसरे विभाग में धनराशि ट्रांसफर कर दी जाती है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अपने विभागों की तरफ 467 करोड़ तथा उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अपने विभागों की तरफ 173 करोड़ रुपए पेंडिंग हैं। इनमें सर्वाधिक धनराशि जनस्वास्थ्य विभाग की तरफ पेंडिंग है। इसके माध्यम से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पानी सप्लाई किया जाता है। इसके अलावा सिंचाई विभाग, स्थानीय निकाय विभाग, विकास एवं पंचायत विभागों की तरफ बिजली बिलों की धनराशि पेंडिंग है। यही नहीं प्रदेश में जिला स्तर पर चल रहे लघु सचिवालयों की तरफ भी बिजली बिलों की धनराशि बकाया खड़ी है।

भिवानी के युवक की महम में हत्या

भिवानी। महम पुलिस चौकी के नजदीक सुबह चार बजे तीन युवकों ने मिलकर एक युवक की इंटों से पीट पीट कर हत्या कर दी। पूरी घटना साथ में एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मृतक की पहचान अमित पुत्र सुशील निवासी राजीव कालोनी, हनुमान गेट भिवानी के रुप में हुई है। मृतक की उम्र बीस से बाईस साल बताई जा रही है। पुलिस ने घटना स्थल से दो बाइक बरामद की हैं। जिसमें आशंका जताई जा रही है कि एक बाइक मृतक का तथा दूसरा हत्यारों का हो सकता है। पुलिस को सूचना मिलने पर डीएसपी शमशेर सिंह दहिया, एफएसएल इंचार्ज सरोज दहिया व थाना प्रभारी नवीन जाखड़ ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक तथ्य एकत्रित कर कार्रवाई शुरु कर दी है।

झोपड़ियां तोड़ने के विरोध में किया प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। जनसंघर्ष मंच हरियाणा की ओर से दिल्ली में 48 हजार झोपड़ियां तोड़ने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ छोटा रेलवे स्टेशन थानेसर पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व मंच की जिला उपाध्यक्ष उषा कुमारी व मनरेगा मजदूर यूनियन के नेता नरेश कुमार ने किया।

ये विरोध प्रदर्शन दिल्ली के 48 हजार व फरीदाबाद के 1200 झुग्गियों में रहने वाले परिवारों के साथ एकजुटता के लिए किया गया है। उषा कुमारी ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में रेलवे लाइनों के पास स्थित झुग्गियों को बिना पुनर्वास के प्रबंध किए तोड़ने का आदेश दिया है जो अत्यंत निंदनीय व अमानवीय है। इस फैसले के कारण कोरोना महामारी के समय में भी लगभग तीन लाख गरीब बेघर कर दिए जाएंगे। मंच व यूनियन नेताओं ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में 48 हजार झोपडियों को तोडने् के फैसले को वापिस ले, मोदी सरकारउजाडने् से पहले सभी झोपड़ीवासियों के पुनर्वास के लिये उचित स्थान पर आवास/घर बना कर मुहैया करवाए, हरियाणा की भाजपा सरकार फरीदाबाद में व अन्य जगहों पर उजाड़े गए स्लम एरिया के गरीबों, झोपड़ीवासियों को उचित जगहों पर पक्के मकान उपलब्ध कराये, रेलवे का निजीकरण बंद किया जाए अन्यथा मंच व मजदूर यूनियनें झोपड़ीवासियों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधारोपण

कुरुक्षेत्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जन्म सप्ताह के अंतर्गत भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार सैनी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शकुंतला शर्मा, जिला महामंत्री रविन्द्र सांगवान, सुशील राणा, जिला मीडिया प्रभारी विनीत क्वातरा, सचिव अमित रोहिल्ला, युवा नेता साहिल सुधा, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष मंदीप विर्क, मण्डल अध्यक्ष दीपक चौहान, हरीश अरोड़ा, रमेश सैनी, ओमबीर, विनीत बजाज, जितेंद्र धुराला, प्रीतपाल सैनी, कृष्ण लाल शर्मा, हिमांशु शर्मा, यशपाल शर्मा, रमेश शर्मा, पुष्पिन्द्र शर्मा, नरेन्द्र शर्मा आदि ने सेक्टर 2 में पौधा रोपण किया। देश को पोलथीन मुक्त बनाने के लिए पोलथीन को ना मोदी जी को हां निमित्त कपड़े से निर्मित बैग घरों में बांटे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार ने कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि हमारा परम सोभाग्य है जो हमें ऐसा यशस्वी प्रधानमंत्री मिला जो सैनिकों के सम्मान एवं होसला अफजाई के लिए उनके साथ सीमा पर दीपावली का त्योहार मनाते हैं, किसानों की आय को दुगुनी करने के कार्य में लगातार प्रयासरत हैं जिन्होंने जय जवान जय किसान के साथ जय विज्ञान जोडकर देश के विकास में वैज्ञानिकों के योगदान को सम्मान दिया है।

नगर निगम चुनाव न होने से रुका शहर का विकास

सोनीपत। समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता निखिल मदान शहर के कोट मोहल्ला में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे और लोगों की समस्याओं को सुना। लोगों ने निखिल मदान को बताया कि यहां की मुख्य समस्या पानी की निकासी और सीवरेज जाम होना है। पिछली बरसात में लोगों के घरों में पानी घुसने के चलते लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। सभी समस्याओं को सुनने के बाद निखिल मदान ने लोगों को आश्वासन दिया कि निगम चुनाव के बाद सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करवाया जाएगा। सरकार द्वारा पिछले 5 सालों से नगर निगम चुनाव को लटकाया जा रहा है, जिस वजह से आज सभी शहरवासी परेशान है। मदान ने सभी लोगों से कोरोना महामारी से बचाव हेतु सभी सावधानी बरतने की भी अपील की। कार्यक्रम में सुरेश प्रधान, राजा भाई, आदित्य, सिद्धार्थ, अजय, विक्की, राम किशन दादा, आत्म, सुरेन्द्र, सुनीता, रेखा, गुड्डी, प्रकाशी देवी, नीता देवी, सन्दीप मलिक, दिनेश हुड्डा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

रणदीप सुरजेवाला के कारण हरियाणा की ताकत हुई मजबूत : बवेजा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के इतिहास में पहली बार हरियाणा से एकमात्र नेता रणदीप सुरजेवाला को राष्ट्रीय महासचिव के साथ-साथ कर्नाटक का प्रभारी नियुक्त होने की जि मेवारी बाद कुरुक्षेत्र में प्रवेश करते ही जिस प्रकार बुधवार को अपार जन समूह और पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया था, उससे सिद्ध हुआ की हरियाणा सहित कुरुक्षेत्र के पार्टी कर्यकर्ताओं में कितना जोश है। कुरुक्षेत्र किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष एम एस बवेजा ने सुरजेवाला के स्वागत समारोह की सफलता के बाद वीरवार को कहाकि सुरजेवाला के कारण हरियाणा में पार्टी की ताकत मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि सुरजेवाला से मिलने और उन्हें मिठाई खिलाने के लिए भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं में होड़ लगी रही। बवेजा ने कहा कि सुरजेवाला के हाईकमान में आने से पूरे राज्य में खुशी की लहर का प्रमाण है कि हर जगह उनका जबरदस्त स्वागत समारोह आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहाकि हरियाणा अब अधिक महत्व मिलेगा। इस बात का सुरजेवाला ने कुरुक्षेत्र भी विश्वास दिलाया है। उल्लेखनीय है कि सुरजेवाला राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार व कांग्रेस कार्यसमिति के मूलभूत सदस्य भी मनोनीत हुए हैं। सुरजेवाला राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कोर कमेटी के सदस्य सहित राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी व राष्ट्रीय प्रवक्ता भी है। बवेजा ने कहाकि अब पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय होकर सुरजेवाला के विश्वास पर खरा उतरना चाहिए। इस अवसर पर बलदेव सिंह, संजय अरोड़ा, दीपक व अमरीक इत्यादि भी मौजूद थे।

वेबिनार में छात्रों को करियर के लिए किया जागरूक

पलवल। एनजीएफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में छात्रों की कैरियर काउंसलिंग के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया। कॉलेज के चेयरमैन डॉ अश्वनी प्रभाकर के निर्देशन में डिग्री कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ अश्वनी गुप्ता, डिप्टी डायरेक्टर मनप्रीत कौर, एचओडी कुलदीप तोमर, काउंसलर अबिर भौमिक द्वारा छात्रों का मार्गदर्शन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि 12वीं के बाद छात्रों को अक्सर कन्फ्यूजन रहता है कि वे आगे क्या करें। छात्रों को अपनी रूचि व योग्यता के अनुसार ही विषय का चयन करना चाहिए। जिससे उनका भटकाव न हो और वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। उन्हें अपनी दिनचर्या के मुताबिक टाइम टेबल निर्धारित करना चाहिए। जिससे समय का सदुपयोग हो सके और छात्र गलत दिशा में न जा पाए। डॉ गुप्ता ने कहा कि कॉलेज में इस बार एक बहुत ही सराहनीय कदम उठाया गया है। जिसके तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कोचिंग की व्यवस्था की गई है। जिससे प्रतिस्पर्धा के दौर में वह पीछे न रहें और उन्हें रोजगार प्राप्त करने

अनाजमंडी में हड़ताल पर बैठे आढ़ती व किसान

निगदू। सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में लाए गए तीन नए अध्यादेशों के खिलाफ कस्बे की अनाजमंडी में आढ़ती और किसान अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ गए हैं। इस दौरान आढ़तियों और किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर अपना रोष प्रदर्शन किया। आढ़तियों का कहना है कि सरकार उन्हें खत्म करने की कोशिश कर रही है। आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान राजबीर सागवाल ने कहा कि नए नियमों के अनुसार मंडी में खरीद करते समय तो मार्केट फीस देनी होगी, जबकि बाहर खुली खरीद करने पर मार्केट फीस देने का कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनेंगे रेन वाटर हार्वेस्टर

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

नगर निगम कार्यालय करनाल के परिसर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनाया जा रहा रेन वाटर हार्वेस्टर।

शहर को स्मार्ट बनाने के लिए चल रहे प्रोजेक्ट में एक प्रोजेक्ट रेन वाटर हार्वेस्टर का भी है। इसके तहत शहर की भिन्न-भिन्न 30 लोकेशन पर रेन वाटर हार्वेस्टर बनाए जाने हैं, लोकेशन सरकारी कार्यालय, स्कूल, कॉलेज व पार्क वगैरह की हैं। फिलहाल 9 जगहों पर काम भी चल रहा है। नगर निगम के महिला आश्रम स्थित कार्यालय परिसर में भी रेन वाटर हार्वेस्टर बनाया जा रहा है, इस पर डेढ से 2 लाख रूपये तक खर्चा आएगा। निगम आयुक्त व करनाल जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने बताया कि पिछले कुछ सालों से करनाल में भूमिगत जल स्तर काफी नीचे चला गया है, जो भविष्य के लिए खतरा है। इसका सीधा सा एक ही कारण है, भूमिगत पानी का अत्याधिक व लापरवाही से किया गया दोहन। यदि जल संरक्षण के बारे में नहीं सोचा गया, तो अगली पीढ़ी के लिए वर्तमान में रह रहे लोगों की ही जवाबदेही होगी। प्रकृति की अनमोल नेमत जल को जीवन भी कहा गया है, जाहिर है कि इस ओर ध्यान देने की सख्त जरूरत है। इन सब बातों को देखते स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में रेन वाटर हार्वेस्टर प्रोजेक्ट को भी जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि वर्षा के दिनों में हजारों-लाखों लीटर पानी व्यर्थ में नालों में जाकर गंदगी का रूप धारण कर लेता है। रेन वाटर हार्वेस्टर से इस तरह के पानी को भूमिगत पानी में रिचार्ज किया जा सकता है। शहरीकरण में पक्के रास्ते और सड़कें, जमीन पर पड़े पानी को रिचार्ज नहीं होने देते, इसका बेहतर विकल्प रेन वाटर हार्वेस्टर है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी में सरकारी भवनो और सरकारी जगहों को इस काम के लिए चयनित किया गया है। इसके साथ-साथ नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने घरों, परिसर और प्लाटों में रेन वाटर हार्वेस्टर बनवाएं। जल संरक्षण की दिशा में नागरिकों की ओर से यह सराहनीय कदम होगा।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

कैथल। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान जैसा महादान करके हम मानवहित का बहुत बड़ा कार्य करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान करना चाहिए ताकि उसके दान से किसी को बहुमूलय जीवन की सौगात मिल सके। ये शब्द महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में गांव बाता के बाबा ब्रह्मपुरी मंदिर में आयोजित रक्तदान शिविर में कहे। इस अवसर पर राज्यमंत्री ने सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद देते हुए उन्हें बैज लगाए और साथ ही प्रमाण पत्र भी दिए।

आंगनवाड़ी केंद्रों में हों बिजली पानी व शौचालय की सुविधा

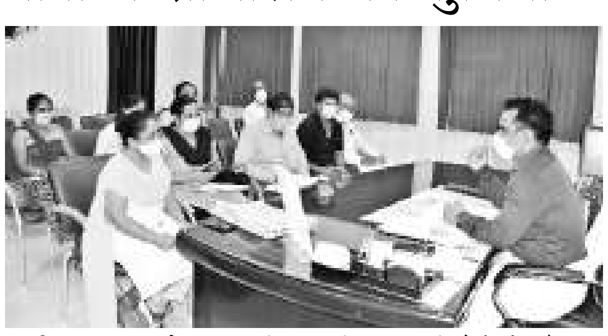

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

एसडीएम महेश कुमार की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की उपमंडल स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पोषण माह अभियान व विभाग की अन्य गतिविधियों की समीक्षा की गई। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों में बिजली-पानी व अन्य समुचित सुविधाएं मुहैया करवाने को लेकर पंचायती राज विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग व शिक्षा व अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों जरूरी निर्देश दिए।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की समीक्षा करते हुए एसडीएम महेश कुमार ने कहा कि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय सुचारू रूप से होने चाहिए। इसी प्रकार से यहां पर स्वच्छ पेयजल का प्रबंध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय या पेयजल का समुचित प्रबंध नहीं है, उन केंद्रों की सूची तैयार की जाए ताकि वहां पर इस तरह की कमी को पूरा किया जा सके। उन्होंने पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गांवों में आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण किया जा रहा है, उनमें गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। एसडीएम ने महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ऐसे आंगनवाड़ी सेंटरों की सूची मुहैया करवाएं जहां पर बिजली-पानी या शौचालय की सुविधा नहीं है।

नुक्कड़ नाटक से कलाकारों ने कोरोना के प्रति चेताया

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

वैश्विक संक्रमित महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए नगर सुधार मण्डल मार्केट में नरेंद्रा फिल्मस, महादेव कला एवं संस्कृति विकास समिति के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक कोरोना महायोद्धा के माध्यम से दुकानदारों व राहगीरों को जागरूक किया।

मास्क लगाने व साबुन-सैनेटाइजर का प्रयोग करने का संकल्प भी दिलाया। नुक्कड़ नाटक में चिकित्सकों, पुलिस प्रशासन, जनसुचना विभाग, पत्रकारों, सफाई कर्मचारियों, बैंक कर्मचारियों, अध्यापकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कलाकारों ने उपस्थित लोगों को बताया कि यह एक संक्रमित महामारी है। इससे बचने के लिए हैं एक दूसरे से आपसी दूरी बनाए रखनी होगी। समय-समय पर साबुन या सैनेटाइजर से हाथों को साफ करते रहना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय मुंह पर मास्क का प्रयोग करना चाहिए। अपने-अपने घरों की साफ-सफाई रखनी चाहिए। नरेंद्रा फिल्मस के सचिव संदीप शर्मा ने कहा कि महामारी से लोगों को बचाने के लिए वे अपनी टीम के साथ शहर के हर क्षेत्र व गांवों-गांवों में जाकर जागरूकता अभियान चलाएंगे। कलाकार प्रवीण कुमारी ने कहा कि वे महामारी से बचाव के लिए अधिक से अधिक महिलाओं को जागरूक करेंगी।

महादेव कला एवं संस्कृति विकास समिति के अध्यक्ष महादेव ने कहा कि यह कठिन समय है मगर चीजें जरूर ठीक होंगी। हमारे वास्तविक जीवन के सुपर हीरो बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में अपना सर्व श्रेष्ठ योगदान दे रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपिल करते हुए कहा कि महामारी से बचाने के लिए सावधानियों का विशेष ध्यान रखें। नुक्कड़ नाटक में रामेहर, सुशील, मोहन सिंह, मुकेश, अन्नू, नेहा, दिव्यांशु, कनिष्का, आर्यन व खुशी ने अपनी विशेष भूमिका निभाई।

डबल मर्डर में तीन आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना औद्योगिक क्षेत्र बड़ी की पुलिस ने रिमाण्ड के दौरान डबल मर्डर की घटना में शामिल तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी नवरत्न, नीरज व अंकुश निवासी मलिकपुर जिला सोनीपत के रहने वाले है। आरोपियों को न्यायालय में पेशकर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है

पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि 13 सितंबर को पवन निवासी रामनगर ने थाना औद्योगिक क्षेत्र बड़ी में शिकायत दी थी कि कुलदीप, सोनू निवासी मलिकपुर, बिट्ठू, संजय निवासी पपनेरा व अन्य युवकों ने उसके पिता नरसी व जगमोहन निवासी रामनगर की चाकूओं से मारकर हत्या कर दी है। थाना औद्योगिक क्षेत्र बड़ी टीम ने घटना में शामिल आरोपियों सतेन्द्र निवासी कुठिन जिला जालनी यूपी, संजय, सोनू, कुलदीप हाल मलिकपुर निवासी, छोपरा महेशपुर जिला बागपत यूपी व बिट्टू उर्फ बुटा सिंह निवासी पपनेरा जिला सोनीपत को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर वेबिनार आयोजित

देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की जरूरत है: भारद्वाज

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को विशेष बनाने के लिए मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर पंचायत भवन में एक वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सेवा सप्ता के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष शंकर धूपड़ की अध्यक्षता में किया गया। मंच का संचालन संदीप श्योराण ने किया। कार्यक्रम में सीबीएलयू के रजिस्ट्रार जितेन्द्र भारद्वाज ने मुख्यवक्ता के रूप में शिरकत की तथा मुख्यअतिथि विधायक घनश्याम दास सर्राफ व विशिष्ट अतिथि हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के पूर्व चेयरमैन ऋषिप्रकाश शर्मा थे। मुख्यवक्ता सीबीएलयू के रजिस्ट्रार जितेन्द्र भारद्वाज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर प्रकाश डाला। उनके जीवन से संबंधित लघु कथा को दिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एक ऐसे व्यक्तित्व के धनी हैं जिनका डंका हमारे देश में ही नहीं बल्कि दुनिया में बज रहा है।

हम सभी को उनके जीवन से सिखने की जरूरत है और देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अंतिम स्तर पर जो व्यक्ति बैठा है उसको लाभ कैसे मिले उसके लिए अनेकों योजनाएं शुरू की हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्या के मार्ग पर चल कर वे कार्य कर रहे हैं। छोटी की आयु में ही वे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ गए थे। किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं।

जिला प्रशासन को 1400 रैपिड एंटीजेन कोविड टेस्टिंग किट भेंट कीं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे यूनाइटेड वे दिल्ली ने स्वस्थ समाज की सहभागिता में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए 1400 रैपिड एंटीजेन कोविड टेस्टिंग किट और 21 लैपटॉप (कॉरपोरेट पार्टनर जेनपेक्ट के समर्थन के साथ) जिला प्रशासन गुरुग्राम को सौंपे। इस दौरान प्रमुख वक्ता गुरुग्राम मंडल के कमिश्नर अशोक सांगवान, बोर्ड चेयर यूनाइटेड वे दिल्ली कपिल कुमारिया, यूनाइटेड वे दिल्ली के सीईओ सचिन गोलवालकर मौजूद रहे।

गुरूग्राम कमिश्नर अशोक सांगवान ने कहा कि आज पूरा देश कोरोना जैसी महामारी से लड़ रहा है। ऐसे में यूनाइटेड वे दिल्ली के महामारी से लड़ने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय है। इन प्रयासों से निश्चित तौर पर हम करो ना जैसी महामारी से लड़ने में कामयाब होंगे। सचिन गोलवलकर, सीईओ, यूनाइटेड वे दिल्ली ने कहा यूनाइटेड वे दिल्ली कोविड-19 से लड़ने की दिशा में हरियाणा सरकार के प्रयासों को पूरा करने के लिए योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम बड़े पैमाने पर हमारे हस्तक्षेप यूनाइटेड अगेंस्ट कोविड-19 के तहत काम कर रहे हैं। यह आवश्यक है कि डब्ल्यू एच ओ द्वारा अनुशंसित कोविड प्रभावित रोगियों के उपचार के लिए परीक्षण किया जाए। गौरतलब है कि बीती 11 जुलाई को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सेक्टर 10 सिविल अस्पताल गुरुग्राम के लिए एक नई आरटी-पीसीआर कोविड परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया था। लैब की सुविधा यूनाइटेड वे दिल्ली द्वारा स्थापित की गई थी।

प्रेरणा

वन में फूल सदा नहीं खिलते, सदा नहीं यौवन होता,
नभ से मेह सदा ना बरसे, सदा नहीं सावन होता,
करना है जो कर डालो यूं कब तक सोच विचारोगे,
ऐसा ना हो उम्र निकल जाए सदा नहीं जीवन होता।

शांति एवं सुरक्षा को पर्यावरणीय नुकसान से जोड़ना अर्थपूर्ण नहीं : भारत

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान से जुड़ी हर चीज को शांति एवं सुरक्षा से जोड़ने से जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं को दूर करने का न तो कोई अर्थपूर्ण समाधान मिलेगा और न ही इससे यह सुनिश्चित होगा। वास्तविक अपराधी पर्यावरणीय मामलों संबंधी अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करेंगे।

भारत ने पर्यावरणीय क्षरण के मानवीय प्रभाव और शांति एवं सुरक्षा संबंधी विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की उच्चस्तरीय खुली चर्चा के दौरान एक बयान में कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान के उसी प्रकार मानवीय प्रभाव हो सकते हैं, जैसे मानवीय गतिविधि के अन्य पहलुओं के मानवीय आयाम हैं। इसने कहा, हालांकि पर्यावरणीय मामलों संबंधी हर चीज को शांति एवं सुरक्षा से जोड़ देने से हमें इस समस्या को लेकर समझ बढ़ाने में कोई मदद नहीं मिलेगी। हमें अर्थपूर्ण तरीके से इन समस्याओं से निपटने में इससे कोई मदद नहीं मिलेगी और न ही इससे असल में जिम्मेदार लोगों को सामने लाने एवं उनसे पर्यावरण संबंधी

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को सरकार ने एफडीआई का फैसला किया : गोयल

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, राष्ट्रीय हित और सुरक्षा रहेगी सर्वोपरि

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) के नियमों को आसान बनाने के सरकार के फैसले से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान राष्ट्रीय हितों तथा सुरक्षा को सबसे ऊ पर रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में विदेशी निवेश को मंजूरी देने से पहले उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के पैमाने पर जांच की जाएगी। सरकार ने कुछ शर्तों के साथ इस क्षेत्र में स्वत: मार्ग के तहत 74 प्रतिशत एफडीआई की इजाजत दी है। गोयल ने एक ट्वीट में कहा, अब, स्वत: मार्ग से 74 प्रतिशत तक एफडीआई की मंजूरी दी जाती है और 74 प्रतिशत से अधिक की अनुमति सरकारी (मंजूरी) मार्ग से दी जाएगी। इससे कारोबारी सुगमता बढ़ेगी और

निवेश, आय तथा रोजगार की वृद्धि में योगदान होगा। उन्होंने कहा कि सरकार के आत्मनिर्भर भारत के नजरिए के अनुरूप राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा को सबसे ऊपर रखते हुए किए गए इन संशोधनों से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में स्वत: मार्ग के जरिए रक्षा विनिर्माण में 74 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने की घोषणा की थी।

सरकारी मार्ग के तहत विदेशी निवेशकों को निवेश से पहले संबंधित मंत्रालय या विभाग से अनुमति लेनी होती है, जबकि स्वत: मार्ग में निवेशक को निवेश करने से पहले इस बारे में सिर्फ आरबीआई को सूचित करना होता है।

ट्रम्प के एच-। बी वीजा पर अस्थाई रोक के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

भारतीय मूल केअमेरिकी संघीय न्यायाधीश ने 169 भारतीयों की अपील खारिज कर दी

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी संघीय न्यायाधीश ने 169 भारतीयों की अपील खारिज दी। जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस साल के अंत तक एच-। बी वीजा के आधार पर आने वाले विदेशियों के देश में प्रवेश करने पर लगाई गई अस्थाई रोक को चुनौती दी गई थी।

गौरतलब है कि एच-। बी वीजा गैर-आव्रजन वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को सैद्धांतिक एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी कामगारों को नियुक्त करने की सुविधा देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों के हजारों कामगारों की नियुक्ति पर निर्भर हैं। कोलंबिया जिले की संघीय अदालत के जिला न्यायाधीश अमित पी मेहता ने बुधवार को दिए आदेश में कहा कि भारतीय नागरिक जो सीमा बंद होने के बाद भारत में फंस गए हैं, उनका मुकदमा जीतना असंभव है जिसमें ट्रम्प द्वारा लगाए गए यात्रा प्रतिबंध को चुनौती दी गई है।

मेहता ने कहा कि 169 भारतीय नागरिकों ने अपने मुदकमे में विदेश मंत्री और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को डीएस-160 वीजा आवेदन पर प्रक्रिया करने, निस्तारण करने और अंतिम फैसला करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है लेकिन यह प्रक्रिया तब बेकार साबित होगी जब शिकायतकर्ता एक जनवरी 2021 तक देश में प्रवेश करने से अयोग्य हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे किसी आदेश से सीमित संसाधन की अर्हता रखने वाले लोगों के आवदेन की प्रक्रिया से दूसरी ओर मुड़ने का खतरा होगा जिन्हें राष्ट्रपति की घोषणा से छूट दी गई है और इससे वीजा प्राप्तकर्ताओं के बीच भ्रम का माहौल पैदा होगा जो देश में प्रवेश करने की कोशिश करेंगे और जिन्हें हवाई अड्डे पर प्रवेश देने से इनकार ही किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह मुकदमा उन भारतीयों ने दायर किया था जो हाल तक अमेरिका में कानूनी तौर पर गैर-आव्रजक दर्जे के साथ अस्थाई कामगार के तौर पर रहे थे और जिनको अमेरिकी आंतरिक मंत्रालय ने मंजूरी थी। वे विभिन्न कारणों से भारत गए और अब अमेरिका आने के लिए उन्हें वीजा की जरूरत है।

अमेरिकी न्यायाधीश ने डाक सेवा में बदलावों पर रोक लगाई

सिएटल। अमेरिकी न्यायाधीश ने डाक सेवा में विवादित बदलावों पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि नवंबर में चुनाव से पहले किए गए ये बदलाव डाक सेवा की कार्यक्षमता पर राजनीति से प्रेरित हमला हैं। इन परिवर्तनों के कारण देशभर में डाक सेवा की रफ्तार प्रभावित हुई थी। वाशिंगटन के याकीमा में न्यायाधीश स्टेनली बास्तियन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन और अमेरिकी डाक सेवा पर मुकदमा करने वाले 14 राज्यों की मांग पर वह राष्ट्रव्यापी शुरुआती आदेश जारी कर रहे हैं। राज्यों ने डाक सेवा की उस नीति को चुनौती दी है जिनमें डाक सेवा के ट्रक समय पर रवाना हो जाते हैं, वह और अधिक डाक लादे जाने का इंतजार नहीं करते। उन्होंने डाक सेवा पर चुनावी डाक को प्रथम श्रेणी की डाक मानने का दबाव बनाने की भी मांग की है। उधर, डाक सेवाओं के प्रवक्ता डेव पार्टेनहेमर ने कहा कि संस्थान कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए की डाक सेवा इसे प्राप्त होने वाली चुनावी डाक की किसी भी संख्या की देखरेख को तैयार और प्रतिबद्ध है।

भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर बहुत चिंतित हैं अमेरिकी कांग्रेस सदस्य

भारत के प्रति अपने सैन्य उकसावों को चीन जल्द बंद करे

वाशिंगटन। भारतीय मूल के एक अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ने चीन से अपील की है कि वह भारत के प्रति अपने सैन्य उकसावों को बंद करे। लद्दाख में सीमा पर गतिरोध को लेकर बने तनाव का कूटनीतिक समाधान निकाले। राजा कृष्णमूर्ति ने खुफिया विषयों पर हाउस परर्मानेंट सेलेक्ट कमेटी द्वारा एक वर्गीकृत ब्रीफिंग के बाद यह कहा, जिसमें वह पहले और एकमात्र भारतीय-अमेरिकी सदस्य हैं। इस मुद्दे पर समिति की बैठक पहली बार हुई थी।

उन्होंने कहा, मैं इस मुद्दे को लेकर बहुत चिंतित हूं। इसलिए मैं एक द्विदलीय प्रस्ताव लाया, जिसे सदन ने मंजूरी दी। इसमें चीन से कहा गया है कि वह भारत के प्रति अपने सैन्य उकसावे बंद करे और कूटनीति समाधान पर ध्यान दें। कृष्णमूर्ति ने कहा, मैं इस विवाद पर करीबी नजर बनाए रखूंगा। जब तक कि इसका पूर्ण समाधान नहीं निकल आता। इससे पहले बृहस्पतिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति की उप सहायक लीजा कर्टिस ने शीर्ष अमेरिकी थिंक टैंक से कहा था कि चीन की आक्रामकता के प्रति भारत का रवैया सख्त लेकिन जिम्मेदारी से भरा है।

अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करना बाइडेन प्रशासन की प्राथमिकता: प्रचार दल : वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन के चुनाव अभियान दल ने कहा कि उनके प्रशासन में दक्षिण एशिया में आतंकवाद बिल्कुल बर्दाशत नहीं किया जाएगा। अमेरिका-भारत के संबंधों को मजबूत करना उनकी उच्च प्राथमिकता रहेगी।

बाइडेन के चुनाव प्रचार अभियान दल ने कहा, हमारा मानना है कि भारत और अमेरिका एक स्वाभाविक साझेदार हैं और सत्ता में आने पर भारत-अमेरिका के संबंधों को लगातार मजबूत बनाना हमारे प्रशासन की उच्च प्राथमिकता होगी। उसने कहा, बाइडेन और हैरिस प्रशासन में दक्षिण एशिया, सीमा पार या अन्य आतंकवाद बिल्कुल बर्दाशत नहीं किया जाएगा।

ट्रंप महासभा के सत्र में डिजिटल रूप से हिस्सा लेंगे: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में हिस्सा लेने सभा कक्ष नहीं जाएंगे, बल्कि डिजिटल रूप से हिस्सा लेंगे। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मिडोज ने यह जानकारी दी।

कोरोना वायरस संक्रमण के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा का वार्षिक सत्र 15 सितंबर को शुरू हुआ, जहां दुनिया के नेताओं ने पहली बार डिजिटल माध्यम से मुलाकात की। सत्र में महामारी के सामाजिक और आर्थिक स्तर पर पड़ने वाले असर, जलवायु परिवर्तन तथा मानवता के सामने आने वाली अनेक चुनौतियों पर चर्चा होनी है। मिडोज ने बृहस्पतिवार को विस्कॉन्सिन में ट्रंप अभियान रैली के लिए जाने के दौरान एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा, ट्रंप वैश्विक नेताओं की वार्षिक सभा के लिए न्यूयॉर्क में नहीं होंगे। वह इसमें व्यक्तिगत तौर पर शामिल नहीं होंगे। ट्रंप का 22 सितंबर को आम बहस के पहले दिन अपना संबोधन देने का कार्यक्रम है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने अभी अपने संबोधन के टेप नहीं सौंपे हैं।

जयपुर फुट अमेरिका गुजरात में नि: शुल्क कृत्रिम अंग शिविर लगाएगा

न्यूयॉर्क। जयपुर फुट की अमेरिकी शाखा ने कहा है कि वह गुजरात में नि: शुल्क कृत्रिम अंग लगाने के लिए एक राज्य स्तरीय शिविर लगाएगा। इस दौरान दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र और व्हीलचेयर वितरित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70वें जन्मदिन के अवसर पर जयपुर फुट अमेरिका के अध्यक्ष प्रेम भंडारी ने कहा कि कोविड-19 महमारी के दौरान हालात सुरक्षित होने पर जल्द ही शिविर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्घाटन कार्यक्रम मोदी के जन्मस्थान वडनगर में होगा और शिविर मेहसाणा या अहमदाबाद में लगाया जाएगा।

एप्पल भारत में 23 सितंबर को ऑनलाइन स्टोर की पेशकश करेगा

नई दिल्ली। एप्पल ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले हफ्ते भारत में अपने ऑनलाइन स्टोर की शुरुआत करेगी, जहां देश भर के ग्राहकों को पहली बार कंपनी के उत्पादों की पूरी श्रृंखला की पेशकश की जाएगी। इस पहल से एप्पल को त्योहारी मांग का फायदा उठाने में मदद मिलेगी।

तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने बताया कि 23 सितंबर को शुरू होने वाले नए ऑनलाइन स्टोर से ग्राहकों को दुनिया भर में फैले एप्पल स्टोर के समान सेवाएं मिलेंगी। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने फरवरी में कहा था कि कंपनी इस साल के अंत में भारत में अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू करेगी, जबकि उसका पहला पारंपरिक खुदरा स्टोर 2021 में चालू होगा। एप्पल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष डिडेर ओ ब्रायन ने कहा, हम जानते हैं कि हमारे उपयोगकर्ता जुड़े रहने, सीखने और रचनात्मकता का इस्तेमाल करने के लिए प्रौद्योगिकी पर भरोसा कर रहे हैं, और भारत में एप्पल स्टोर को ऑनलाइन लाकर, हम इस महत्वपूर्ण समय में अपने ग्राहकों को एप्पल की बेहतरीन पेशकश दे रहे हैं। एप्पल इस समय भारत में अपने उत्पादों को तीसरे पक्ष के विक्रेताओं और फ्लिपकार्ट तथा अमेजन जैसे ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए बेचती है।

केंद्र सरकार ने पिछले साल एकल-ब्रांड खुदरा क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के दिशानिर्देशों में ढील दी थी, जिसके तहत कंपनियों के लिए स्थानीय स्तर पर आउटसोर्सिंग के नियमों को आसान बनाया गया। सरकार के इस कदम के बाद एप्पल ने कहा था कि वह अपने वैश्विक मानकों के अनुरूप भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए ऑनलाइन और पारंपरिक स्टोर खोलने की इच्छुक है। कंपनी ने बयान में कहा कि ग्राहक इन स्टोर के जरिए सलाह पा सकते हैं और नए उत्पादों के बारे में सीधे ऐपल से सीख सकते हैं।

भारत से प्रगाढ़ संबंध बखान कर मोदी को दीं बधाइयां

पुतिन, जॉनसन, मर्केल और अन्य विश्व नेताओं ने दी मोदी को जन्मदिन की बधाई

मॉस्को, लंदन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल सहित अन्य विश्व नेताओं ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 70वें जन्मदिन पर बधाई दी। अपने-अपने देशों के साथ भारत के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के उनके निजी योगदान की सराहना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को हुआ था। वह आज 70 साल के हो गए। मोदी को लिखे पत्र में पुतिन ने कहा, आपके 70वें जन्मदिन पर मेरी शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए पुतिन ने कहा कि भारत के शासनाध्यक्ष के रूप में मोदी के कामकाज ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा और सम्मान दिलाया है। पुतिन ने मोदी से कहा, आपके नेतृत्व में भारत सामाजिक-आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के पथ पर सफलतापूर्वक अग्रसर है। नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास की वेबसाइट पर डाले गए पत्र में पुतिन ने कहा, दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में आपका व्यक्तिगत योगदान अत्यधिक है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनके और मोदी के बीच दोस्ताना संबंध मूल्यवान हैं।

वहीं, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जॉनसन ने मित्र मोदी को उनके जन्मदिन पर बधाई देने के लिए ट्विटर का सहारा लिया और उनसे जल्द मुलाकात की उम्मीद जताई। जॉनसन ने ट्वीट किया, मेरे मित्र नरेंद्र मोदी को उनके 70वें जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं आपसे जल्द मुलाकात की उम्मीद करता हूं। दोनों नेताओं के बीच पिछली मुलाकात गत वर्ष फ्रांस के बिआरित्ज में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर हुई थी। जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने मोदी को पत्र के जरिए जन्मदिन की बधाई दी। मोदी को भेजे पत्र में मर्केल ने लिखा, अपने 70वें जन्मदिवस पर मेरी शुभकामनाएं स्वीकार कीजिए। इस अवसर पर मैं हमारे बीच भरोसेमंद एवं रचनात्मक सहयोग के लिए आपका आभार जताना चाहती हूं। उन्होंने कहा, बीते कुछ वर्षों में हम भारत तथा जर्मनी के बीच के परंपरागत अच्छे संबंधों को और मजबूत करने में सफल रहे हैं। पिछले वर्ष नवंबर में भारत और जर्मनी के बीच अंत: सरकारी विमर्श के दौरान हमारी मुलाकात की अच्छी स्मृतियां मेरे जेहन में हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अपने अच्छे मित्र मोदी को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, मैं अपने अच्छे मित्र भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिन्दा राजपक्षे ने भी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। गोटबाया ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्मदिन की बधाई। मैं इस विशेष दिन के अवसर पर आपके अच्छे भविष्य और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

वहीं, महिन्द्रा ने अपने ट्वीट में लिखा, मेरे अच्छे मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब आप जीवन का एक और वर्ष मना रहे हैं तो मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं आपकी सफलता और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने भी प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में मिलकर काम करते रहने का संकल्प व्यक्त किया। ओली ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी आपको जन्मदिन के शुभ मौके पर हार्दिक बधाई।

मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करता हूं। हम दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए करीब से मिलकर काम करना जारी रखेंगे। इसके जवाब में मोदी ने ट्वीट किया, शुक्रिया मान्यवर केपी शर्मा ओली जी। हम दोनों देशों की साझा संस्कृति और इतिहास के आधार पर भारत-नेपाल के रिश्तों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं। भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग ने भी मोदी को जन्मदिन की बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि भारत उनके नेतृत्व में व्यापक बदलाव हासिल करेगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भी प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी और उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच संबंध आगामी वर्ष में नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। उन्होंने हिन्दी और अंग्रेजी में ट्वीट किया, मेरे प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी आपके जन्मदिन पर बधाई। मुझे विश्वास है कि ऑस्ट्रेलिया और भारत के संबंध आगामी वर्ष में नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। जन्मदिन बहुत-बहुत मुबारक।

आपसे जल्द मिलूंगा। फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मारिन, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति गुरबांगुली बेर्दिमुहामेदोव, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्त तोकाएव, उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवाकज मिर्जियोएव, भूटान नरेश जिग्मे खेसर, पुर्तगाली प्रधानमंत्री एंतोनियो कोस्टा और लग्जमबर्ग के प्रधानमंत्री जेवियर बेटेल ने भी प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन पर बधाई दी। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, बुल्गारिया के प्रधानमंत्री बोयको बोरिसोव और विश्व के कई अन्य नेताओं ने भी मोदी को जन्मदिन की बधाई दी। नई दिल्ली स्थित विभिन्न देशों के दूतावासों के राजनयिकों ने भी मोदी को जन्मदिन पर बधाई दी।

ट्रम्प ने मोदी को जन्मदिन पर महान नेता और विश्वसनीय मित्र बताया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 70वें जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें एक महान नेता एवं विश्वसनीय मित्र बताया। मोदी का जन्म 17 सितम्बर 1950 को हुआ था। बृहस्पतिवार को वह 70 वर्ष के हो गए। ट्रम्प ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 70वें जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं। एक महान नेता और विश्वसनीय मित्र को ढेर सारी शुभकामनाएं। ट्रम्प ने मोदी के साथ अपनी और मेलानिया की नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम के दौरान की एक तस्वीर भी साझा की। मोदी ने ट्रम्प के ट्वीट पर जवाब देते हुए लिखा, डोनाल्ड ट्रम्प शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया। यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल ने भी मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। उसने ट्वीट किया, मोदी को 70वें जन्मदिन की शुभकामनाएं। इससे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल सहित अन्य विश्व नेताओं ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 70वें जन्मदिन पर बधाई दी थी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय युवक एसडीजी के युवा प्रणेताओं की सूची में शामिल

संयुक्त राष्ट्र। भारत के 18 वर्षीय उदित सिंघल को संयुक्त राष्ट्र ने सतत विकास लक्ष्य 2020 के युवा प्रणेताओं की सूची में शामिल किया है। विश्व के समक्ष पेश आ रही प्रमुख चुनौतियों से निपटने के प्रयासों में लगे युवाओं के कार्यों को प्रोत्साहन देने वाला यह अहम मंच है। सिंघल को सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2020 की 17 युवाओं की सूची में शामिल किया गया है। वह ग्लास-2सैंड के संस्थापक हैं, जो एक कचरा रहित पारिस्थितिकी तंत्र है। इसमें दिल्ली में कांच के बढ़ते कचरे से निपटने की दिशा में काम किया जा रहा है। ऑफिस ऑफ द सेक्रेट्री-जनरल इनवॉय ऑन यूथ ने एक बयान में कहा कि इस पहल के तहत कांच की बोतलों को कचरा घरों में फेंकने से रोका जाता है और इन्हें व्यावसायिक रूप से मूल्यवान रेत में तब्दील किया जाता है। सिंघल ने एक बयान में कहा, एसडीजी के एक युवा प्रणेता के तौर पर, मैं बदलाव लाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करूंगा। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं लोगों को बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रेरित कर पाऊं।

शरीफ को अगले सप्ताह पेश किया जाए : पाकिस्तानी अदालत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक हाईकोर्ट ने विदेश सचिव को बृहस्पतिवार को आदेश दिया कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को 22 सितंबर को अदालत के समक्ष पेश किया जाए। लाहौर हाईकोर्ट ने शरीफ (70) को उपचार के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की अनुमति दी थी, जिसके बाद शरीफ पिछले साल नवंबर से लंदन में हैं। शरीफ, उनकी बेटी मरियम और दामाद मोहम्मद सफदर को छह जून 2018 को एवनफील्ड सम्पत्तियों के मामले में दोषी ठहराया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री को दिसंबर 2018 में अल-अजीजिया स्टील मिल्स मामले में भी सात साल कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन वह दोनों ही मामलों में जमानत पर रिहा हो गए और उन्हें उपचार के लिए लंदन जाने की भी अनुमति मिल गई। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को शरीफ के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे बढ़कर 73.45 पर बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में तेजी और अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख के चलते रुपया शुरुवार को डॉलर के मुकाबले 21 पैसे मजबूत होकर 73.45 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में घरेलू मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.47 के भाव पर खुली और कारोबार के अंत में 73.45 के स्तर पर थी, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 21 पैसे की मजबूती को दर्शाता है। दिन के कारोबार के दौरान रुपए ने 73.15 का ऊपरी स्तर और 73.55 का निचला स्तर देखा। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की गिरावट के साथ 73.66 पर बंद हुआ था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत गिरकर 92.85 पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को सकल आधार पर 249.82 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.51 प्रतिशत बढ़कर 43.52 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर था।

शिवसेना ने आर्थिक संकट के लिए केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया

मुंबई। शिवसेना ने देश में जारी आर्थिक संकट के लिए केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए शुक्रवार को कहा कि नोटबंदी और कोरोना वायरस को काबू में करने के लिए लॉकडाउन को गलत तरीके से लागू करने के कारण मौजूदा हालात पैदा हुए हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित एक संपादकीय में केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा गया है, 13 मार्च को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि देश में स्वास्थ्य संबंधी कोई आपातकाल नहीं है, जबकि 22 मार्च को प्रधानमंत्री ने एक दिन का जनता कर्फ्यू लगाया और 24 मार्च को सिर्फ चार घंटे की नोटिस पर 21 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की। भाजपा की पूर्व सहयोगी पार्टी ने कहा कि उस दिन शुरु हुई अव्यवस्था और अनिश्चितता आज भी जारी है। संपादकीय में कहा गया कि यह वक्त की मांग है कि केंद्र इस संकट के दौरान राज्यों के साथ मजबूती से खड़ा रहे। संपादकीय में कहा गया कि केंद्र के खजाने में कम से कम 22 प्रतिशत राजस्व मुंबई से आता है, लेकिन केंद्र राज्यों की मदद करने के लिए तैयार नहीं है। अखबार ने कहा कि केंद्र ने लॉकडाउन के दौरान 20 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की, लेकिन यह एक रहस्य है कि यह राशि कहां गई।

अमेरिका का हिज्बुल्ला पर यूरोप में विस्फोटक जुटाने का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि आतंकवादी संगठन हिज्बुल्ला ने कई यूरोपीय देशों में विस्फोटक बनाने के लिए रसायन इकट्ठा किया है। साथ ही यूरोप तथा अन्य देशों से उसपर प्रतिबंध लगाने की अपील की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के काउंटर टेररिज्म के समन्वयक नैथल सेल्स ने कहा कि हिज्बुल्ला के गुर्गों ने हाल के वर्षों में बेल्जियम से फ्रांस, यूनान, इटली, स्पेन और स्विट्जरलैंड में अमोनियम नाइट्रेट स्थानांतरित किया है और यूरोपीय देशों में इसे इकट्ठा करने का भी संदेह है। सेल्स ने सबूत पेश करते हुए कहा कि अमेरिका का मानना है कि ईरान समर्थित हिज्बुल्ला 2012 से यूरोप भर में फर्स्ट एड किट में अमोनियम नाइट्रेट छिपाकर स्थानांतरित कर रहा है। अमेरिका का मानना है कि अब भी पूरे यूरोप में, संभवत: यूनान, इटली और स्पेन में इसकी आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा, हिज्बुल्ला का अमोनियम नाइट्रेट का भंडार यूरोपीय मिट्टी पर क्या करेगा? सेल्स ने कहा, इसका जवाब स्पष्ट है, हिज्बुल्ला बड़े आतंकवादी हमलों के लिए इन्हें इकट्ठा कर रहा है ताकि तेहरान में बैठे अपने सरगना के आदेश पर इन्हें अंजाम दे सके। सेल्स ने अमेरिकी यहूदी समिति की और से ऑनलाइन आयोजित एक कार्यक्रम में यह बयान दिया। इसमें अन्य देशों से भी हिज्बुल्ला पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। अमेरिका ने 1997 से हिज्बुल्ला को आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है।

संयुक्त राष्ट्र में राजदूत ने महासभा अध्यक्ष से मुलाकात की

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि एवं राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के अध्यक्ष वोलकल बोजकिर से मुलाकात की। इस दौरान दोनों राजनयिकों ने मौजूदा संयुक्त राष्ट्र महासभा के एजेंडे के मुद्दों पर चर्चा की। तिरुमूर्ति ने ट्वीट संयुक्त राष्ट्र महासभा के नए अध्यक्ष महामहिम राजदूत वोलकन बोजकिर से मुलाकात करना मेरा सौभाग्य है जो संयुक्त राष्ट्र के बहुत ही अहम समय में महासभा के मार्गदर्शन की जिम्मेदारी ले रहे हैं। बोजकिर ने ट्वीट किया, तिरुमूर्ति ने बृहस्पतिवार को मुझसे मुलाकात की और हमने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के एजेंडे के मुद्दों पर चर्चा की। गौरतलब है कि कोविड-19 महामारी के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा का 75वां सत्र 15 सितंबर को शुरू हुआ। संयुक्त राष्ट्र के 75 साल के इतिहास में पहली बार विश्व नेता डिजिटल माध्यम से इस वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र में मिलेंगे और मानवता के समक्ष मौजूद कुछ गंभीर खतरों पर चर्चा करेंगे। जिनमें कोविड-19 महामारी और जलवायु संकट की वजह से सामाजिक-आर्थिक असर भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि बोजकिर तुर्की के वयोवृद्ध राजनयिक हैं और उन्होंने अपने पूर्ववर्ती नाइजीरिया के तज्जानी मुहम्मद बांदे से संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र की अध्यक्षत की जिम्मेदारी ली है। उनका कार्यकाल सितंबर 2021 में समाप्त होगा।

अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हमले की चेतावनी दी

काबुल। अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने आगाह किया है कि कट्टरपंथी संगठन विभन्न लक्ष्यों, विशेषकर महिलाओं को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। दूतावास की ओर से बृहस्पतिवार को जारी की गई इस चेतावनी में किसी संगठन का नाम नहीं लिया गया। यह चेतावनी ऐसे समय में जारी की गई है जब तालिबान और अफगाान सरकार द्वारा नियुक्त वार्ताकार पहली बार एक साथ बैठ कर दशकों के अनवरत युद्ध का कोई शांतिपूर्ण अंत खोजने की कोशिश कर रहे हैं। तालिबान के प्रवक्ता ज़बीउल्ला मुजाहिद ने कहा, तालिबान का इस तरह के हमले करने का कोई इरादा नहीं है। वहीं दूतावास की ओर से जारी चेतावनी के अनुसार, कट्टरपंथी संगठन लगातार अफगानिस्तान में कई लोगों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। शिक्षकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, कार्यालय कर्मचारियों और सरकारी कर्मचारियों सहित महिलाओं और असैन्य श्रमिकों पर बड़ा खतरा है। दूतावास ने इस पर कोई विशिष्ट जानकारी नहीं दी।

हरिद्वार कुम्भ में श्रद्धालुओं को पास के जरिए मिलेगा प्रवेश : रावत

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शुक्रवार को कहा कि अगले साल हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुम्भ मेले में आने वाले लोगों की संख्या को नियंत्रित किया जाएगा और पास के माध्यम से श्रद्धालुओं को इसमें प्रवेश दिया जाएगा।

रावत ने यहां संवाददाताओं से आनलाइन बातचीत में कहा, कोरोना वायरस महामारी के कारण इस आयोजन में आने वाले लोगों की संख्या को नियंत्रित किया जाएगा और इसलिए इसमें हिस्सा लेने वाले श्रद्धालुओं को पास जारी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि साधु संतों के साथ उन्होंने इस विषय में चर्चा की है

कोरोना के कारण आयोजन में आने वाले लोगों की संख्या को नियंत्रित किया जाएगा

और कोरोना महामारी के कारण संख्या सीमित रख कुम्भ मेले के आयोजन को छोटा करने के विचार पर वह समहत हो गए हैं। रावत ने कहा, कुम्भ मेले में संख्या सीमित रखने के लिए जरूरी है कि श्रद्धालुओं को पास के आधार पर ही इसमें प्रवेश की अनुमति दी जाए।

कुम्भ मेले के इतिहास में यह पहला मौका होगा कि इस धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए श्रद्धालुओं को पास जारी किए जाएंगे। दुनिया भर में आयोजित होने वाले मेलों में यह सबसे बड़ा है। मुख्यमंत्री अपने कार्यकाल के साढ़े तीन साल पूरा होने के अवसर पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चारधाम सभी मौसम में चालू रहने वाली सड़क की चौड़ाई की सीमा शीर्ष अदालत ने साढ़े पांच मीटर तय कर दी है जो रणनीतिक दृष्टि से ठीक नहीं है।

रावत ने कहा कि रणनीतिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से साढ़े पांच मीटर चौड़ी सड़क से काम नहीं चलेगा क्योंकि इस सड़क को पहाड़ी पर स्थित कई सीमाई जिलों से होकर गुजरना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सीमित चौड़ाई वाली सड़क पर सैनिकों की सुचारू तरीके से आवाजाही संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालयक के आदेश की ओर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है और चौड़ी सड़क की जरूरत पर जोर दिया है।

रावत ने चारधाम देवस्थानम प्रबंधक बोर्ड के गठन को पिछले साढ़े तीन साल में उठाया गया सबसे बड़ा सुधारात्मक कदम करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि गैंणसैण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर हमने यह साबित कर दिया है कि यह निर्णय करने वाली सरकार हैं और लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान में हम सक्षम हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पिछले साढ़े तीन साल में हमने विकास की गति तेज की है और भ्रष्टाचार पर नकेल कसी है और लोगों को पारदर्शी एवं स्वच्छ सरकार दी है।

मोदी ने कहा कृषि विधेयक किसानों के रक्षा कवच

विपक्षी दे रहे बिचौलियों का साथ

किसान किसी भी बाजार में अपनी मनचाही कीमत पर बेच सकेंगे

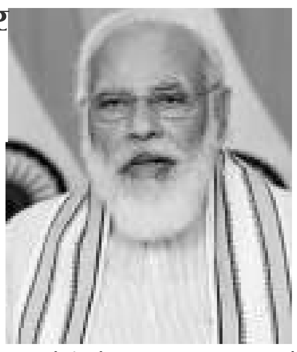

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश के किसानों को आश्वस्त किया कि लोकसभा से पारित कृषि सुधार संबंधी विधेयक उनके लिए रक्षा कवच का काम करेंगे और नए प्रावधान लागू होने के कारण वे अपनी फसल को देश के किसी भी बाजार में अपनी मनचाही कीमत पर बेच सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस पर, आरोप लगाया कि वह इन विधेयकों का विरोध कर किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही हैं और बिचौलियों के साथ किसानों की कमाई को बीच में लूटने वालों का साथ दे रही हैं। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे इस भ्रम में न पड़ें और सतर्क रहें। मोदी ने ये बात शुक्रवार को ऐतिहासिक कोसी रेल महासेतु को राष्ट्र को समर्पित करने और बिहार के रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 12 रेल परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद अपने संबोधन में कही। वीडियो कांफ्रेंस से आयोजित इस समारोह में बिहार के राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, रविशंकर प्रसाद, गिरिराज सिंह और नित्यानंद राय ने भी हिस्सा लिया।

मोदी ने कहा, कल विश्वकर्मा जयंती के दिन लोकसभा में ऐतिहासिक कृषि सुधार विधेयक पारित किए गए हैं। किसान और ग्राहक के बीच जो बिचौलिए होते हैं, जो किसानों की कमाई का बड़ा हिस्सा खुद ले लेते हैं, उनसे बचाने के लिए ए विधेयक लाए जाने बहुत आवश्यक थे। ए विधेयक किसानों के लिए रक्षा कवच बनकर आए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग दशकों तक सत्ता में रहे हैं और देश पर राज किया है, वे लोग किसानों को इस विषय पर भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं ओर उनसे झूठ बोल रहे हैं।

उन्होंने कहा, जिस एपीएमसी एक्ट को लेकर अब ये लोग राजनीति कर रहे हैं, एग्रीकल्चर मार्केट के प्रावधानों में बदलाव का विरोध कर रहे हैं, उसी बदलाव की बात इन लोगों ने अपने घोषणापत्र में भी लिखी थी। लेकिन अब जब एनडीए सरकार ने ये बदलाव कर दिया है, तो ये लोग इसका विरोध करने पर उतर आए हैं। दुष्प्रचार किया जा रहा है कि सरकार के द्वारा किसानों को एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) का लाभ नहीं दिया जाएगा। ये भी मनगढ़ंत बातें कही जा रही हैं कि किसानों से धान-गेहूं इत्यादि की खरीद सरकार द्वारा नहीं की जाएगी। ए सरासर झूठ है, गलत है, किसानों को धोखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र की सरकार किसानों को एमएसपी के माध्यम से उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद भी पहले की तरह जारी रहेगी, कोई भी व्यक्ति अपना उत्पाद दुनिया में कहीं भी बेच सकता है। जहां चाहे वहां बेच सकता है।

मोदी ने कहा कि किसानों के लिए जितना राजग शासन में पिछले छह वर्षों में किया गया है, उतना पहले कभी नहीं किया गया। उन्होंने कहा, मैं आज देश के किसानों को बड़ी नम्रता पूर्वक अपनी बात बताना चाहता हूं। संदेश देना चाहता हूं। आप किसी भी तरह के भ्रम में मत पड़िए। इन लोगों से देश के किसानों को सतर्क रहना बहुत जरूरी है ऐसे लोगों से सावधान रहें, जिन्होंने दशकों तक देश पर राज किया और जो आज किसानों से झूठ बोल रहे हैं। वे लोग आज किसानों की रक्षा का ढिंढोरा पीट रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों का विरोध करने वाले किसानों को अनेक बंधनों में जकड़ कर रखना चाहते हैं। वे लोग बिचौलियों का साथ दे रहे हैं...किसानों की कमाई को बीच में लूटने वालों का साथ दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों को अपनी उपज कहीं पर भी किसी को भी बेचने की आजादी देना बहुत ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा, 21वीं सदी में भारत का किसान बंधनों में नहीं रहेगा। भारत का किसान खुलकर खेती करेगा। जहां मन होगा, अपनी उपज बेचेगा। जहां ज्यादा पैसा मिलेगा, वहां बेचेगा। किसी बिचौलिए का मोहताज नहीं रहेगा। यह देश की जरूरत है और समय की मांग भी है। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक, कृषक (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक पारित कर दिया था। आवश्यक वस्तु विधेयक पहले ही पारित हो चुका है।

मोदी ने कोसी रेल महासेतु राष्ट्र को किया समर्पित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ऐतिहासिक कोसी रेल महासेतु को राष्ट्र को समर्पित किया और इस अवसर पर बिहार के रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 12 रेल परियोजनाओं का शुभारंभ भी किया। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद से मोदी को बिहार की विशेष चिंता रही है और यहां के चौमुखी विकास के लिए उन्होंने भागीरथ कार्य किए हैं। उन्होंने कहा, आज का दिन बिहार के स्वर्णिम इतिहास में महत्वपूर्ण अध्याय साबित होने वाला है। 1934 के भूकंप ने बिहार के कोसी क्षेत्र को मिथिलांचल से अलग कर दिया, जिस बिहार को भूकंप ने बांट दिया, उसी को प्रधानमंत्री मोदी के अथक प्रयासों से फिर जोड़ा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता के गलियारे से परिक्रमा संस्कृति खत्म की : नकवी

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता के गलियारे से परिक्रमा संस्कृति को खत्म कर परिश्रम और परिणाम को प्रमाणिक बनाया है।

उन्होंने परिश्रम और परिणाम के संकल्प ने खत्म की परिक्रमा संस्कृति शीर्षक वाले ब्लॉग में नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से पिछले छह वर्षों में किए गए कार्यों का विस्तृत उल्लेख किया। नकवी ने कहा, सत्ता और सियासत के गलियारे में दशकों से परिक्रमा को ही पराक्रम समझने वाले आज परिश्रम और परिणाम की कार्य संस्कृति के चलते हाशिए पर चले गए हैं। मोदी ने सत्ता के गलियारे से परिक्रमा संस्कृति को खत्म कर परिश्रम और परिणाम को प्रमाणिक बनाया है। मंत्री ने कहा, सामंती गुरुर वाली लाल बत्ती इतिहास का हिस्सा बन गई। सांसदों को सब्सिडी जन्मसिद्ध अधिकार लगती थी, जो एक झटके में खत्म हुई। मंत्री-सांसद ना रहने के बावजूद कुछ लोगों को सरकारी बंगलों पर कब्जा रखना संवैधानिक अधिकार लगता था, उसे खत्म किया गया।

नकवी के अनुसार, पहले मंत्रालयों का मार्च से पहले बजट को ऊल-जुलूल तरीके से ź393ीत्म करना सरकार की प्राथमिकता थी जिसके चलते उपयुक्त खर्च का प्रयास नहीं होता था, यह काम चलाऊ दकियानूसी व्यवस्था खत्म हुई। उन्होंने कहा, सरकारें बदलती थीं, मंत्री बदलते थे पर वर्षों से मंत्रियों के निजी स्टाफ वही रहते थे, जिसका नतीजा होता था कि सत्ता के गलियारे में घूमने वाले बिचौलिए उस निजी स्टाफ के जरिए बरकरार रहते थे। 10 वर्षों से जमे निजी स्टाफ को मंत्रालय में रखने पर रोक लगाकर प्रधानमंत्री ने पेशेवर बिचौलियों के पर काट दिए।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों के साथ-साथ अधिकारियों से संवाद संस्कृति शुरू की, जिसके चलते नौकरशाही की जवाबदेही-जिम्मेदारी बढ़ी है। पदम पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मान पहले केवल सियासी सिफारिशों के जरिए दिए जाते थे। उन्होंने कहा, यह सब बातें हो सकता है छोटी हों, पर परिक्रमा के पराक्रम की जगह परिश्रम एवं परिणाम की कार्य संस्कृति को पैदा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई हैं। नकवी के अनुसार, कोरोना संकट के समय प्रधानमंत्री की संवेदनशीलता, सक्रियता एवं इस संकट से देश को निजात दिलाने में अग्रिम भूमिका ने देश के लोगों में भरोसा बढ़ाया।

सरकार कोरोना योद्धाओं का इतना अपमान क्यों कर रही : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना वायरस से संक्रमित और जान गंवाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों का आंकड़ा सरकार के पास उपलब्ध नहीं होने सबंधी खबर को लेकर शुक्रवार को सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि कोरोना योद्धाओं का इतना अपमान क्यों किया जा रहा है? उन्होंने एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, प्रतिकूल डाटा-मुक्त मोदी सरकारउ थाली बजाने, दिया जलाने से ज्यादा जरूरी हैं उनकी सुरक्षा और सम्मान। मोदी सरकार, कोरोना योद्धाओं का इतना अपमान क्यों?

कर्ज से परेशान किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

हमीरपुर (उप्र)। हमीरपुर जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के अमिरता डेरा गांव में कथित रूप से कर्ज में डूबे एक किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

अपर जिलाधिकारी (एडीएम) विनय प्रकाश श्रीवास्तव ने शुक्रवार को बताया, सदर कोतवाली क्षेत्र के अमिरता डेरा गांव में बृहस्पतिवार को किसान महेंद्र वर्मा (46) के अपनी जमीन पर बने ट्यूबवेल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली थी। जिसके बारे में राजस्व अधिकारियों को भेजकर जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसान के छोटे भाई इंद्रेश वर्मा ने पुलिस को बताया, बड़े भाई महेंद्र के हिस्से में छह बीघा कृषि भूमि है और उसके चार बेटी और एक बेटा है। उसने एक बैंक से किसान क्रेडिट कार्ड से 42 हजार और यूनियन बैंक से 80 हजार रुपये। कर्ज लिया था, जो अब बढ़कर बहुत ज्यादा हो गया है।

होमगार्ड को ट्रैक्टर से कुचलने के मामले में चार लोग हिरासत में

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बजरी खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने गए खनन विभाग के दल में शामिल होमगार्ड को ट्रैक्टर से कुचलने के मामले में पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि घटना मुंडावार थाना क्षेत्र के गढ़ हिम्मत सिंह गांव की है, जहां बृहस्पतिवार को शिकायत के आधार पर खनन विभाग का एक दल खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई के लिए पहुंचा था। उन्होंने बताया कि बजरी माफिया ने होमगार्ड भवानी सिंह को ट्रैक्टर से कुचल दिया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल गार्ड को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मुंडावर थानाधिकारी लाल सिंह ने बताया कि अवैध बजरी खनन गिरोह में शामिल चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने राज्य सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। बेनीवाल ने ट्वीट किया, हालात को देखते हुए लग रहा है कि सरकार अवैध बजरी खनन और खनन माफियाओं के आगे घुटने टेक चुकी है। बजरी माफियाओं द्वारा सरकारी मुलाजिमों पर गाड़ी चढ़ाने, उन पर हमला करने व हत्या कर देने जैसे प्रकरणों के बावजूद सरकार की खामोशी जनता के सवालिया निशानों पर है।

सरकार स्कूली बच्चों को निशुल्क स्मार्टफोन मुहैया कराने चाहिए

कोलकाता। कोविड-19 महामारी में कोई भी बच्चा पढ़ाई में पीछे ना रह जाए यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार को बच्चों को पाठ्यपुस्तकें, मुफ्त स्मार्टफोन या टैबलेट वितरित करने चाहिए। एक गैर सरकारी संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में यह मांग की गई है। बाल अधिकार के लिए काम करने वाले संगठन सीआरवाई ने इस रिपोर्ट में कहा है कि राज्य सरकारों को बच्चों को मुफ्त इंटरनेट डेटा पैकेज देना

चाहिए या डेटा की लागत की प्रतिपूर्ति करनी चाहिए। साथ ही सभी घरों में बिजली की नियमित आपूर्ति सहित डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पर्याप्त निवेश की आवश्यकता है। मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि समावेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करने के लिए एक निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी योजना बनाने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट में उन सभी बच्चों के लिए चिंता व्यक्त की गई जो कोविड-19 महामारी के कारण स्कूलों से दूर हो गए और शायद कभी वापस उन स्कूलों में नहीं लौट पाएंगे। सीआरवाई रिपोर्ट के अनुसार महामारी के कारण स्कूल में मिलने वाली भोजन सुविधाओं के बाधित होने से बड़ी संख्या में 6-17 साल के बच्चों को मिल रहा पोषण रुक गया है। रिपोर्ट में कहा गया, देश भर में स्कूल बंद होने के कारण मिड-डे मील के तहत नामांकित उन 11.59 करोड़ बच्चों को अब मुफ्त में दोपहर का भोजन नहीं मिल पा रहा।

संभल में दो वाहनों की टक्कर में तीन की मौत , तीन घायल

संभल (उप्र)। संभल जिले के बनियाठेर थाने के अन्तर्गत शुक्रवार सुबह सड़क पर खड़े एक वाहन से एक अन्य वाहन के टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। चंदौसी के पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि बनियाठेर थाने के अन्तर्गत रसूलपुर केली गांव के पास अलीगढ़ मुरादाबाद राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह बोरिंग करने वाली एक गाड़ी खड़ी थी तभी पानीपत से आ रही एक वैन उसमें भिड़ गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में वैन में सवार धनीराम , धीरेन्द्र और वैन चालक प्रवीण कुमार की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए जिन्हे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

न्यायालय ने पूछा, क्या जकात फाउंडेशन सुदर्शन टीवी मामले में हस्तक्षेप करना चाहता है

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को गैर सरकारी संगठन जकात फाउंडेशन से पूछा कि क्या वह सुदर्शन टीवी मामले में हस्तक्षेप करना चाहता है, क्योंकि इसमें उसकी भारतीय शाखा पर विदेश से आतंकवाद से जुड़े संगठनों से वित्तीय मदद मिलने का आरोप लगाया है।

बता दें कि जकात फाउंडेशन प्रशासनिक सेवा में शामिल होने के इच्छुक मुस्लिम उम्मीदवारों को प्रशिक्षण मुहैया कराता है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड, न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की पीठ के समक्ष जकात फाउंडेशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगडे ने कहा कि सुदर्शन टीवी द्वारा दाखिल हलफनामे में उनके

गौरतलब है कि शीर्ष अदालत सुदर्शन चैनल के कार्यक्रम बिंदास बोल के खिलाफ शिकायत पर सुनवाई कर रही है

मुवक्किल पर विदेश से चंदा लेने का आरोप लगाया गया है। हेगड़े ने कहा कि उनका मुवक्किल एक धर्मार्थ संगठन है जो गैर मुस्लिमों की भी मदद कर रहा है और इस तरह की समाज सेवा सरकारी स्तर पर भी नहीं जानी जाती।

पीठ ने हेगड़े से कहा कि टीवी चैनल की ओर से विदेश से मिले चंदे

के संबंध में विदेशी चंदा नियमन कानून (एफसीआरए) के दस्तावेज जमा किए गए हैं और यह उसके मुवक्किल पर निर्भर है कि वह मामले में हस्तक्षेप करना चाहता है या नहीं। हेगड़े ने कहा कि जकात फांडेशन कोई आवसीय कार्यक्रम संचालित नहीं करता है और केवल आईएसएस कोचिंग के लिए शुल्क का भुगतान करता है। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत सुदर्शन चैनल के कार्यक्रम बिंदास बोल के खिलाफ शिकायत पर सुनवाई कर रही है।

कार्यक्रम के प्रोमो में दावा किया गया है कि वह प्रशासनिक सेवा में मुस्लिमों की घुसपैठ की साजिश का बड़ा खुलासा करेगा। वहीं, प्रधान संपादक के जरिए दाखिल हलफनामे में सुदर्शन टीवी ने कहा, जवाब देने वाले प्रतिवादी (सुरेश चव्हाणके) ने यूपीएससी जिहाद शब्द का इस्तेमाल किया है क्योंकि विभिन्न स्रोतों से जानकारी मिली कि जकात फांउडेशन को आतंकवाद से संबंध रखने वाले विभिन्न संगठनों से धन मिला। चैनल ने अपने जवाब में कहा, ऐसा नहीं है कि जकात फांउडेशन को मिले सभी चंदों का संबंध आतंकवाद से है। हालांकि, कुछ चंदा ऐसे संगठनों से मिला है या ऐसे संगठनों से प्राप्त हुआ है जो चरमपंथी समूहों का वित्तपोषण करते हैं। जकात फाउंडेशन को मिले धन का इस्तेमाल आईएएस, आईपीएस या यूपीएससी आकांक्षियों की मदद के लिए किया जाता है।

चैनल ने अपने हलफनामे में आगे कहा कि विभिन्न स्रोतों से प्रकाश में आया कि बदनाम संगठनों द्वारा मिले चंदे का इस्तेमाल यूपीएससी में शामिल होने के इच्छुक लोगों की मदद में किया जा रहा है, यह गंभीर मामला है और इसपर सार्वजनिक बहस, चर्चा और समीक्षा किए जाने की जरूरत है। अपने 91 पन्नों के हलफनामे में चव्हाणके ने कहा, अबतक प्रसारित चार एपिसोड में कहीं कोई बयान या संदेश नहीं था कि एक समुदाय विशेष के लोगों को यूपीएससी में शामिल नहीं होना चाहिए। यूपीएससी खुली प्रतियोगी परीक्षा है और प्रत्एक समुदाय प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकता है और इसे उत्तीर्ण कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

सुशांत मामला : एनसीबी ने चार लोगों को हिरासत में लिया

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थ के क मामले की जांच कर रहे स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने शुक्रवार को चार लोगों को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए चार लोगों में से एक के यहां स्थित आवास पर छापेमारी करने पर एनसीबी ने 928 ग्राम चरस और नकदी बरामद की। तीन अन्य संदिग्धों को अलग से हिरासत में लिया गया और उनके पास से करीब 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया। अधिकारी ने बताया कि एनसीबी की मुंबई इकाई के दल ने अंकुश अरेंजा से ड्रग तस्करों के बारे में मिली खुफिया जानकारी के आधार पर एक संदिग्ध को वर्सोवा से हिरासत में लिया। 29 वर्षीय अरेंजा से पूछताछ के दौरान इस संदिग्ध का नाम सामने आया था। छापेमारी में दल को 928 ग्राम चरस और 4,36,000 रुपये नकद बरामद हुए। एनसीबी ने तीन अन्य संदिग्धों को भी पकड़ा जिनके पास से कुल 490 ग्राम गांजा बरामद हुआ। अरेंजा एनसीबी द्वारा पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक है। हिरासत में लिए गए सभी संदिग्धों से पूछताछ चल रही है। इस मामले में एनसीबी रिया चक्रवर्ती और उसके भाई शौविक समेत 12 से अधिक लोगों को हिरासत में ले चुकी है।

कर्मचारियों, पत्रकारों की रोजाना एंटीजन जांच अनिवार्य

नई दिल्ली। सांसदों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के नए मामलों के आने के बाद अब नए प्रोटोकॉल के मुताबिक, संसद परिसर में प्रवेश करने वाले वहां के सभी कर्मचारियों और पत्रकारों की रोजाना एंटीजन जांच अनिवार्य कर दी गई है।संसद के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों सदनों के सदस्य एक निश्चित अंतराल के बाद आरटी-पीसीआर जांच करवा रहे हैं। सांसद चाहे जितनी बार, आरटी-पीसीआर जांच करा सकते हैं। संसद की कार्यवाही का प्रेस दीर्घा से कवरेज करने वाले पत्रकारों के पास भी आरटी-पीसीआर जांच कराने के विकल्प खुले हैं। यह जांच 72 घंटे के लिए मान्य है। चूंकि आरटी-पीसीआर जांच की रिपोर्ट आने में देरी लगती है, इसलिए एंटीजन जांच रोज किया जाना अनिवार्य कर दिया गया हैं। अपने संबंधित मंत्रियों के साथ संसद पहुंचने वाले अधिकारियों को भी 72 घंटे के भीतर हुई आरटी-पीसीआर जांच की अपनी रिपोर्ट दिखानी होगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी और प्रह्लाद पटेल कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। दोनों ने संसद के चालू सत्र में हिस्सा लिया है। 14 सितंबर को संसद की शुरुआत से पहले हुई जांच में भी कई सांसद कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। उन्हें संसद की कार्यवाही से दूर रहने की सलाह दी गई है।

पीएम को बेंगलुरु टेक समिट के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में मुलाकात की और राज्य के विकास से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने मोदी को बेंगलुरु टेक समिट का ऑनलाइन उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित भी किया। राज्य के सूचना विभाग की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि संसद भवन में मोदी और एदियुरप्पा के बीच करीब 15 मिनट की मुलाकात हुई। इसमें बताया गया कि मुलाकात के दौरान एदियुरप्पा ने मोदी को बेंगलुरु टेक समिट का 19 नवंबर को ऑनलाइन उद्घाटन करने का आमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री से मुलाकात से पहले मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह राज्य के विकास और मंत्रिमंडल विस्तार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि शाम के वक्त वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात करेंगे।

बच्चों के लिए उपकरण और इंटरनेट मुहैया कराएं स्कूल

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायायल ने शुक्रवार को निजी एवं सरकारी स्कूलों को निर्देश दिया कि वे गरीब बच्चों को ऑनलाइन कक्षाओं के लिए उपकरण और इंटरनेट पैकेज मुहैया कराएं।अदालत ने कहा कि ऐसी सुविधाओं की कमी बच्चों को मूलभूत शिक्षा प्राप्त करने से रोकती है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति संजीव नरुला की पीठ ने कहा कि गैर वित्तपोषित निजी स्कूल, शिक्षा के अधिकार कानून-2009 के तहत उपकरण और इंटरनेट पैकेज खरीदने पर आई तर्कसंगत लागत की प्रतिपूर्ति राज्य से प्राप्त करने के योग्य हैं, भले ही राज्य यह सुविधा उसके छात्रों को मुहैया नहीं कराती है। पीठ ने गरीब और वंचित विद्यार्थियों की पहचान करने और उपकरणों की आपूर्ति करने की सुचारु प्रक्रिया के लिए तीन सदस्ईय समिति गठित करने का निर्देश दिया। समिति में केंद्र के शिक्षा सचिव या उनके प्रतिनिधि, दिल्ली सरकार के शिक्षा सचिव या प्रतिनिधि और निजी स्कूलों का प्रतिनिधि शामिल होगा। अदालत ने यह भी कहा कि समिति गरीब और वंचित विद्यार्थियों को दिए जाने वाले उपकरण और इंटरनेट पैकेज के मानक की पहचान करने के लिए मानक परिचालन प्रकिया (एचओपी) भी बनाएगी। पीठ ने कहा कि इससे सभी गरीब और वंचित विद्यार्थियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण और इंटरनेट पैकेज में एकरूपता सुनिश्चित हो सकेगी। यह फैसला अदालत ने गैर सरकारी संगठन जस्टिस फॉर ऑल की जनहित याचिका पर सुनाया। संगठन ने अधिवक्ता खगेश झा के जरिए दाखिल याचिका में केंद्र और दिल्ली सरकार को गरीब बच्चों को मोबाइल फोन, लैपटॉप या टैबलेट मुहैया कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया था ताकि वे भी कोविड-19 लॉकडॉउन की वजह से चल रही ऑनलाइन कक्षाओं का लाभ ले सके।

भत्ते में कटौती संबंधी विधेयकों को मंजूरी दी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने मंत्रियों के वेतन एवं भत्तों से संबंधित संशोधन विधेयक और सांसदों के वेतन, भत्ते में एक वर्ष के लिए 30 प्रतिशत की कटौती करने के प्रावधान वाले विधेयकों को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। इस धनराशि का उपयोग कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति से मुकाबले के लिए किया जाएगा। उच्च सदन में संक्षिप्त चर्चा के बाद मंत्रियों के वेतन एवं भत्तों से संबंधित संशोधन विधेयक 2020 और संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन संशोधन विधेयक 2020 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। यह विधेयक इससे संबंधित अध्यादेश के स्थान पर लाया गया है। इसके माध्यम से सांसदों के वेतन में 30 प्रतिशत की कटौती के लिए संसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 और मंत्रियों के सत्कार भत्ते में कटौती के लिए मंत्रियों का वेतन और भत्ते अधिनियम, 1952 में संशोधन किया गया है। संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कोविड-19 के कारण उत्पन्न अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह कदम उनमें से एक है। उन्होंने कहा कि परोपकार की शुरूआत घर से होती है, ऐसे में संसद के सदस्य यह योगदान दे रहे हैं और यह छोटी या बड़ी राशि का सवाल नहीं है बल्कि भावना का है। कुछ सदस्यों द्वारा नोटबंदी, जीएसटी जैसे मुद्दे उठाने का जिक्र करते हुए जोशी ने कहा कि 2019 के चुनाव में इसके बारे में कई दलों एवं लोगों ने मिथ्यारोप किया था और कुछ लोग उच्चतम न्यायालय भी गए थे। लेकिन देश की जनता ने हमें जबर्दस्त जनादेश दिया।

तीन नकाबपोश लुटेरे बैंक से 1.5 करोड़ लूटकर फरार

जयपुर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के संगरिया कस्बे में तीन हथियारबंद लुटेरों ने एक निजी बैंक के कर्मचारियों को बंधक बनाकर बैंक से 1.5 करोड़ रुपये की नगदी लूट ली और फरार हो गए। पुलिस ने लुटेरों को पकड़ने के लिए पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा की ओर जाने वाले रास्तों में नाकाबंदी की है और सबूत जुटाने के लिए बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। पुलिस उपाधीक्षक दिनेश राजोरा ने शुक्रवार को कहा, हम मामले की जांच कर रहे हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान शुरू किया गया है। सबूत जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि हनुमानगढ़ के संगरिया कस्बे की नई धान मंडी में एक्सिस बैंक की शाखा में बृहस्पतिवार को घटना उस समय हुई जब बैंक को बंद किया जा रहा था। उसी दौरान तीन नकाबपोश हथियाबंद लुटेरे चाकू लेकर बैंक में घुसे और उन्होंने कर्मचारियों को बंधक बनाकर नगदी लूट ली। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने बैंक कर्मचारियों को करेंसी चेस्ट रूम में बंद कर दिया और कार से फरार हो गए। मामले की जांच की जा रही है।

भिन्न दृष्टिकोण रखने वाले हमारे आइकन्स की कहानी कहता एक शो- 'मेगा आइकन्स 2'

नेशनल जियोग्राफिक चैनल पर आने वाले शो 'मेगा आइकन' के सीज़न 2 में आपको दीपिका पादुकोण, रतन टाटा जैसे लोकप्रिय लोगों की जीवन यात्रा के बारे में एक झलकी दिखाने का प्रयास किया गया है। इसमें जीवन में उनके द्वारा चयनित विकल्पों के पीछे की अवधारणा के बारे में जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

क्या आपने कभी सोचा है कि लाखों लोगों में से कुछ ही शिखर व्यक्तित्व क्यों बन पाते हैं? क्या जीवन के प्रति उनकी अवधारणा बिलकुल अलग थी या फिर उनके चयनित विकल्पों के कारण वे ऐसी यात्रा पर निकल पड़े जिसमें वे दुनिया भर में लोकप्रिय हुए? ये सही है कि किसी भी निर्णय को लेने से आपके मन तथा शरीर दबाव पड़ता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जिनमें हर बात को लेकर एक अलग दृष्टिकोण से देखने की शक्ति होती है। वे इन्हीं शक्तियों के बल-बूते महानता की ऊंचाइयों तक जा पहुंचते हैं और फिर वे हमारे सम्माननीय बन जाते हैं।

इन व्यक्तित्वों के बारे में ऐसे ही सत्य का पता लगाने तथा इसके पहले सीज़न से आगे जाते हुए, जिसमें विराट कोहली, एपीजे अब्दुल कलाम सहित अन्य लोगों के बारे में बताया गया था, नेशनल जियोग्राफिक चैनल अब नए मेगा आइकन के साथ वापसी कर रहा है। इस सीरीज़ में हम भारत के 'मैन ऑफ स्टील-रतन टाटा, विश्व प्रसिद्ध अभिनेत्री तथा फैषन

आइकन-दीपिका पादुकोण, बॉलिवुड गायक, संगीतकार तथा संगीत निर्माता-ए आर रहमान तथा आकाश से आगे जाने वाली पहली भारतीय महिला कल्पना चावला-जैसा कि उनके माता-पिता ने बताया, के जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों, जिनके कारण आज वे इतने सफल तथा चर्चित माने जाते हैं, को भी रेखांकित करने का प्रयास होगा।'

इस शो में जीवन के विविध क्षेत्रों में विश्व प्रसिद्ध व्यक्तित्वों को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही सीजन 2 इससे पूर्व के संस्करण से बड़ा और अद्भुत रहने वाला है। इस सीरीज़ के माध्यम से इन व्यक्तित्वों की दर्शकों के और निकट लाने का प्रयास किया जाएगा। इसमें उनसे तथा उनके प्रियजनों के अंतरंग साक्षात्कार के साथ ही और रोचक जानकारी जुटाई जाएगी। हमें इस सीरीज़ के माध्यम से सिनेमाई पुनर्रचना के द्वारा जानने का प्रयास किया जाएगा कि उनकी सफलता के पीछे उनका पालन-पोषण, अनुभव और परिश्रम या फिर जीवन के प्रति उनके द्वारा अपनाया गया दृष्टिकोण ही वो कारक था जिसके कारण वे औरों से इतने आगे निकल सके। इस सीरीज़ में दिखाए जाने वाले आइकन्स को जनता के बीच फिल्म, संगीत, विज्ञान या उद्यम के क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता को उनके चयन का आधार बनाया गया है।

इस सीज़न के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए स्टार एंड डिज़्नी इंडिया की इनफोटेन्मेंट एंड किड्स, की प्रमुख अनुराधा अग्रवाल ने बताया, 'इस बार हम नए प्रेरक आइकन्स को लेकर सीज़न 2 का प्रारंभ कर रहे हैं। शो के माध्यम से हम इन व्यक्तित्वों के बारे में लोगों की जिज्ञासा को शांत करने का ही प्रयास करने वाले हैं जो जानना चाहते हैं कि जीवन में विकल्पों के चयन से उसकी गुणवत्ता या सफलता पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसमें इन आइकन्स की जीवन यात्रा के विविध पहलुओं का खंगालते हुए जानने का प्रयास किया जाएगा कि किस कारण से वो आज यहां तक पहुंचने में सफल हुए हैं?' सीरीज़ के बारे में टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन रतन टाटा ने बताया, 'मैं हमेषा से प्रकृति, विज्ञान, संस्कृति तथा इतिहास के बारे में इस प्लेटफॉर्म द्वारा प्रदत्त प्रामाणिक जानकारी का कायल रहा हूं।'

उनकी कहानी से हो सकता है कि किसी को प्रेरणा मिल जाए, कहते हुए एआर रहमान ने कहा, 'रतनजी, दीपिका तथा स्वर्गीय कल्पना के साथ इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर मैं अत्यंत प्रसन्न हूं।'

दीपिका का कहना है कि ये प्लेटफॉर्म विष्वसनीयता का प्रतीक है, 'इस सीरीज़ का हिस्सा बनकर मैं अत्यंत विनम्रता का अनुभव कर रही हूं और अपने जीवन की कुछ बातें लोगों के बीच रखकर मैं उपकृत अनुभव करूंगीं।'

(ये सीरीज़ नेषनल जियोग्राफिक्क चैनल पर 20 सितंबर से हर रविवार सायं 7 बजे प्रसारित की जाएगी आप इसे डिज्नी

घरेलू, यौन हिंसा पर राष्ट्रमंडल में रखे शबाना ने अपने विचार

राष्ट्रमंडलीय सचिवालय ने कोविड-19 महामारी के दौरान घरेलू तथा यौन हिंसा के बढ़ते प्रकरणों को देखते हुए एक अभियान चलाया है।

अभिनेत्री शबाना आज़मी जो इस अभियान का समर्थन कर रही हैं का कहना है, 'इस महामारी के दौरान महिलाओं के विरुद्ध हिंसा स्वयं ही एक महामारी है जो परिवारों, समुदायों, तथा अर्थव्यवस्थाओं को नष्ट कर देती है। इस दिषा में हमारे समाज ने कभी पर्याप्त प्रयास नहीं किये। लोगों ने इसे निजी घटना बताया और पल्ला झाड़ लिया। ये भी कहा जाता रहा है कि महिला ने कुछ तो ऐसा किया होगा जो उसके साथ ऐसा हुआ। मेरा नाम शबाना आज़मी है। मैं भारत की एक सिनेमा और थियेटर अभिनेत्री हूं। मेरा कहना है कि अब और नहीं! अब किसी पर आरोप लगाना बंद करना चाहिये। अब किसी बहाने की संभावना समाप्त हो चुकी है। मेरे साथ आज आप भी संकल्प लीजिये कि 'राष्ट्रमंडल कहता है कि अब और नहीं!

दर्शकों की प्रतिक्रिया से कविता सेठ हुईं भावुक

अभिनेत्री कविता सेठ का कहना है कि 'मुझे आज भी स्मरण है कि फिल्म 'वेकअप सिड' का ये पहला दिन था। मैं एक थियेटर में इसे देखने गई थी और फिल्म देखते हुए दर्षकों की प्रतिक्रिया देखकर सुखद आष्चर्य हुआ। लोग तो इसका गाना 'इकतारा लगभग गा ही रहे थे। मैं ये देखकर भावुक हो गई और मेरी आंखों से आंसू ढुलकने लगे। मुझे अनुमान भी नहीं था कि इकतारा गाना इतना हिट हो जाएगा।'

अभिनेता सूर्या की टिप्पणी को लेकर अवमानना कार्यवाही से इनकार

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) के आलोक में न्यायपालिका के खिलाफ अभिनेता सूर्या की टिप्पणी को लेकर उन पर आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश ए पी साही और न्यायमूर्ति जे सेंथिलकुमार राममूर्ति की पीठ ने महाधिवक्ता विजय नारायण के विचारों से सहमति जताते हुए अभिनेता के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की अनुमति देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, इसलिए, यह विषय हमारे न्यायिक विवेक से आगे बढ़ाए जाने योग्य नहीं है और हम महाधिवक्ता द्वारा प्रकट किए गए विचार से सहमत हैं।

एलेन डी जेनेरेस देंगी आरोपों पर स्पष्टीकरण

कॉमेडियन तथा होस्ट एलेन डी जेनेरेस जल्दी ही अपने चैट शो के नए संस्करण के साथ वापसी करने की तैयारी कर रही हैं, इसके साथ ही वो उन पर लगे विषैले कार्यस्थल संबंधी आरोपों का भी उत्तर देंगी। नस्लीय असंवेदनशीलता तथा यौन दुर्व्यवहार के भीतरी आरोपों के बीच अपने तीन निर्माताओं को निकालने के बाद अब उनका शो 'द एलेने डिजेनेरेस शो' का 18वां संस्करण इसी 21 सितंबर को प्रीमियर होगा।'

आरोपों के संदर्भ में डिजेनेरेस ने कहा, 'मैं काम पर वापसी करते हुए अपने स्टूडियो जाने के लिए व्यग्र हूं और हां हम वहां इसके बारे में भी बात करने वाले हैं।'

स्टूडियो में उनके साथ टिफैनी हैडिस भी नए शो को प्रारंभ करने में मदद करेंगी।

रजनीकांत ने कोरोना संक्रमित प्रशंसक को ऑडियो संदेश भेजकर उसके स्वस्थ होने की कामना की

भाषा। चेन्नई

जाने माने अभिनेता रजनीकांत ने कोविड-19 और किडनी संबंधी एक अन्य बीमारी से संक्रमित अपने एक प्रशंसक को बृहस्पतिवार को ऑडियो संदेश भेजकर उसके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। रजनीकांत ने संदेश में कहा, मुरली। मैं रजनीकांत बोल रहा हूं। आपको कुछ नहीं होगा। बहादुर बनिए। मैं ईश्वर से प्रार्थना कर रहा हूं। उन्होंने कहा, आप जल्द स्वस्थ होंगे और घर लौटेंगे। आप स्वस्थ होने के बाद अपने परिवार के साथ मुझसे मिलने आइए। हौसला रखिए। मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा। ईश्वर आपको लंबी आयु दे। दरअसल, रजनीकांत के इस प्रशंसक ने एक सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर संदेश पोस्ट किया था, जिसमें उसने अपने स्वस्थ होने को लेकर संदेह जताया था और आशंका जताई थी कि वह एक राजनीतिक दल की शुरुआत करने के लिए आयोजित समारोह में अभिनेता के लिए काम नहीं कर पाएंगे। उसने रजनीतकांत से 2021 विधानसभा चुनाव जीतकर तमिलनाडु का नेतृत्व करने की अपील की थी। अभिनेता का संदेश सुनने के बाद मुरली ने रजनीकांत को धन्यवाद दिया। उसने ट्वीट करने दावा किया कि हालिया जांच रिपोर्ट में वह कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाया गया है। प्रशंसक ने भरोसा जताया कि वह किडनी संबंधी बीमारी से भी उबरने के बाद स्वस्थ हो जाएगा।

तीन भारतीयों ने महिला फिल्म निर्माताओं की मुश्किलों पर की विस्तार से चर्चा

टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सहयोग से किया गया वीमेन इन इंडियन सिनेमा विषयक टीआईएफएफ स्पॉटलाइट का आयोजन

भाषा। नई दिल्ली

तीन भारतीय महिला निर्देशकों ने 45वें टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) में एक उद्योग स मेलन पैनल में पुरुष-प्रधान फिल्म उद्योग में पितृसत्ता की बेड़ियों को तोड़ने के संघर्ष पर प्रकाश डाला। फिल्म समीक्षक एवं पत्रकार नमन रामचंद्रन द्वारा संचालित वीमेन इन इंडियन सिनेमा विषयक टीआईएफएफ स्पॉटलाइट का आयोजन टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सहयोग से किया गया। पैनल में शामिल फिल्मकारों - लीना यादव (पार्च्डै, राजमा चावल), अश्विनी अय्यर तिवारी (निल बट्टे सन्नाटा, बरेली की बर्फी, पंगा) और अभिनेता से निर्देशक बनी तनिष्ठा चटर्जी- ने चुनौतियों के साथ ही बदलती दुनिया में अवसरों पर अपने विचार रखे। टोरंटो में भारतीय महावाणिज्यदूत अपूर्व श्रीवास्तव ने कहा, हम दो कारणों से इस पहल के साथ साझेदारी करने के लिए सहमत हुए। पहला यह कि महिला निर्देशक एक नए परिप्रेक्ष्य को लाती हैं और दूसरा यह फिल्म उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य के अनुरूप है, कैमरे के पीछे और सामने, दोनों ही। चटर्जी ने कहा कि रोम रोम में की शूटिंग के दौरान उनकी टीम की

अधिकतर सदस्य महिलाएं थीं जिसमें फोटोग्राफी निर्देशक भी शामिल थीं। इसलिए इसकी शूटिंग के दौरान लैंगिक कोई मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा कि फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के बारे में हैं जिसकी बहन लापता हो जाती है। पुरुष नायक को अपने तलाश अभियान के दौरान अपने स्वयं के गहरे लैंगिक पूर्वाग्रहों का अहसास होता है। उन्होंने कहा, मैं महिलाओं के बारे में एक फिल्म बनाना चाहती थी लेकिन साथ ही पुरुषों में कुछ चीजों को झंकझोरना चाहती थी। यादव ने कहा कि मुंबई में फिल्म के सेट पर कुछ लोग महिलाओं को लेकर ऐसी टिप्पणी करते हैं जिसके बारे में वे नहीं जानते कि वास्तव में उसका अर्थ है क्या। उन्होंने कहा कि मुंबई उद्योग में आज काफी प्रतिस्पर्धा है कि यदि आप अपने काम में अच्छे हैं तो इसका निर्णय बिना किसी लैंगिग भेदभाव के होता है कि किसे काम दिया जाएगा और किसे नहीं। अय्यर, तिवारी ने आगरा में पांच वर्ष पहले निल बट्टे सन्नाटा की शूटिंग के अनुभव साझा करते हुए कहा, स्थानीय प्रोडक्शन के लोगों को महिलाओं से आदेश लेने की आदत पड़ने में थोड़ा समय लगा। यह थोड़ा मुश्किल था लेकिन उन्होंने अंत में इसे स्वीकार कर लिया। यादव ने कहा कि जब वह अपनी फिल्म पार्च्ड की शूटिंग के स्थानों की तलाश में थीं तो उन्हें थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, जिन गांवों में मैं गई वहां मुझे अनुमति देने से इनकार कर दिया गया क्योंकि मैं एक महिला थी। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी महिलाएं मेरी वजह से बिगड़ जाएंगी।

झलक

द लास्ट वर्ड

मृत्यु, दुख तथा प्यार के अस्तित्व संबंधी परिदृष्य को समझने के क्रम में अचानक ही एक महिला की जीवन के प्रति प्यास जागृत हो जाती है। इसमें अभिनय किया है एंक एंजेल्का, थॉर्सटन मेर्टेन तथा नीना गुमिच ने। इसे 17 सितबर से नेटफ्लिक्स पर प्रसारित।

रैचेड

एक मानसिक संस्थान में एक युवा नर्स अपने रोगियों की सेवा करने के क्रम में अचानक ही मानव से परिवर्तित होकर भयानक दैत्यनी बन जाती है। इस मनोविज्ञान से संबंधित कहानी को नेटफ्लिक्स पर 18 सितंबर से देखा जा सकता है।

लव सॉन्ग फॉर लताशा

1992 का लॉस एंजेल्स विद्रोह वास्तव में लताषा हार्लिन्स की हत्या के कारण उपजा था। इस वृत्तचित्र में उस 15 वर्षीय युवा के जीवन और सपनों के बारे में बताने का प्रयास किया गया है। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर 21 सितंबर से देखी जा सकेगी।

जूना अखाड़ा की छड़ी चारधाम देवस्थलों के लिए हुई रवाना

हरिद्वार (उत्तराखंड)। उत्तराखंड के मु यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बृहस्पतिवार को यहां जूना अखाड़ा स्थित माँ माया देवी मंदिर पहुंच कर देवी का आशीर्वाद लिया और अखाड़े की पौराणिक छड़ी का साधु संतों के साथ पूजन कर उसे चारधाम यात्रा की यात्रा पर रवाना किया। जूना अखाड़ा लंबे समय से छड़ी यात्रा निकाल रहा था, लेकिन यह बीच में करीब 70 साल के लिए बंद हो गईथी। यात्रा 2019 से फिर शुरू हुई है। पहले छड़ी यात्रा बागेश्वर से निकली जाती थी लेकिन दो साल पहले जूना अखाड़ा के हरिगिरि महाराज ने मु यमंत्री रावत से इस प्राचीन छड़ी यात्रा को दोबारा शुरू करने की अनुमति ली और इस प्राचीन छड़ी को हरिद्वार लाकर स्थापित किया। इस मौके पर उत्तराखंड के शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक, जूना अखाड़ा के हरिगिरि महाराज सहित भारी सं या में साधु संत और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस अवसर पर कहा कि छड़ी यात्रा के शुभारंभ का यह दूसरा वर्ष है। उत्तराखंड में लगभग 40 दिन यह छड़ी यात्रा चलेगी और इस यात्रा के माध्यम से सभी का मंगल हो, ऐसी हमारी कामना है।

गंगा नदी में आठ अनोखी प्रजातियों की मछलियों की मौजूदगी का पता चला

भाषा। नई दिल्ली

जलशक्ति राज्य मंत्री रतनलाल कटारिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक अध्ययन के माध्यम से पता चला है कि गंगा नदी में आठ अलग-अलग एवं अनोखी प्रजातियों की मछलियां मौजूद हैं। कटारिया ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकीय मापदंडों से संकेत मिलता है कि गंगा नदी की स्थिति में सुधार हो रहा है। मंत्री ने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत सात करोड़ रुपए से अधिक की लागत से मछलियों एवं मत्स्य पालन के आकलन की परियोजना आरंभ की गई थी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत कराए गए अध्ययन में गंगा नदी की मु य धारा में 190 प्रजाति की मछलियों के बारे में पता चला। इनमें आठ अनोखी किस्म की मछलियां हैं।

भारत को भी ब्रिटेन की तरह साइकिल चलाने पर केंद्रित मोटापा विरोधी मुहिम शुरू करनी चाहिए

भाषा। लंदन

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को भी लोगों में मोटापे की समस्या को दूर करने के लिए ब्रिटेन की तरह साइकिल चलाने पर जोर देने की रणनीति अपनानी चाहिए। ऐसा माना जा रहा है कि मोटापे के कारण कोविड-19 संबंधी जटिलताएं भी बढ़ जाती हैं। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (पीएचई) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अत्यधिक मोटापे की समस्या से ग्रसित लोगों को कोविड-19 के कारण अधिक जटिलताओं एवं मौत का अधिक खतरा है और उन्हें अस्पताल एवं आईसीयू में भर्ती करने की अधिक जरूरत पड़ती है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने देशभर में साइकिल चलाने के लिए हजारों मील लंबा सुरक्षित मार्ग बनाने, साइकिल चलाने एवं पैदल चलने वालों की रक्षा के लिए हाईवे कोड को मजबूत करने और चिकित्सकों को मरीजों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से दो अरब पौंड की निवेश पहल की थी। गुड़गांव स्थित पारस अस्पताल में जनरल एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. नवीन सतीजा ने कहा, मोटापा दूर करने के लिए साइकिल चलाने को प्रोत्साहित करने की ब्रिटेन की नई रणनीति एक दिलचस्प जन स्वास्थ्य नीति पहल है। हमारा मानना है कि भारत को भी विशेषकर शहरी इलाकों में काम पर जाने के लिए मोटर चालित वाहनों के बजाए साइकिल के प्रयोग की मुहिम शुरू करनी चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि कोविड-19 संबंधी चिंताओं ने लोगों की गतिविधियों को बाधित कर दिया है। डॉ. सतीजा ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि लोग इस समय व्यायाम के सुरक्षित तरीके खोजें। गुड़गांव के कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल में इंटरनल मेडिसिन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अमिताभ घोष ने कहा, लोग इस समय घरों के भीतर रह रहे हैं और व्यायामशालाओं में जाने एवं समूह में योग करने से बच रहे हैं, ऐसे में अधिक वजन वाले लोगों की सं या और बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा, शहरों में साइकिल चलाने के लिए समर्पित एवं सुरक्षित मार्ग लोगों को काम पर जाने के लिए साइकिल के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करेगा। हीरो मोर्ट्स कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पंकज एम मुंजाल ने भी ब्रिटेन की तरह साइकिल चलाने को प्रोत्साहित करने का समर्थन किया।

आज से शुरू हो रहे आईपीएल के पिछले सत्रों के कुछ आंकड़े जो एक रिकॉर्ड हैं

सबसे बड़ा स्कोर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के नाम सबसे बड़े स्कोर बनाने के रिकार्ड है जिसने पुणे वारियर्स के खिलाफ 2013 में पांच विकेट पर 263 और गुजरात लायंस के खिलाफ 2016 में तीन विकेट पर 248 रन बनाए थे। चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पांच विकेट पर 246 रन बनाए थे।

सबसे कम स्कोर

आईपीएल में न्यूनतम स्कोर का रिकार्ड भी आरसीबी के नाम है जो 2017 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 49 रन पर आउट हो गई थी। दूसरे पर रॉयल्स और तीसरे पर दिल्ली डेयरडेविल्स हैं जो क्रमश: आरसीबी और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 2009 और 2017 में 58 और 66 रन पर आउट हो गई थी।

सबसे बड़ी जीत (रनों के अंतर से)

दिल्ली के खिलाफ 2017 में मुंबई इंडियंस को मिली 146 रन की जीत रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। केकेआर दूसरे नंबर पर है जिसने गुजरात लायंस को 2016 में 144 रन से हराया था।

सुपर ओवर में फैसला

अब तक आठ मैचों का फैसला सुपर ओवर से हुआ है जिसमें से तीन में केकेआर शामिल थी।

अतिरिक्त रनों का रिकॉर्ड

एक मैच में सर्वाधिक अतिरिक्त रन देने का रिकार्ड केकेआर के नाम है जिसने 2008 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 28 रन दिए थे। किंग्स इलेवन पंजाब ने 2011 में आरसीबी के खिलाफ 27 रन फालतू दिए थे।

बल्लेबाजी रिकार्ड :

- आरसीबी के कप्तान विराट कोहली के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा रन हैं जिन्होंने 12 सत्रों में 5412 रन बनाए हैं। चेन्नई के सुरेश रैना ने 5368 और मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने 4898 रन बनाए हैं।
- वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 326 छक्के जड़े हैं जबकि आरसीबी के एबी डिविलियर्स ने 357 और चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 297 छक्के लगाए हैं।
- गेल के नाम आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड भी है जिन्होंने 2013 में पुणे वारियर्स के खिलाफ 66 गेंद में नाबाद 175 रन बनाए थे जो टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक भी है। केकेआर के ब्रेंडन मैकुलम (नाबाद 158) दूसरे और डिविलियर्स (नाबाद 133) तीसरे स्थान पर हैं।
- गेल ने आईपीएल में सबसे ज्यादा छह शतक जमाए हैं जबकि कोहली के नाम पांच और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर के नाम चार शतक हैं।
- किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान केएल राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 2018 में 14 गेंद मे 51 रन बनाए जो आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक हैं। केकेआर के युसूफ पठान और सुनील नारायण ने क्रमश: 2014 और 2017 में 15 गेंद में अर्धशतक बनाया था।

गेंदबाजी रिकार्ड

- मुंबई के लसिथ मलिंगा ने आईपीएल में 122 मैचों में 7.14 की इकॉनामी रेट से 170 विकेट लिए हैं। दिल्ली के अमित मिश्रा (157) दूसरे और चेन्नई के हरभजन सिंह (150) तीसरे स्थान पर हैं। मलिंगा और हरभजन इस बार आईपीएल नहीं खेल रहे हैं।
- मुंबई के अलजारी जोसेफ के नाम सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकार्ड है जिन्होंने पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 3.4 ओवर में 12 रन देकर छह विकेट लिए थे।
- दिल्ली के अमित मिश्रा ने आईपीएल में 147 मैचों में तीन बार हैट्रिक बनाई है। मुंबई के पूर्व हरफनमौला युवराज सिंह ने दो और चेन्नई के सैम कुरेन ने एक हैट्रिक बनाई है।
- केकेआर के सुनील नारायण ने छह बार चार विकेट लिए हैं। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने 119 मैचों में 14 मैडन ओवर डाले।

कोरोना काल में आईपीएल के साथ शुरु होगा भारतीय खेलों का जलसा

गत चैंपियन रोहित की मुंबई इंडियंस का सामना पहले मैच में धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स से होगा

अबुधाबी। कोरोना वायरस महामारी के खौफ के बीच दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग शनिवार से शुरू होगी जिसमें एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी के शांत रवैए, विराट कोहली की आक्रामकता और रोहित शर्मा की कप्तानी पर सभी की नजरें होंगी।

गत चैम्पियन रोहित की मुंबई इंडियंस का सामना पहले मैच में धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स से होगा। भारत में कोरोना महामारी के बढते मामलों के कारण टूर्नामेंट यूएई में खेला जा रहा है और मैदान में दर्शक नहीं होंगे। कठिन हालात में सिनेमा और क्रिकेट के लिए तरस रहे दर्शकों के लिए भी यह आईपीएल खास होगा और खिलाड़ियों के लिए भी।

ऐसे में जब सामाजिक दूरी और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं, अगले 53 दिन धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स, कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, रोहित की मुंबई इंडियंस, केएल राहुल की किंग्स इलेवन पंजाब और श्रेयस अय्यर की दिल्ली कैपिटल्स समेत आईपीएल टीमों के नाम होंगे। आईपीएल पहले भी विदेश में हुआ है लेकिन इस बार करोड़ों डॉलर का यह क्रिकेटिया तमाशा पहली बार जैविक सुरक्षित माहौल में होगा। इसमें क्रिस गेल और डेविड वार्नर के गगनभेदी छक्कों पर तालियां पीटने वाले नहीं होंगे और ना ही सुपर ओवर में कोई शोर सुनाई देगा। इसके बावजूद कोई शिकायत नहीं क्योंकि कम से कम खेल देखने को तो मिलेगा। कागजों पर आकलन करें तो मुंबई की टीम सबसे मजबूत नजर आ रही है जिसमें रोहित के अलावा हार्दिक और कृणाल पंड्या , कीरोन पोलार्ड और डैथ ओवरों के शहंशाह गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं।

चेन्नई टीम को भले ही बूढ़ों की फौज कहें लेकिन इस टीम ने साबित किया है कि सफलता और प्रतिभा उम्र के मोहताज नहीं होते। शेन वाटसन, ड्वेन ब्रावो, फाफ डु प्लेसी और रविंद्र जडेजा ने अपना सौ प्रतिशत इस टीम को दिया है और इस बार भी देंगे। कोहली की उपलब्धियों में आईपीएल खिताब की कमी खटकती है जिसे वह पूरा करना चाहेंगे। आरोन फिंच, क्रिस मौरिस और देवदत्त पडीक्कल की मौजूदगी में टीम मजबूत दिख रही है। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल लय हासिल की और उनके पास अय्यर जैसा बेहतरीन कप्तान, पृथ्वी साव और ऋषभ पंत जैसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं। इसके साथ ही रविचंद्रन अश्विन जैसा अनुभवी गेंदबाज टीम में है।

राहुल की पंजाब टीम का अच्छा प्रदर्शन भविष्य में राहुल को भारतीय टीम के संभावित कप्तानों की जमात में शामिल कर सकता है। यह देखना होगा कि ग्लेन मैक्सवेल, गेल और मोहम्मद शमी जैसे स्टार खिलाड़ियों को वह कैसे संभालते हैं। सनराजइर्स हैदराबाद की कोशिश एक बार फिर फाइनल तक पहुंचने की होगी और उनके कप्तान डेविड वार्नर मैच जिताने के फन में माहिर हैं। उनके पास जॉनी बेयरस्टॉ की आक्रामकता, केन विलियमसन की कूलनेस और राशिद खान की कलाई का जादू है। आईपीएल का कुछ भाग 2014 में जब यूएई में खेला गया था, तब कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था। बेन स्टोक्स अगर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला हैं तो आंद्रे रसेल सबसे आक्रामक बल्लेबाज। उन्होंने पिछले सत्र में 52 छक्के जड़कर यह साबित किया था।

अंडर 19 विश्व कप सितारे शुभमन गिल, शिवम मावी और कमलेश नागरकोटी टीम में युवा जोश भरेंगे जबकि इयोन मोर्गन के रूप में अनुभवी कप्तान टीम के पास है। राजस्थान रॉयल्स की उम्मीदों का दारोमदार विदेशी खिलाड़ियों जोस बटलर, स्टीव स्मिथ और जोफ्रा आर्चर पर होगा। स्टोक्स अपने बीमार पिता की देखभाल के लिए न्यूजीलैंड में है और उनका खेलना संदिग्ध है। पहले मैच में मुंबई का पलड़ा भारी लग रहा है। रोहित, क्विंटोन डिकॉक, सूर्य कुमार यादव, ईशान किशन, पंड्या बंधु, कीरोन पोलार्ड बल्लेबाजी को मजबूत देते हैं। ट्रेंट बोल्ट और नाथन कूल्टर नाइल भी टीम में हैं। चेन्नई टीम में इतने सालों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। धोनी के सबसे विश्वस्त सिपहसालार सुरेश रैना इस बार नहीं है। उनकी जगह रितुराज गायकवाड़ भी उपलब्ध नहीं है जो कम से कम पांच बार कोरोना पॉजिटिव आ चुके हैं, लेकिन चेन्नई के पास वाटसन, अंबाती रायुडू, केदार जाधव, रविंद्र जडेजा और ब्रावो जैसे मैच विनर हैं। मिशेल सेंटनेर और लुंगी एंगिडि भी चयन के लिए उपलब्ध हैं।

आईपीएल में बर्न आउट से बचें इंग्लैंड के क्रिकेटर : सिल्वरवुड

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड को यकीन है कि आईपीएल जैसे विश्व स्तरीय टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को टी20 विश्व कप की तैयारी में मदद मिलेगी लेकिन उन्हें खिलाड़ियों की थकान और चोटिल होने का डर है।

इंग्लैंड के दस क्रिकेटर आईपीएल खेलने यूएई पहुंच गए हैं। इनमें से सात क्रिकेटर हाल ही में आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में इंग्लैंड टीम का हिस्सा थे। सिल्वरवुड ने कहा कि खिलाड़ियों को बर्न आउट से बचने के लिए एहतियात बरतनी होगी क्योंकि अगले सात सप्ताह वे बायो बबल में रहेंगे।

उन्होंने कहा, यह उनका फैसला है लेकिन हमें उन पर नजर रखनी होगी। अनुबंध बहुत लुभावने है लेकिन हमें टी20 विश्व कप की भी तैयारी करनी है। जितना ज्यादा टी20 क्रिकेट खेलेंगे, हमारे लिए अच्छा ही होगा।

उन्होंने कहा, हमें यह ध्यान रखना होगा कि वे बर्न आउट से बचें। टी20 विश्व कप भारत में अक्टूबर नवंबर में होगा। इंग्लैंड के जोस बटलर, टॉम कुरेन और जोफ्रा आर्चर राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं जबकि सीमित ओवरों के कप्तान इयोन मोर्गन और टॉम बेंटोन कोलकाता नाइट राइडर्स टीम में हैं। मोईन अली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर टीम का हिस्सा हैं तो जॉनी बेयरस्टॉ सनराइजर्स हैदराबाद और सैम कुरेन चेन्नई सुपर किंग्स में हैं।

टॉटेनहम, एसी मिलान ने यूरोपा लीग क्वालिफाइंग में जीत दर्ज की

लंदन। टॉटेनहम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आखिरी मिनटों में दो गोल कर यूरोपा लीग क्वालीफाइंग के दूसरे चरण के मुकाबले में नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहे लोकोमोटिव प्लोवदिव को 2-1 से हराया। एसी मिलान और रेंजर्स ने भी दूसरे दौर के मुकाबलों में जीत दर्ज की।

मैच के 71वें मिनट में जी. मिनचेव के गोल से लोकोमोटिव प्लोवदिव ने टॉटेनहम पर बढ़त बना ली लेकिन 80वें मिनट में कप्तान हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके पांच मिनट बाद स्थापन्न खिलाड़ी तेंगाय नडोमबेले ने टीम की बढ़त को 2-1 कर दिया जो आखिर तक कायम रहा। इस बीच लोकोमोटिव प्लोवदिव के दो खिलाड़ियों (78वें और 79वें मिनट) को रेड कार्ड दिखाया गया जिसके कारण टीम को नौ खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। एसी मिलान ने डब्लिन में खेले गए मैच में शेमरॉक रोवर्स को 2-0 से हराया। टीम के लिए ज्लाटन इब्राहिमोविच और हकन काल्हनोग्लु ने गोल दागे। रेंजर्स ने लिंकन रेड्स इम्प्स को जिब्राल्टर में खेले गए मैच में 5-0 की करारी शिकस्त दी।

संक्षिप्त समाचार

त्वेसा मलिक ओपन डे फ्रांस में सातवें स्थान पर

बोरदू (फ्रांस)। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने ओपन डे फ्रांस के पहले दौर में एक अंडर 70 का स्कोर करके संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया। मलिक ने बर्डी के साथ शुरूआत की लेकिन तीसरे और चौथे होल पर बोगी किया। उसने सातवें, आठवें और नौवें होल पर बर्डी लगाकर दो अंडर 34 स्कोर किया। इंग्लैंड की चार्लोट थाम्पसन और गैब्रियला कोले के साथ स्थानीय गोल्फर लूसी एम शीर्ष पर हैं जिन्होंने 68 का स्कोर किया। दीक्षा डागर के लिए पहला दौर बहुत खराब रहा जिसने 18 ओवर 89 का स्कोर किया।

हरिकृष्णा पांचवें स्थान पर, वेसली सो को बढ़त

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने सेंट लुईस रैपिड और ब्लिट्ज आनलाइन शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त पांचवां स्थान बरकरार रखा है जबकि अमेरिका के वेसली सो शीर्ष पर पहुंच गए हैं। रैपिड वर्ग के आखिरी तीन दौर में हरिकृष्णा ने अमेरिका के जैफरी शियोंग को 66 चालों में हराकर अच्छी शुरुआत की। अमेरिका के ही हिकारू नकामूरा से ड्रा खेलने के बाद वह सो से 69 चालों में हार गए। वहीं दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को रूस के अलेक्जेंडर ग्रिसचुक ने 46 चालों में हराया। सो अब 13 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि कार्लसन उनसे एक अंक पीछे हैं। रूस के इयान नेपोनियाश्चि और ग्रिसचुक के दस दस अंक हैं। हरिकृष्णा, लेवोन आरोनियन और नकामूरा पांचवें स्थान पर हैं।

पोल वॉल्टर डुप्लांटिस ने बुबका का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

रोम। स्वीडन के पोल वॉल्टर अर्मांड डुप्लांटिस ने सर्जेइ बुबका का 26 साल पुराना आउटडोर विश्व रिकार्ड तोड़ दिया है। डुप्लांटिस ने रोम में गोल्डन गाला पिएत्रो मेनिया मीट में दूसरे प्रयास में छह मीटर 15 सेंटीमीटर की कूद लगाकर बुबका का छह मीटर 14 सेंटीमीटर का रिकार्ड तोड़ा जो उन्होंने जुलाई 1994 में बनाया था। डुप्लांटिस के नाम 6.18 मीटर का इंडोर विश्व रिकार्ड पहले ही से है जो उन्होंने फरवरी में ग्लासगो में बनाया था।

चोट के कारण ओसाका फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस। अमेरिकी ओपन चैम्पियन नाओमी ओसाका ने बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग चोट के कारण फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम से हटने का फैसला किया। इससे पेरिस में 27 सितंबर से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन में ओसाका और गत चैम्पियन एश बार्टी हिस्सा नहीं लेंगी। क्ले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के आयोजकों ने दर्शकों की संख्या में और कटौती करने का फैसला किया है क्योंकि फ्रांस में कोरोना वायरस महामारी से हालात बिगड़ रहे हैं।

आयोजकों ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि अब पेरिस पुलिस विभाग ने दर्शकों की संख्या 5000 दर्शक प्रतिदिन कर दी है। ओसाका तीसरी रैंकिंग पर काबिज हैं। पिछले महीने वेस्टर्न एवं सदर्न ओपन के दौरान वह हैमस्ट्रिंग में चोट लगा बैठी थीं और इसी के कारण उन्होंने टूर्नामेंट के फाइनल से हटने का फैसला किया। अमेरिकी ओपन में भी वह काफी ज्यादा पट्टियां बांधकर खेल रही थीं।

कोपा लिबर्टाडोरेस चैंपियन फ्लेमेंगो को शुरुआती मैच में डेन वैले ने 5-0 से हराया

साओ पाउलो। ब्राजील के कोपा लिबर्टाडोरेस चैंपियन फ्लेमेंगो को इक्वाडोर के इंडिपेंडेंट डेल वैले से 5-0 से हार का सामना करना पड़ा। लिबर्टाडोरेस कप के इस मुकाबले के लिए छह महीने बाद मैदान में उतरी फ्लेमेंगो के खिलाफ कोपा सुदामेरिकाना की मौजूदा चैम्पियन डेन वैले को ज्यादा परेशानी नहीं हुई। मोइसिस कैइडो मैच के 40वें मिनट में ने पहला गोल किया। टीम ने बाकी के चारों गोल दूसरे हाफ में किए। ए गोल एंजेलो प्रीसैडो (49), गेब्रियल टॉरेस (59), झोन सेंचेज (81) और बेडर कैइडो (902 मिनट) ने गोल किए। इस दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल टूर्नामेंट को कोविड-19 महामारी के कारण 12 मार्च को रोक दिया गया था।

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण मॉस्को टेनिस टूर्नामेंट रद्द

लंदन। मॉस्को में कोरोना वायरस के बढते मामलों के कारण क्रेमलिन कप टेनिस टूर्नामेंट रद्द कर दिया गया है।

पुरुष वर्ग में यह टूर्नामेंट 19 अक्टूबर से और महिला वर्ग में उसके एक सप्ताह बाद शुरू होना था। एटीपी और डब्ल्यूटीए ने संयुक्त बयान में इसे रद्द करने का ऐलान किया। बयान में कहा गया , मॉस्को में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण इस टूर्नामेंट का आयोजन अब संभव नहीं है। मॉस्को शहर प्रशासन ने भी इस पर स्वीकृति जताई है। एटीपी का सेंट पीटर्सबर्ग ओपन हालांकि 12 अक्टूबर से होगा।

एएफ सी कार्यबल में नियुक्त किए गए रिटायर्ड कर्नल मुंगाली

पुणे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की क्लब लाइसेंसिंग समिति के चेयरमैन रिटायर्ड कर्नल डा. गिरिजा शंकर मुंगाली को एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के कार्यबल का सदस्य नियुक्त किया गया।

एशिया और आस्ट्रेलिया में फुटबॉल क्लबों को नियंत्रित करने वाले इस कार्यबल में सात सदस्य हैं। इस समिति में शामिल वह एकमात्र भारतीय हैं और वह 2023 तक पैनल में रहेंगे। इस समय मुंगाली अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की क्लब लाइसेंसिंग समिति के चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे हैं। यहां जारी बयान के अनुसार सेवानिवृत्त सेना अधिकारी मुंगाली की योजना है कि वह इस मंच का इस्तेमाल युवा और उभरते हुए फुटबॉलरों विशेषकर ग्रामीण इलाकों के खिलाड़ियों को बढ़ावा देने और उनके लिए मौके बनाने के लिए करेंगे।

ब्रेक के बाद धोनी तरोताजा और मानसिक रूप से दृढ़ हैं : सीएसके कोच फ्लेमिंग

अबुधाबी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने शुक्रवार को कहा कि टीम के करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के लिए एक साल से ज्यादा समय का ब्रेक काफी फायदेमंद रहा जिससे वह तरोताजा होकर तकनीकी रूप से अलग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की चुनौतियों से निपटने के लिए मानसिक रूप से दृढ हैं। शनिवार को सीएसके और रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस के बीच टूर्नामेंट का शुरुआती मुकाबला खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान फ्लेमिंग ने कहा कि उनकी टीम का बड़े मैच जीतने का अनुभव अगले 53 दिन तक काफी काम आएगा। पिछले महीने धोनी ने एक साल से ज्यादा समय के ब्रेक के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया और जब आईपीएल के लिए उनकी तैयारियों के बारे में पूछा गया तो फ्लेमिंग ने कहा, इसमें कुछ भी अलग नहीं हुआ। वह बहुत फिट है और मानसिक रूप से काफी व्यस्त है और दृढ़ है। सीएसके की अधिकारिक वेबसाइट को टूर्नामेंट से पूर्व दिए साक्षात्कार में फ्लेमिंग ने कहा, कुछ तरीकों से ब्रेक हमारे अनुभवी और बड़ी उम्र के खिलाड़ियों के लिए काफी कारगर हो सकता है। एमएस तरोताजा है और अच्छा करने को तैयार है। तीन बार की चैम्पियन टीम अपने 35 से ज्यादा उम्र के खिलाड़ियों पर काफी निर्भर हैं जिसमें खुद धोनी, शेन वाटसन, ड्वेन ब्रावो, केदार जाधव और इमरान ताहिर शामिल हैं। फ्लेमिंग ने कहा, अनुभवी खिलाड़ी अहम मौकों को पहचान सकते हैं इसलिए ही उन्होंने अपने करियर में इतना शानदार प्रदर्शन किया है। वे मैच का रूख मोड़ सकते हैं, दबाव को झेल सकते हैं और परिस्थितियों का आकलन कर सकते हैं। अनुभव यही होता है इसलिए हम इसे काफी अहम मानते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए हम इतने सारे करीबी मैचों में जीत हासिल करने में सफल रहे क्योंकि महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को काफी अनुभव रहा है।

सीएसके के पास स्पिन में विविधता, यूएई की परिस्थितियों में मिलेगा फायदेमंद : ली

लसित मलिंगा की सेवाएं नहीं मिलेंगी, लेकिन 43 साल के ली का मानना है कि जसप्रीत बुमराह उनकी कमी को पूरा कर देंगे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने शनिवार से शुरू हो रही इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सत्र में तीन बार की चैम्पियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को खिताब का दावेदार करार देते हुए कहा कि स्पिन विभाग में विविधता से टीम को यूएई की परिस्थितियों में फायदा होगा। भारत में कोविड-19 के मामलों के कारण आईपीएल का आयोजन यूएई में हो रहा है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला गत चैम्पियन मुंबई इंडियन्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच खेला जाएगा। ली ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम गेम प्लान में कहा, वे (सीएसके) काफी मजबूत टीम है। मैंने उनकी स्पिन आक्रमण के कारण उनके चैम्पियन बनने का अनुमान लगाया है। उन्होंने कहा, टीम में (मिशेल) सेंटनर के होने के कारण जडेजा को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा ताकि वे टीम के शीर्ष स्पिनर बने रहें। सीएसके के पास के इस मामले में विविधता है और हर स्पिनर दूसरे से अलग है। ऐसे में मुझे लगता है कि टूर्नामेंट के आगे बढ़ने के साथ परिस्थितियों से उन्हें काफी फायदा होगा। चार बार की चैम्पियन टीम को लसित मलिंगा की सेवाएं नहीं मिलेगी जो व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हट गए हैं लेकिन 43 साल के ली का मानना है कि जसप्रीत बुमराह उनकी कमी को पूरा कर देंगे। उन्होंने कहा, मैंने जब से बुमराह को देखा है, तब से उसका प्रशंसक हूं। वह अलग गेंदबाजी एक्शन से गेंद डालते हैं। वह गेंद को तेजी से टप्पा खिलाने के साथ दोनों ओर स्विंग कराने में माहिर हैं। वह नई गेंद से अच्छा करते है लेकिन मैं उन्हें पुरानी गेंद से गेंदबाजी करते देखना पसंद करता हूं। आखिरी के ओवरों में गेंदबाजी कर के वह मलिंगा की कमी को पूरा कर सकते हैं। टेस्ट में 310 और एकदिवसीय में 380 विकेट लेने वाले ली का मानना है कि मुंबई इंडियन्स की टीम शीर्ष चार में रहेगी।

उन्होंने कहा, उन्हें शीर्ष चार में रहना होगा। वे पिछले साल के चैम्पियन हैं, उनकी टीम अच्छी है। पोलार्ड शानदार लय में है और हम जानते हैं कि रोहित क्या कर सकते है। टीम में तेज गेंदबाज बुमराह और कुछ शानदार स्पिनर भी हैं।

अपने मन को मुक्त करें

अध्ययनों ने मानसिक तनाव तथा प्रतिरक्षण तंत्र के विकसित होने या बिगड़ने के बीच महत्वपूर्ण संबंध दिखाए हैं। यहां उन डोपामीनों तथा इंडोर्फिन के निर्गमन के कुछ आसान तरीके हैं। डॉ. मनोज कुट्टेरी की रिपोर्ट

क्या आपने कभी किसी प्रोत्साहन से खास शारीरिक बदलावों का अनुभव किया है? क्या आप कभी किसी बाहरी कारक की वजह से बीमार पड़े हैं? खैर, आइए उन कारणों की थोड़ी गहरी तह में जाते हैं जो अव्यक्त क्रियात्मक एवं शारीरिक बीमारियों या बदलावों का कारण हो सकती हैं अनेक मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों व डाक्टरों के अनुसार, मन और शरीर परस्पर संबंधित माने जाते हैं। मन में जो चलता है वे शरीर में प्रकटनों का कारण बन सकता है। इसी प्रकार, शारीरिक पीड़ा व कष्ट हमारे मन को परेशान भी कर सकते हैं जिससे क्रोध, अवसाद या अन्य मनस्थिति बदलाव आ सकते हैं। अगर नहीं तो अक्सर रहा, हम अपने मन में जारी तनाव व दबाव को निकालना चाहते हैं, खासतौर पर मौजूदा परिस्थितियों वाले दौर में। सूचना, समाचार, झूठी अफवाहें, सोशल मीडिया विषाक्तता और कार्यजीवन संतुलन के रोजमर्रा संघर्षों का निरंतर प्रवाह है। बहुत कुछ हमारे पास होने से, जीवन के सभी पहलुओं पर ध्यान देना कठिन हो जाता है और दुर्भाग्यवश, हमारी चेक लिस्ट में, मानसिक स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक दबाव उपचार की अंतिम वस्तु के रूप में चिह्नित है।

जब महामारी की खबर पहली बार सामने आई, हमने जरूरत का सामान इकट्ठा कर लिया और घर पर सदियों पुरानी उपचार विधि आजमानी शुरू की। हालांकि हमने स्वास्थ्य के प्रमुख हिस्से– मानसिक एवं भावनात्मक तंदुरूस्ती– पर ध्यान नहीं दिया। इंसान सामाजिक प्राणी है, हमारे अधिकांश दिन अपने इर्दगिर्द – ट्रेनें, बसें, कार्यालय या स्थानीय काफी शॉप– के जमघट के साथ बीते थे। महामारी और उसके बाद तालाबंदी ने सामान्य सामाजिक संवाद की मामूली संभावना के साथ, हमें हमारे घरों में कैद कर दिया। इस प्रत्यक्षतया गैर आपदाई बदलाव ने हमें अपनी वैचारिक यात्रा पर जाने और अपने भावनात्मक आत्म में झांकने का अवसर दिया। जबकि अधिकांश मामलों में, यह शायद अच्छा बात हुआ, अनेक दबी हुई भावनाओं को उभरने का अवसर मिला। मनोचिकित्सक कहते हैं कि तालाबंदी लगने के बाद से बेचैनी और तनाव से संबंधित फोन कॉल्स की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। क्रोध और भावनात्मक आवेग में आने के कारण घरेलू हिंसा में भी स्थिति यही है। पीडी हिन्दुजा हास्पिटल और एमआरसी के सलाहकार मनोचिकित्सक, डॉ केर्सी चावडा का कहना है, बीते कुछ दिनों में, यह कहने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है कि वे सरकारी मामलों को लेकर बेचैन हैं। यह एक रिसाव था जो अब हिमस्खलन बन गया है।' मनोवैज्ञानिक सहयोग की बात करते हुए कि ऐसे दौर में अत्यावश्यक है, वह जोड़ते हैं कि मनोचिकित्सा अब एक प्रमुख भूमिका निभाएगी।

ऐसे कठिन दौर में, मामूली उकसावा तनाव का कारण और पहले से अधिक अधिक असरकारी बन सकता है। उदाहरण के लिए, खबरों की अद्यतन जानकारी या काम का अत्यधिक बोझ मानसिक स्वास्थ्य बिगाड़ने में पहले की तुलना में आज कहीं ज्यादा प्रभाव डाल सकता है। यह विपरीत प्रभाव जल्द हमारे शरीर द्वारा कुछ इस तरह प्रकट किया जाने लगेगा, मसलन मेटोबॉलिक दर गिर जाना, सिरदर्द, मानसिक आवेग, और भूख संबंधी अनियमितताएं चालू हो जाएंगी। जिस बात पर हमें सर्वाधिक ध्यान देना चाहिए वो हमारी प्रतिरक्षण प्रणाली पर दबाव से संबंधित है खासतौर पर मौजूदा परिदृष्य में। अध्ययनों ने मानसिक तनाव तथा प्रतिरक्षण तंत्र के विकसित होने या बिगड़ने के बीच महत्वपूर्ण संबंध दिखाए हैं। अब तनाव को लेकर तनावग्रस्त न हों। हम इन चीजों से एक दिन निपट सकते हैं और उन डोपामिन व इंडोर्फिन के निर्गमन के सरल उपाय कर सकते हैं।

पहचानें, साधें और तनाव छू मंतर

तनाव नाम के इस दानव को काबू में करने का पहला कदम यह होगा कि उसके मूल के बारे में जानें। हम स्थितियों से अलग अलग ढंग से निपटते हैं और शायद समान प्रेरणा से भिन्न प्रतिक्रियाएं कर सकते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम समझें और व्यापक समस्या के साथ निपटने के अपने तरीकों पर गौर करें। यह अंतर्निहित मसले को इंगित करने में हमारी सहायता करता है जो फिर हमें समस्या के अधिक समग्र समाधान की ओर ले जाएगा। इसलिए एक मैग्निफाइंग ग्लास लें और बारीकियों पर अधिक ध्यान देने के साथ स्थिति को देखें।

सक्रिय रहें

हालांकि जिम और कक्षाएं बंद हैं, हमें अपने व्यायाम तरीकों के साथ रचनात्मक होने की जरूरत है। इसलिए आलसी न बनें कि आप घर पर हैं! फिटनेस शौकीनों के लिए, अपने कमरे को अपना फिटनेस आवास बनाएं। फिट रहने के लिए विभिन्न तरीके आजमाएं। कसरत के सबसे उत्कृष्ट तरीका जिसमें ज्यादा जगह की आवश्यकता नहीं होती, वो है योग। योग अपने आपमें कसरत और तनावमुक्त है। उन लोगों के लिए जो अपनी हार्ट बीट्स को तेज करना चाहते हैं, उन मांसपेशियों को अतिसक्रियता में लाने के लिए आवासीय कार्डियों एक्सरसाइज और एचआईआईटी वर्क आउट को अपनाएं। एक जगह पर ज्यादा देर रुकने से बचें और शरीर को निरंतर गतिशील रखें।

ध्यान लगाएं

अपनी दैनिक दिनचर्या के बावजूद, अपने अंतर्मन के साथ निरंतर जुड़े रहें। अपने मन को शांत व मनन में लगाए रखें ताकि आप स्पष्टता के साथ चुनौतियों से निपट सकें। तनाव से मुक्त होने और अपने स्नायुओं को शांत रखने में योग एक शानदार तरीका है। आनलाइन अनेक कक्षाएं व वीडियो आपको मिल जाएंगे। व्यक्ति मार्गदर्शन करने वाले ध्यान का चुनाव कर सकते हैं। धीरे धीरे इस प्रक्रिया में आपको आसानी हो जाएगी। यह न केव तनाव घटाती है बल्कि केन्द्रित, एकाग्र, व क्षमता में वृद्धि भी करता है।

पर्दे से दूरी रखें

हालांकि सोशल डिस्टेंसिंग नया नियम हो सकता है, मगर स्क्रीन डिस्टेंसिंग को भी अपनाएं। यह समझने योग्य है कि हमारा अधिकांश घर से काम करना, सीधे हमारे लैपटॉप के जरिए होता है, हमें तनाव व दबाव से बचने के लिए अपने स्क्रीन टाइम को कम से कम करने की जरूरत है क्योंकि इससे हमारी आंख व अन्य इंद्रीय अंग प्रभावित होते हैं। स्क्रीन के लिए समर्पित कार्य घंटों की संख्या सुनिश्चित करें और शेष, समय को वास्तविक जगत में बिताएं।

मूलाधारों की और लौटें

अपनी दैनिक दिनचर्याओं में, डेडलाइंस पूरी करने और ग्राहकों को खुश रखने में हम अपने मूलाधारों–अपने शौक आदि से दूर हो गए हैं। शौक इंसान के व्यक्तित्व का विस्तार हैं और इस तालाबंदी ने हमें अवसर दिया कि उन्हें पुन: विकसित करें या उनकी बिलकुल नए रूप में खोज की जा सकती है। शौक की यह सूची खाना पकाने, बागबानी करने या मछली पालने या महज आकाश को निहारने तक जाती है। किसी भी काम में भागीदारी जो आपको खुद से जोड़ता है, आप देखेंगे कि वह तनाव को दूर भगाता है।

गहरी नींद लें

हम सबने चर्चा की है कि किस तरह इस एकांतवास ने हर व्यक्ति की नींद की दिनचर्या बर्बाद कर दी है। यह ज्यादातर इसलिए कि हमारे शरीर को हमारी दैनिक चक्र में बदलाव अपनाने के लिए समय की जरूरत है। पर्याप्त नींद लेना आपको सक्रिय रखता है। बहुत ज्यादा न सोएं या शरीर के न सोने से आपके प्रतिरक्षण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है जिसके कारण शारीरिक व मानसिक थकान होती है। ज्यादा जरूरी है कि ज्यादा लंबी के बजाय गहरी नींद लें।

अच्छा खाएं

अपनी खुराक को विटामिन व मिनरल से भरपूर रखें इससे आपके बेहतर प्रतिरक्षण में सहायता होती है। उचित संतुलित खुराक अपनाने और बाहरी खाद्यों से, जोकि आपकी पाचन प्रणाली पर बोझ डालते हैं, परहेज रखने का लक्ष्य बनाएं। स्वच्छ व पोषाहार खुराक लेना न केवल अच्छे स्वास्थ्य के मामले में प्रत्यक्षतया सहायता करेगा, बल्कि आंतरिक स्तर पर शरीर पर सकारात्मक प्रभावों को भी दिखाएगा और आपकी प्रतिरक्षण दर को तेज करेगा।

– लेखक आत्मंतन वेलनेस सेंटर के वेलनेस डायरेक्टर हैं

कभी नहीं से विलंब सही

नरेन्द्र सिंह बिष्ट कहते हैं कि जागरुकता की कमी, बदतर शिक्षा स्थिति तथा बाहरी दुनिया से कटा होने के कारण, बन राजी, आदिवासी समुदाय, खासतौर पर उसकी महिलाओं को विशेष ध्यानाकर्षण की आवश्यकता है

कुमाऊं क्षेत्र, उत्तराखंड के पवित्र जंगलों में, एक आदिवासी समुदाय रहता है जिसे कुमाऊं के आदिकालीन राजकुमार के वारिसों से संबंधित माना जाता है। नृजाति विज्ञानियों में प्रसिद्ध, बज राजी समुदाय की एक विशिष्ट संस्कृति, भाषा और जीवनशैली है जो प्रकृति के साथ गहरे गुंथी हुई है। बन राजी, जिसका अर्थ है 'वन के शाही लोग', जो पारिस्थितिकी पर इस आदिवासी समुदाय की नजदीकी और निर्भरता को दर्शाता है। बाद के सालों में, हालांकि, जनसंख्या के साथ इनकी संस्कृति ने जबरदस्त बदलाव आया है और वे अस्तित्व के लिए धीरे–धीरे अपने सुरक्षित से बाहर निकल कर शहरी जीवन की ओर आए हैं। 18 सर्वाधिक संकटग्रस्त मानव समूहो की सूची में शामिल और आदिवासी मंत्रालय द्वारा विशेष रूप से संकटग्रस्त आदिवासी समूह (पीवीटीजी) के रूप में वर्गीकृत, इस समुदाय को नीति निर्माताओं, खासतौर पर इसके महिला सदस्यों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

बन राजी समुदाय के सदस्यों के साथ मेरा पहला सामना पिथौरागढ़ जनपद के घने जंगलों में साल 2008 में हुआ। एक बाहरी की उपस्थिति ने वातावरण में खास असुविधा पैदा कर दी थी। कुछ देर बाद, कुछ पुरुष संवाद के लिए आगे आए लेकिन महिलाएं दूर से देखती रहीं। समुदाय के एक सदस्य, जो जंगल के बाहर के जीवन से गहरे परिचित थे, बाकी पुरुषों के साथ संवाद स्थापित करने में सहायता की। बाद में 2011 से 2016 तक, मैंने गिने चुने परिवारों के साथ घुलमिलकर काम किया और उनके रोजमर्रा जीवन, रीतियों, प्रथाओं व चुनौतियों की समझ हासिल की। सबसे परेशान करने वाला उन महिलाओं का जीवन रहा है जो बाहरी दुनिया से लगभग नगण्य संवाद के साथ जीवन का दुख ढो रही हैं।

शिक्षा की बुरी हालत

लड़कियां शिक्षा के मूल अधिकार से वंचित हैं और उन्हें बचपन से घरेलू कामों की जिम्मेदारी दे दी गयी है। उन्हें जंगल से बाहर कदम रखने की अनुमति नहीं है। इस आलेख के लिखे जाने तक जिन परिवारों से मुलाकात होती थी उनमें 95 फीसदी महिलाओं ने अपने समूचे जीवन में बिलकुल भी शिक्षा नहीं पाई थी। अभी तक, इस समुदाय की केवल चार लड़कियां कक्षा 12वीं तक की अपनी पढ़ाई पूरी करने में सफल रही हैं और वर्तमान में अंडरग्रेजुएट डिग्री की पढ़ाई कर रही हैं। पुरुषों की शिक्षा की हालत भी बहुत आशाजनक नहीं है। 2001 में, केन्द्र सरकार के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा इस आदिवासी समुदाय के बच्चों के लिए एक स्थानीय स्कूल की स्थापना हुई थी। हालांकि, प्रतिकूल हालात के कारण, यह स्कूल साल 2017 को बंद हो गया।

18 साल से पहले लड़कियों का ब्याह

जागरुकता के अभाव, निरक्षरता की ऊंची दर और बाहरी दुनिया से अलगाव के कारण, समुदाय 18 साल की अनुमतियोग्य आयु से पहले लड़कियों की शादी करने की प्रतिगामी प्रथाओं का पालन करता है। अधिकांश लड़कियों की शादी 16 से 18 की आयु के बीच हो जाती है और 21 साल की होते होते दो तीन बच्चों की मां बन जाती हैं। यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी न होने से, ये युवा माताएं निरंतर अपने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के साथ समझौता करती हैं। नजदीकी में स्वास्थ्य केन्द्रों की अनुपलब्धता तथा आर्थिक सहयोग की कमी होने के कारण, ये घरेलू उपचारों का विकल्प चुनते हैं जो पल भर के लिए असरकारी होती हैं मगर पारंपरिक उपचार जीवन बचाने में अक्षम होते हैं और अनेक महिलाएं 35 से 40 की आयु के बीच मर जाती हैं। कमजोर माओं और कुपोषित बच्चों का समुदाय में पुरुषों द्वारा खयाल नहीं रखा जाता है।

घरेलू हिंसा

वैकल्पिक जीवनशैलियां व पितृसत्तात्मक मानसिकताओं ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि की है। लकड़ी के हस्तशिल्प में दक्ष, पुरुष मामूली धन कमाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं जबकि उसमें से आधा शराब पर खर्च कर देते हैं। घर लौटने के बाद, वे अपनी पत्नियों से झगड़ते हैं और अक्सर उनके साथ शारीरिक हिंसा करते हैं। औरतें जिनको अपने पति को परमेश्वर मानना और उसके खिलाफ कभी आवाज न उठाना सिखाया जाता है, वे ऐसी घटनाओं को उनके अधिकारों के उल्लंघन के बतौर नहीं समझती हैं।

बेअसर योजनाएं

ये आदिवासी महिलाए कैसें, जो पढ़–लिख नहीं सकतीं और उन्हें बाहरी दुनिया को बिलकुल भी कुछ पता नहीं होता है, अपने लिए बनी सरकारी योजनाओं से लाभ की उम्मीद करती हैं? बन राजी महिलाओं तक पहुंच बनाने वाले सरकार के दावे असर नहीं रखते हैं क्योंकि इन महिलाओं की बुनियादी मानवाधिकारों तक स्पष्टतया कोई पहुंच नहीं होती है। इस आदिवासी समुदाय की महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए घोषित योजनाएं तभी असरकारी होंगी जब उन महिलाओं के पास ऐसी जानकारी को समझने व सहायता की पहुंच होगी।

यहां जिस बात का उल्लेख नहीं है, वो यह कि इस समुदाय ने विकास प्रक्रिया के प्रभाव से दूर दशकों बिताए हैं। जिस तरह शेष भारत आगे बढ़ा है, इस समुदाय ने अन्य अनेक मूलवासी समूहों की तरह प्रकृति के करीब रहने का फैसला किया। आज, जंगलों के कटने, शहरीकरण व विस्थापन होने के कारण इन समूहों को अपने आदिकालीन जीवनशैली को छोड़ने और नयी आधुनिकीकृत पद्धति को अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। महिलाएं, जो सालों से दबाइ गयी हैं, इस प्रकिया से सबसे बुरी तरह प्रभावित हैं। नीति निर्माताओं को उनके लिए योजनाएं व कार्यक्रम बनाने से पहले इस आदिवासी की सांस्कृतिक पारिस्थितिकी को समझने की जरूरत है। इन महिलाओं तक पहुंच बनाने के लिए गैर सरकारी संस्थानों की सहायता के साथ एक समग्र नजरिया अपनाने की आवश्यकता है।

पहले से क्षेत्र में कार्यरत, कुछ खास गैरसरकारी संगठन समुदाय का अपनी पारंपरिक मूल्यों के साथ समझौता किए बिना इन बदलावों को अपनाने व स्वीकारने के लिए मार्गदर्शन कर रहे हैं। अपने अनुभव से सीखना और बेहतर नीतियों की योजना बनाने और लागू करने में उनका उपयोग करना निश्चित रूप से बन राजी महिलाओं के उत्थान में सहायता करेगा।

– चरखा फीचर्स

परम अभ्यास है योग

राजयोगी ब्रह्मकुमार निकुंज जी का कहना है कि अनेक अध्ययनों ने दिखाया है कि योग तनाव व बेचैनी घटाने में सहायता कर सकता है। यह आपका मूड तथा बेहतर की समग्र समझदारी भी बढ़ा सकता है

इस दुनिया में प्रत्येक मानव परम प्रसन्नता या चिरस्थायी शांति हासिल करने का आजीवन प्रयास करता है। असलियत में, इंसान के सभी काम इसी लक्ष्य को प्राप्त करने पर केन्द्रित होते हैं। लेकिन दुनिया में असंतोष और जबरदस्त उथलपुथल, सभी प्रयासों के बावजूद, व्यक्ति से यह प्रश्न कराती है: आखिर इस सार्वभौमिक लक्ष्य को हासिल करने का रास्ता क्या है?

हममें से बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि सच्ची खुशी का स्रोत सिर्फ भौतिक वस्तुओं में मौजूद नहीं होता है, बल्कि यह मन के संतुलन से उपजती है, यह खुद में मन को स्थिर बनाकर आती है। हम सभी जानते हैं कि यदि इंसान का मन परेशान है तो उस पर बरसा सम्मान और उसके अनुकूल परम सहृदयता तक, बेस्वाद हो जाएंगे। इसके अलावा, एन्द्रिक वस्तुओं में इंसान की दिलचस्पी या भौतिक वस्तुओं का उपभोग करने के उसके काम, इस प्रक्रिया में उसका भी उपभोग करते हैं, क्योंकि हम सभी देखते हैं कि धीरे धीरे, इंसान के शारीरिक अंग निष्क्रिय हो जाते हैं, उसका ढांचा अस्थिर व कमजोर हो जाता है, उसकी इंद्रियां कमजोर हो जाती है, उसका शरीर कुम्हलाया और जीर्ण हो जाता है, उसके जीवन का सार समाप्त हो जाता है और जोश व साहस जा चुकते हैं। हम गौर करते हैं कि एक आदमी एक चीज को बेइंतहा पसंद करता है जबकि वही चीज दूसरे के लिए अभिशाप होती है। वह उससे यथासंभव छुटकारा पाना चाहता है। क्या यह साबित नहीं करता कि खुशी उन भौतिक वस्तुओं का समानुपात या उस पर निर्भर नहीं होती है जिन्हें व्यक्ति जुटा सकता है, बल्कि इसके व्यक्ति के मानसिक नजरिए और व्यक्ति की आंतरिक अवस्था पर अपने अभिप्राय होते हैं।

हम देखते हैं कि दुनियावी वस्तुएं लगातार बदल रही हैं, अपने मूल स्वभाव से वे क्षणभंगुर हैं। इसलिए यह कैसे हो सकता है कि जिसका कोई स्थायित्व न हो वो परम शांति या स्थायी खुशी का स्रोत हो सकता है? इसके अलावा, हम सभी अपने खुद के और दूसरों के अनुभवों से जानते हैं कि इंसान अपना समूचा जीवन चीजें जुटाने, उसके इकट्ठा करने, उन्हें उपभोग के अनुकूल बनाने और फिर उनका उपभोग करने में बिताता है और, यदि अपने पिछले कर्मों से उभरे, हालात से मजबूर होकर वह इन चीजों को खो देता है तो यही चीजें मानसिक दुख का कारण बन जाती हैं।

उपरोक्त विश्लेषण का उद्देश्य व्यक्ति को इस निष्कर्ष तक पहुंचाना नहीं है कि व्यक्ति को अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए काम नहीं करना चाहिए। जब तक इंसान का शारीरिक अस्तित्व है, उसे भोजन, कपड़े, आसरा और अन्य सभी भौतिक वस्तुओं की आवश्यकता होगी। अगर व्यक्ति के पास ये नहीं होते तो अधूरी भौतिक आवश्यकताएं इंसान के मन को दुखी कर सकती हैं। निराशा धीरे धीरे निष्क्रियता की ओर ले जाएगी, जो एक बुराई भी है। इसलिए मौजूदा अध्याय में बताना यह चाहता था वस्तुओं की कामना या सिर्फ संपदा एकत्रित करना व्यक्ति को परम की कामना की पूर्ति की ओर ले जाता है। बल्कि, व्यक्ति को तंदुरूस्ती, मानसिक आराम, शांति एवं दूसरों के साथ अच्छे संबंधों की भी आवश्यकता होती है।

उपरोक्त सारी बातें इस बात पर निर्भर करती हैं कि हम किस प्रकार के कर्म करते हैं। जैसा कि वे कहते हैं, जैसा बोओगे वैसा आप काटोगे। इसीलिए, इंसान जो उसने किया है उसके खामियाजे से बच नहीं सकता। चाहे कोई संत हो या शैतान, व्यक्ति को अपने कर्म का फल भुगतना पड़ता है–यह एक अनिवार्य नियम है। उदाहरण के लिए, क्या हम नहीं देखते हैं कि जब व्यक्ति दूसरों के साथ अपने संवादों में अपना संयम खो देता है, तो उसका मन बेचैन रहता है। उसका क्रोध ज्यादा तनाव में बदल जाता है। इस तरह, वह भ्रम व अवसाद के शिकंजे में फंस जाता है। इसलिए कोई उचित निष्कर्ष निकाल सकता है कि अपने पूर्व जन्मों में किए गए बुरे कर्म दुख का स्रोत हैं, और इसकी जड़ सारी हमारे मन में होती है।

अनुभव ने दिखाया है कि योग एकमात्र रास्ता है जिन्हें अपनाकर व्यक्ति अपना मन शुद्ध कर सकता है क्योंकि योग शांति लाता है। यह सूक्ष्म स्तरों पर मन में मौजूद, दुखों के बीजों का नाश करता है। अनेक अध्ययनों ने दिखाया है कि योग तनाव व बेचैनी घटाने में सहायता कर सकता है। यह आपके मूड और स्वास्थ्य की मूल समझ को बेहतर भी बना सकता है। फिटनेस सुधारता है। योग अभ्यास करने से उन्नत संतुलन, लचीलापन, गति व क्षमता का दायरा बेहतर हो सकता है। यह इंसान का खुशी प्रदान करता है जो भौतिक वस्तुओं पर निर्भर नहीं है।